{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 05 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 05 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 251
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	74,267.34
निफ्टी	-	23,382.60
सोना	-	1,56,220
चांदी	-	2,80,000
डॉलर	-	95.20

/padmeshmedia   /padmeshmedia   epaper.balaghatexpress.in   E-mail: balaghatexpress@gmail.com

राज्यसभा चुनाव : बीजेपी ने जारी की उम्मीदवारों की सूची

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की एक नई लिस्ट जारी कर दी है, जिसने राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ा दी है। इस लिस्ट में कई राज्यों के बड़े और अनुभवी चेहरों को मौका दिया गया है, तो कुछ नए नामों को लाकर पार्टी ने सबको चौंका भी दिया है।

चुनाव आयोग के मुताबिक, देश के 10 राज्यों की 24 राज्यसभा सीटों पर सांसदों का कार्यकाल जून-जुलाई 2026 में खत्म हो रहा है, जिसके लिए 18 जून को मतदान होना तय हुआ है। पार्टी ने पांच राज्यों की 10 सीटों के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया है, जबकि ओडिशा में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए भी अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। आइए जानते हैं कि बीजेपी ने किस राज्य से किसे टिकट दिया है।

6 राज्यों से 11 उम्मीदवार

उम्मीदवार का नाम	राज्य
ताई तागाक	अरुणाचल प्रदेश
राजूभाई शुक्ला	गुजरात
मुकेशभाई राठवा	गुजरात
मानसिंह परमार	गुजरात
जीतेन्द्र मेघजीभाई कंजारिया	गुजरात
तरुण चुग	मध्य प्रदेश
रजनीश अग्रवाल	मध्य प्रदेश
ए. शारदा देवी	मणिपुर
अलका गुर्जर	राजस्थान
सतीश पूनिया	राजस्थान
देबाशीष सामंतराय	ओडिशा (उप-चुनाव)

18 जून को होंगे राज्यसभा चुनाव

चुनाव आयोग के अनुसार, जून और जुलाई 2026 के दौरान 10 राज्यों से चुने गए राज्यसभा के 24 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इसी वजह से 18 जून को इन सीटों के लिए चुनाव कराए जाएंगे। इन चुनावों के तहत आंध्र प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक की चार-चार सीटों, मध्य प्रदेश और राजस्थान की तीन-तीन सीटों, झारखंड की दो सीटों तथा मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम की एक-एक सीट पर मतदान होगा।

गुजरात की चारों सीटों पर बीजेपी ने घोषित किए उम्मीदवार

गुजरात में खाली हो रही चारों राज्यसभा सीटों के लिए बीजेपी ने अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं। पार्टी ने यहां से राजूभाई शुक्ला, मुकेशभाई राठवा, मान सिंह परमार और जितेंद्र मेघजीभाई कंजरिया को मैदान में उतारा है। गुजरात में सभी चार सीटों पर एक साथ उम्मीदवारों की घोषणा को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राजस्थान में सतीश पूनिया और अलका गुर्जर को मौका

राजस्थान में खाली हो रही तीन सीटों में से बीजेपी ने दो पर अपने पत्ते खोल दिए हैं। पार्टी ने अलका गुर्जर और सतीश पूनिया को उम्मीदवार बनाया है। सतीश पूनिया लंबे समय तक राजस्थान बीजेपी की राजनीति का अहम चेहरा रहे हैं और पार्टी संगठन में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। उनके नाम की घोषणा के बाद राज्य की राजनीति में नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

मध्य प्रदेश, अरुणाचल और मणिपुर से किसे मिला मौका?

मध्य प्रदेश (3 सीटें): मध्य प्रदेश की तीन सीटों में से दो सीटों के लिए बीजेपी ने उम्मीदवार घोषित किए हैं। पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर के नेता तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल को राज्यसभा चुनाव के लिए चुना है। दोनों नेताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने का अनुभव है।

अरुणाचल प्रदेश (4 सीटें): अरुणाचल प्रदेश की सीट के लिए बीजेपी ने ताई टागक को उम्मीदवार बनाया है।

मणिपुर (1 सीट): मणिपुर से ए. शारदा देवी ।

खास खबर

5 मंदिरों को उड़ाने की धमकी

मोहाली। पंजाब के 5 मंदिरों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इसमें दुर्ग्याणा मंदिर, मुक्तेश्वर मंदिर, देवी तलाब मंदिर, माइसरखाना मंदिर, काली देवी मंदिर का नाम शामिल है। ईमेल में लिखा- दोपहर 1:11 से 3:11 बजे के बीच धमाके होंगे। 6 जून 1984 को गोल्डन टेंपल पर हुए अटैक बदला लेंगे। इसके अलावा चंडीगढ़ स्थित पंजाब सचिवालय को भी बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। गुरुवार को सचिवालय के कंट्रोल रूम को एक ई-मेल मिला, जिसमें परिसर में बम होने का दावा किया गया था। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। सचिवालय और मंदिरों के आसपास के इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन शुरुआती जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। वहीं, पुलिस और साइबर सेल की टीमें धमकी भरे ई-मेल की जांच में जुटी हैं।

दिग्गज फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी का निधन

मुंबई.। हिंदी फिल्म उद्योग के वरिष्ठ फिल्म निर्माता और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के पूर्व अध्यक्ष पहलाज निहलानी का 76 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से फिल्म जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ समय से अस्वस्थ थे और लिवर संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे।

पहलाज निहलानी के निधन पर फिल्म उद्योग से जुड़े कलाकारों, निर्माताओं और उनके प्रशंसकों ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को याद किया। बतौर फिल्म निर्माता पहलाज निहलानी ने हिंदी सिनेमा को कई लोकप्रिय फिल्में दीं। उन्होंने आंखें, शोला और शबनम, अंदाज, तलाश, रंगीला राजा और जूली 2 जैसी फिल्मों का निर्माण किया। उन्होंने वर्ष 1982 में फिल्म हथकड़ी से बतौर निर्माता अपने करियर की शुरुआत की थी।

डॉ. सुभाष कश्यप का निधन, संविधान जगत ने खोया वरिष्ठ विद्वान

नई दिल्ली। देश के प्रख्यात संविधान विशेषज्ञ और पूर्व लोकसभा महासचिव डॉ. सुभाष सी. कश्यप का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने अपने निवास पर अंतिम सांस ली। चिकित्सकीय जानकारी के अनुसार, उनका निधन कार्डियो-पल्मोनरी अरेस्ट के कारण हुआ। डॉ. कश्यप भारतीय संसदीय परंपरा, संविधान और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अपने गहन अध्ययन के लिए जाने जाते थे। उन्होंने लोकसभा महासचिव के रूप में कार्य करते हुए संसदीय प्रक्रियाओं के आधुनिकीकरण और संस्थागत मजबूती में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने सही माना

पद पर ज्यादा शैक्षणिक योग्यता वाले कर्मचारी को बैंक ने निकाला...

नई दिल्ली । सरकारी और निजी नौकरियों में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि किसी पद के लिए तय अधिकतम शैक्षणिक योग्यता से अधिक पढ़े-लिखे उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर सकते है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नियोक्ता को किसी पद के लिए न्यूनतम ही नहीं, बल्कि अधिकतम योग्यता तय करने का भी अधिकार है और ऐसा करना कानूनन उचित है।

जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा कुछ पदों के लिए योग्यता की ऊपरी सीमा निर्धारित करने के पीछे तर्क और न्यायसंगत उद्देश्य होता है। इसका मकसद उन लोगों को रोजगार के मौके उपलब्ध कराना है जो आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियों के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राज्य एक आदर्श नियोक्ता के रूप में इसतरह के पदों को कम शैक्षणिक योग्यता वाले अभ्यर्थियों के लिए सुरक्षित रख सकता है। यदि अधिक शिक्षित उम्मीदवारों को भी इसतरह के पदों पर आवेदन और नियुक्ति की अनुमति दे दी जाए, तब अपेक्षाकृत कम पढ़े-लिखे लेकिन पात्र उम्मीदवारों के मौके प्रभावित हो सकते हैं। इससे भर्ती प्रक्रिया का मूल उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि अदालतें पहले भी ऐसी नीतियों को वैध और उचित ठहरा चुकी हैं। इसलिए किसी विशेष पद के लिए तय शैक्षणिक सीमा का पालन अनिवार्य है और उससे अधिक योग्यता रखने वाले व्यक्ति को केवल इस आधार पर पात्र नहीं माना जा सकता कि वह नौकरी करने का इच्छुक है।

यह टिप्पणी एक बैंक कर्मचारी की बर्खास्तगी से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान की गई। संबंधित कर्मचारी को नौकरी से इसलिए हटाया था क्योंकि नियुक्ति के समय उसने अपनी वास्तविक शैक्षणिक योग्यता छिपाई थी। पद के लिए शर्त थी कि उम्मीदवार कम से कम आठवीं पास हो, लेकिन 12वीं पास या उससे अधिक शिक्षित न हो। जांच में सामने आया कि कर्मचारी स्नातक था, इसके बाद उसकी सेवा समाप्त कर दी गई।

हॉस्पिटल में आग, 5 की मौत

मुजफ्फरपुर। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक प्राइवेट अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 20 से ज्यादा लोग झुलस गए। हादसा बुधवार रात करीब 3 बजे हुआ। आग शॉर्ट सर्किट से लगी। इसके बाद आईसीयू में लगे एसी में ब्लास्ट हुआ। इसकी वजह से आग तेजी से फैली। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड अस्पताल पहुंची और आग पर काबू पाया। लोगों ने मौके से स्टाफ के गायब होने

का आरोप लगाया। परिजन अपने मरीजों को स्ट्रैचर से बाहर ले जाते दिखे। आईसीयू वार्ड 5वीं फ्लोर पर है, जिसकी वजह से रेस्क्यू में दिक्कत आई। दमकलकर्मियों ने आईसीयू और अस्पताल के दूसरे वार्डों में फंसे मरीजों को खिड़कियां और दरवाजे तोड़कर बाहर निकाला। तीन मृतकों की पहचान हो गई है, जिनमें, गीता देवी, चंचला कुमारी, 57 साल के उदय कुमार, 30 साल के शशांक कुमार शामिल हैं। एक की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं, हादसे के बाद प्रसाद हॉस्पिटल से कई मरीज गायब बताए जा रहे हैं। इसे लेकर मरीज के परिजन हंगामा कर रहे हैं। उनकी मांग है कि मरीजों को वापस लाया जाए। हालांकि, पुलिस और प्रशासन का कहना है कि उनका दूसरे अस्पताल में इलाज चल रहा है।

टीसीएस के बाद विप्रो में धर्मांतरण का आरोप

-पीड़ित बोली- कर्मचारी ने इस्लाम अपनाने, मुस्लिम से संबंध बनाने को कहा, शिकायत की तो इस्तीफा लिया

पुणे। पुणे की एक महिला ने विप्रो टेक्नोलॉजीज कंपनी पर धार्मिक उत्पीड़न, कार्यस्थल पर भेदभाव और जबरन इस्तीफा दिलाने के आरोप लगाए हैं। महिला पहले इस कंपनी में काम करती थी। ये आरोप पुणे में हिंदू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए गए। इस दौरान पूर्व कर्मचारी ने उन घटनाओं के बारे में बताया, जो उसके साथ उस समय हुई थीं जब वह हिंजवडी ऑफिस में काम करती थी। इसके बाद पुणे के हिंजवडी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। पूर्व कर्मचारी के वकील ने बताया कि कंपनी को कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। उन्होंने 50 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है।

पीड़ित महिला ने कहा कि अगस्त 2025 में कंपनी की एक टीम मीटिंग में बुलाया गया था। इस दौरान मुझ पर इस्तीफा देने का दबाव बनाया गया। मुझे अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया और इस्तीफा ले लिया गया। पीड़ित महिला ने आरोप लगाया कि उसकी एक महिला सहकर्मी कई बार उस पर इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम पुरुष के साथ संबंध बनाने का दबाव डालती थी। उसका कहना है कि सहकर्मी बार-बार उसकी निजी जिंदगी में दखल देती थी और उसे हिंदू धर्म छोड़ने के लिए कहती थी। महिला के अनुसार, सहकर्मी कहती थी कि ऐसा करने से उसकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी और उसे विदेश जाने के अवसर मिलेंगे।

10 महीने तक उत्पीड़न सहने का आरोप

महिला ने आरोप लगाया कि मामले की जानकारी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को भी दी गई थी, लेकिन उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बजाय कंपनी की ओम्बड्स कमेटी में उसके खिलाफ ही शिकायत दर्ज कर दी गई। वहीं, हिंजवडी पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

जब कानून के रखवाले वसूली करने लगें तो असहाय हो जाता है नागरिक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल अगस्त में मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर नाबालिग के साथ यात्रा कर रहे व्यक्ति से जबरन वसूली और धमकी देने के आरोपी तीन रेलवे पुलिसकर्मियों की अग्रिम जमानत रद्द कर दी है। इन पुलिसकर्मियों को पिछले साल सितंबर में बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहत दी थी। मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि जब कानून लागू करने वाले ही जबरन वसूली करने लगें, तो नागरिक असहाय होकर देखता रह जाता है और उसके पास

झुकने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचता। सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को अस्पष्ट बताते हुए उसे खारिज कर दिया। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि अपने पद का दुरुपयोग करने वाले किसी पुलिस अधिकारी के मामले से निपटते समय एक आम आरोपी व्यक्ति पर लागू होने वाली सामान्य धारणाएं लागू नहीं होंगी। यह घटना पिछले साल अगस्त महीने की है। एक यात्री अपने एक नाबालिग बच्चे के साथ राजस्थान जा रहा था। यात्री ने आरोप लगाया था कि पुलिसकर्मियों ने उसके पास से 14 ग्राम सोने का बिस्कुट और 31,900 रुपए नकद मिलने के बाद उसे हिरासत में ले लिया था और फिर उससे जबरन वसूली की गई।

पुणे आईटी कंपनी बंद, 700 से अधिक कर्मचारी प्रभावित

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित हिंजेवाड़ी आईटी हब में एक निजी आईटी कंपनी के अचानक बंद होने से 700 से अधिक कर्मचारी और इंटर्न प्रभावित हुए हैं। कर्मचारियों की शिकायत के आधार पर कंपनी के सीईओ हर्षल ठाकरे को कथित धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें महीनों से वेतन और भत्ते नहीं मिले। कई लोगों ने बताया कि कंपनी ने लैपटॉप उपलब्ध कराने के नाम पर उनसे 15,000 रुपये जमा कराए। जनवरी के बाद से वेतन भुगतान रुक गया था और प्रबंधन बार-बार नई तारीखें देता रहा, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। आईटी कर्मचारियों के संगठन एफआईटीई ने भी मामले में हस्तक्षेप किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने में कर्मचारियों की मदद की। बताया जा रहा है कि कंपनी ने महाराष्ट्र के विभिन्न शहरों से इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती की थी और कई प्रतिष्ठित कॉलेजों के प्लेसमेंट ड्राइव में भी भाग लिया था।

कर्नाटक कांग्रेस को नया अध्यक्ष मिला बीके हरिप्रसाद ने संभाली कमान

बेंगलुरु । कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) को नया अध्यक्ष मिल गया है। वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद ने डीके शिवकुमार का स्थान लिया है, जिन्हें कुछ ही घंटों पहले राज्य के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई थी। यह नियुक्ति राज्य में एक महत्वपूर्ण सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक है, जहां शिवकुमार ने 13 अन्य मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। एआईसीसी महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल द्वारा जारी बयान में हरिप्रसाद को तत्काल प्रभाव से अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की गई। साथ ही, पार्टी ने निवर्तमान पीसीसी अध्यक्ष डीके के महत्वपूर्ण योगदान की सराहना की। हरिप्रसाद को आगामी राज्य विधान परिषद चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में भी नामित

किया गया है। संगठन में अपने व्यापक अनुभव के लिए जाने जाने वाले हरिप्रसाद ने पहले भी कई राज्यों में पार्टी के कामकाज की देखरेख की है। वह वर्तमान में हरियाणा में कांग्रेस के प्रभारी हैं, लेकिन कर्नाटक में अपनी नई जिम्मेदारी संभालने के बाद जल्द ही इस पद से मुक्त हो जाएंगे। उनके लंबे राजनीतिक अनुभव और संगठन की गहरी समझ को देखते हुए पार्टी को उनके नेतृत्व में कर्नाटक में कांग्रेस को और मजबूत करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री डीके ने पोस्ट में हरिप्रसाद को उनकी नियुक्ति पर हार्दिक बधाई दी, विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में कांग्रेस और अधिक मजबूत होगी। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी हरिप्रसाद की वैचारिक प्रतिबद्धता, समर्पण और संघर्षपूर्ण जीवन की सराहना की।

अदालत मामलों के निपटारे की समय सीमा तय नहीं करेगी

-याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस याचिका पर सुनवाई करने से मना कर दिया जिसमें मुकदमों को तय समय में निपटाने के लिए नियम बनाने की मांग की गई थी। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने एक वकील की इस अर्जी को खारिज कर दिया। याचिका में देशभर की अदालतों में बार-बार मिलने वाली तारीखों (स्थगन) को रोकने के लिए कड़े और एक समान नियम बनाने का आग्रह किया गया था।

याचिकाकर्ता ने सभी अदालतों के लिए एक नेशनल केस फ्लो मैनेजमेंट पॉलिसी लागू करने की मांग भी की थी। इसमें मुकदमों के हर चरण के लिए समय सीमा तय करने, जरूरत पड़ने पर रोजाना सुनवाई करने और पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता से निपटाने का सुझाव दिया गया था। सुनवाई के दौरान बेंच ने याचिकाकर्ता से कहा कि वे इस मामले को लेकर बार काउंसिल ऑफ इंडिया, स्टेट बार काउंसिल और विभिन्न बार एसोसिएशनों के पास जाएं। अदालत ने हल्के-फुल्के अंदाज में टिप्पणी की कि वे वकीलों से दुश्मनी नहीं लेना चाहते क्योंकि हम वकीलों के दोस्त हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली,। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने बुधवार को दिल्ली में अपनी पहली प्रेसवार्ता आयोजित कर शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार की घेराबंदी की। पार्टी के प्रवक्ताओं ने केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर कहा कि वे अपनी मांगों को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष दोनों से बातचीत करने के लिए तैयार हैं। प्रेसवार्ता में सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता के तबादले को महज औपचारिक कदम बताया। उनका कहना था कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए जवाबदेही तय करना जरूरी है और केवल अधिकारियों के स्थानांतरण से समस्याओं का समाधान नहीं होगा। पार्टी ने घोषणा की कि उसके संस्थापक अभिजीत दीपके 6 जून को अमेरिका से दिल्ली पहुंचने वाले है। इसके बाद वे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति लेने के लिए संसद मार्ग थाने जाएंगे। संगठन ने देशभर के युवाओं से आंदोलन में शामिल होने की अपील भी की है। सीजेपी नेताओं ने दावा किया कि प्रसिद्ध जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हो सकते हैं। उनका कहना है कि यह आंदोलन शिक्षा व्यवस्था और राजनीतिक तंत्र को लेकर युवाओं में बढ़ रही नाराजगी को सामने लाने का प्रयास है।

कुछ ना कहना

छत्तीसगढ़ में इबोला की आहट, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

दुर्ग-भिलाई में मिले तीन संदिग्ध मरीज

भिलाई। छत्तीसगढ़ में जानलेवा इबोला वायरस की संभावित एंट्री ने स्वास्थ्य महकमे और आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। दुर्ग जिले में इबोला संक्रमण के तीन संदिग्ध मामलों की पहचान की गई है। इनमें से दो व्यक्ति भिलाई के और एक दुर्ग क्षेत्र का निवासी है। राहत की बात यह है कि प्राथमिक जांच में तीनों की स्थिति सामान्य है, लेकिन एहतियातन कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार, भिलाई के रहने वाले दोनों संदिग्ध मरीज हाल ही में अफ्रीकी देश इथियोपिया और युगांडा की यात्रा कर लौटे हैं। वहीं, दुर्ग का रहने वाला तीसरा संदिग्ध व्यक्ति कांगो से भारत आया है, जो छत्तीसगढ़ पहुंचने से पहले कुछ समय तक मुंबई में भी ठहरा हुआ था। इन देशों में इबोला के इतिहास को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग बेहद सतर्कता बरत रहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग ने ट्रैवल हिस्ट्री के आधार पर तीनों व्यक्तियों की पहचान कर आवश्यक स्वास्थ्य निगरानी (सर्विलांस) शुरू कर दी है। चिकित्सा अधिकारियों के निर्देशानुसार, सभी संदिग्धों को अनिवार्य रूप से 21 दिनों तक होम आइसोलेशन में रहने की सलाह दी गई है। जिला स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल तीनों की स्वास्थ्य स्थिति पूरी तरह सामान्य है और उनमें इबोला के किसी गंभीर लक्षण की पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी प्रोटोकॉल के तहत उनके स्वास्थ्य पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा रही है।

नीट अभ्यर्थी की मौत पर राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर कसा तंज, कहा

कुर्सी स्थायी नहीं होती, आती-जाती रहती है

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नागपुर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी करने वाली एक छात्रा की कथित आत्महत्या की घटना को लेकर गुरुवार को मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पिछले 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था की बर्बादी की कीमत पूरी एक युवा पीढ़ी चुका रही है। उन्होंने दावा किया कि छात्रा की मौत आत्महत्या नहीं, बल्कि मोदी जी की एक भ्रष्ट, टूटी हुई व्यवस्था की देन है। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, आकांक्षा डॉक्टर बनकर देश और समाज की सेवा करना चाहती थी। आकांक्षा के पिता किसान हैं। बेटी के डॉक्टर बनने के सपने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर तीन

लाख रुपये का कर्ज लिया। नागपुर में खुद रसोइये की नौकरी कर ली, ताकि बेटी वहां कोचिंग कर सके।

उन्होंने कहा, एक पिता जो कर सकता था, उसने सब किया। फिर नीट पेपर लीक हुआ। परीक्षा रद्द हुई। उस अनिश्चितता में आकांक्षा हमें छोड़कर चली गई। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, और धर्मेंद्र प्रधान जी? आज भी कुर्सी पर हैं। फिर वही समिति। वही तबादला। वही जांच। न सुधार, न न्याय। राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी, कुर्सी स्थायी नहीं होती, आती-जाती रहती है। लेकिन आपने 12 वर्षों में शिक्षा व्यवस्था को जिस हद तक बर्बाद किया है, उसकी कीमत भारत की एक पूरी युवा पीढ़ी चुका रही है।

पेट्रोल/डीजल मंहगाई का हरी सब्जियों में दिख रहा असर

आसमान छू रहे सब्जियों के दाम,ग्रहणीयों का बिगड़ा बजट, व्यापारी बोले अभी और बढेंगे दाम, आगामी 3 माह तक दाम कम होने का कोई चांस नही

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

पेट्रोल/डीजल के दामो में आ रहे लगातार उछाल का सीधा असर अब हरी सब्जियों में भी दिखने लगा है।जिससे आम जनजीवन प्रभावित रहा है। लगातार बढ़ती जा रही मंहगाई के बीच अब हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे है।वही सब्जियों के दाम में आए इस उछाल ने गृहणियों का बजट बिगाड़ दिया है।आलम ये है अब लोग हरी सब्जी खरीदने की जगह दाल, बेसन, कड़ी बनाने में ही अपनी समझदारी दिखा रहे है।जिसकी असली वजह पेट्रोल/डीजल की कीमतों में आया उछाल बताया जा रहा है।हरी सब्जियों की इन बढ़ी हुई कीमतों से जहां एक ओर आम नागरिक परेशान है तो वही ग्राहकी न होने से सब्जी विक्रेताओं को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया गया की पेट्रोल डीजल के दामो में रोजाना बढ़ोतरी होने से माल भाड़ा भी बढ़ रहा है।जिससे सब्जियों सहित अन्य सामग्रियों के दाम आसमान छू रहे है,वही आम लोगो का बजट बिगड़ रहा है।

1 सप्ताह के भीतर सब्जियों के दाम में हुआ दुगना इजाफा

अमूमन दिनों में सस्ते दामो में बिकने वाली हरी सब्जियों के दाम काफी अधिक बढ़ गए है।बताया गया 1 सप्ताह से लगभग सभी सब्जियों के दामो में लगातार इजाफा हो गया है।जिसके चलते हरी सब्जियों से दूरी बनाने में ही आमजन अपनी समझदारी दिखा रहे है।करीब 1 सप्ताह पहले तक 15 रुपये किलो बिकने वाला टमाटर आज 30 से 40 रुपए किलो बिक रहा है। करेला 80 रुपए किलो, बरबटी 80 रुपए किलो, अरबी 20 से सीधे 45 रुपए किलो।, बैगन 10 रुपये से सीधा 40 रुपए प्रति किलो, वही फूलगोभी 20 से 50 रु किलो, शिमला मिर्च 70 से 80 रु किलो,, भिंडी 20 से 40 रुपए किलो, हरी मिर्ची 50 से 80 रुपए किलो तक बाजार में बिक रही है।वही धनिया ,लहसन ,अदरक आदि 100 से 150 रु तक बिक रहे है।वही आलू प्याज को छोडकर अन्य सब्जियो के दाम में जबरदस्त उछाल देखा जा रहा है, ककड़ी 50 रु, चौलाई 60 रु किलो, तक बिक रही है।वही अन्य सब्जियों के दामो में भी रोजाना दुगुना इजाफा देखा जा रहा है और आगे भी इनकी कीमतों में इजाफा होने की संभावनाएं जताई जा रही हैं।

लोकल सब्जियों की नही हो रही आवक

भीषण गर्मी की वजह से स्थानीय ग्रामीण क्षेत्रो से आने वाली सब्जियों की खेती में असर पड़ा है।यही कारण है कि सब्जियों की आपूर्ति प्रभावित हुई है।जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों द्वारा भारी मात्रा में सब्जी का उत्पादन किया जाता है लेकिन भीषण गर्मी की वजह से सब्जियों की फसलें प्रभावित हो गई।वही नौतपा के बाद अच्छी बारिश की संभावनाओं को देखते हुए किसानो ने सब्जी की जगह धान की फसल के लिए खेतो में जुताई करा ली है। जिससे हरी सब्जियों का उत्पादन घट गया और उत्पादन घटते ही सब्जियों की मांग अधिक हो गई वही माँग बढने से सब्जियों के दाम में दोगुना इजाफा हो चुका है।उधर पेट्रोल डीजल के दाम लगातार बढ़ने से माल भाढ़ा भी बढ़ गया है। एक अनुमान के मुताबिक सब्जी के मूल खरीदी रेट के अलावा प्रति किलो सब्जी में 5रु तक का भाड़ा चार्ज जोडा रहा है जिससे पहले से महंगी सब्जी के दाम और अधिक बढ़ चुके हैं

पेट्रोल/डीजल के दाम बढ़ने से दुगना हुआ किराया

सब्जियों के दाम बढ़ने की सबसे बड़ी वजह माल भाड़ा बढ़ना भी बताया जा रहा है लगातार पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने से माल भाड़ा महंगा हो चुका है जिससे सब्जियों के दामों में उछाल देखा जा रहा है जिले में लोकल सब्जी की आवक नहीं है जिसके चलते लगभग सभी प्रकार की सब्जी छिंदवाड़ा, नागपुर, गोंदिया व सिवनी सहित अन्य जगहों से आ रही है ऐसे में पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ने से लगेज भाड़ा बढ़ गया है जिसका असर हरी सब्जियों में देखा जा रहा है

बढ़े हुए दामो से ग्राहक के साथ-साथ दुकानदार भी परेशान

पिछले दिनों लगातार पेट्रोल डीजल के दाम बढने के चलते सब्जी की कीमत में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। हर दिन खाए जाने वाली सब्जियों के दाम भी आसमान छू रहे है।सब्जी दुकानदारों की मानें तो पिछले कुछ दिनों से बाजार मंदा चल रहा है।पहले जहां लोग किलो में सब्जी खरीदकर ले जाते थे अब वे महज आधा किलो सब्जी खरीद रहे हैं।वहीं, सब्जी खरीदने वाले ग्राहक पहले दो तीन सब्जी एक बार में खरीद कर ले जाते थे और फ्रिज में भर कर रख देते थे लेकिन अब किसी तरह काम चलाने के लिए महज पाव भर सब्जी खरीद रहे है। उधर साग सब्जी समेत अन्य सामानों की कीमतो में बढ़ोतरी होने से लोगो का बजट बिगड़ चुका है।

लोग हरी सब्जी से कर रहे परहेज

स्थानीय किसान भी हरी सब्जी बेचने मार्केट में नहीं आ रहे हैं जिसके चलते सब्जियों की मांग अधिक हो गई है आवक कम और मांग अधिक होने के चलते सब्जियां महंगी हो चुकी है जिसमें उतार-चढ़ाव जारी है।जिसके कारण सब्जी खरीदने वाले और बेचने वाले दोनों मजबूर हैं वही सब्जियों के दाम बढ़ने से लोग हरी सब्जी खाने से परहेज कर रहे हैं। लोग सब्जियों के बढ़े हुए दामो सुनकर वापस लौट जाते हैं

अभी और बढ़ेंगे दाम, 3 माह तक नहीं मिलेगी राहत- बुरडे

चर्चा के दौरान गुजरी बाजार चिल्लर सब्जी व्यापारी संघ अध्यक्ष राजेश बरडे ने बताया कि गर्मी बहुत बढ़ गई है जिसके चलते सब्जियों का उत्पादन कम हो गया है, इससे बाहर से आने वाला माल ज्यादा मात्रा में खराब हो रहा है, इससे भी सब्जियों के दाम बढ़े हैं। इसके अलावा पेट्रोल डीजल के दामों में आए उछाल के चलते ट्रक मालिकों ने भाड़ा बढ़ा दिया है जिससे सब्जियां और अधिक महंगी हो गई हैं। वर्तमान समय में सब्जियों के दामों में करीब 15 से 20 प्रतिशत तक का उछाल देखा जा रहा है। ग्राहक लोग दाम सुनकर ही वापस लौट रहे हैं, कई ग्राहक मजबूरी में सब्जियां खरीद रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी रोज कमाने खाने वाले लोगों को हो रही है। उन्होंने बताया कि अभी सब्जियों के दाम और अधिक बढ़ेंगे और जब तक बरसात शुरू होकर, खत्म नहीं हो जाती तब तक दामों में इसी तरह का उछाल देखा जाएगा। करीब 3 माह बाद ही सब्जी के दाम कम होने की उम्मीद है या फिर नया माल आने पर ही सब्जियों के दाम कम हो सकते है।

बावनथड़ी कॉलोनी पहुंचीं विधायक अनुभा मुंजारे, जल समस्या के समाधान का दिया आश्वासन

पीजी कॉलेज में छात्र-छात्राओं से की चर्चा, छात्रवृत्ति और परीक्षा परिणाम सहित विभिन्न समस्याओं पर लिया फीडबैक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर आम नागरिकों एवं छात्र-छात्राओं की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने वार्ड क्रमांक 23 स्थित बावनथड़ी कॉलोनी में पहुंचकर पेयजल संकट का जायजा लिया, वहीं शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय (पीजी कॉलेज) में विद्यार्थियों से मुलाकात कर उनकी शैक्षणिक समस्याओं की जानकारी ली। जानकारी के अनुसार शहर की बावनथड़ी कॉलोनी में पिछले लगभग 15 दिनों से पेयजल संकट की

स्थिति बनी हुई है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि कई बार संबंधित विभाग और नगर पालिका के कर्मचारियों को समस्या से अवगत कराया गया, साथ ही सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें शिकायत वापस लेने के लिए कहा जा रहा है, जबकि पानी की समस्या जस की तस बनी हुई है।

क्षेत्रवासियों की शिकायतों के बाद विधायक अनुभा मुंजारे 3 जून की शाम अपने समर्थकों के साथ बावनथड़ी कॉलोनी पहुंचीं। उन्होंने प्रभावित परिवारों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर बात कर स्थिति की जानकारी ली। विधायक ने आश्वासन दिया कि पेयजल संकट का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा तथा 24 घंटे के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए हैं। कॉलोनीवासियों ने विधायक को बताया कि भीषण गर्मी के बीच पानी की समस्या से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई परिवारों को दूर-दराज क्षेत्रों से पानी लाना पड़ रहा है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। विधायक ने नागरिकों को भरोसा दिलाया कि समस्या का शीघ्र निराकरण कराया जाएगा। इसी क्रम में 4 जून को विधायक अनुभा मुंजारे शहर के पीजी कॉलेज पहुंचीं, जहां उन्होंने छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विद्यार्थियों ने छात्रवृत्ति भुगतान में हो रही देरी, विश्वविद्यालय स्तर पर परीक्षा परिणाम देर से जारी होने तथा अन्य शैक्षणिक समस्याओं को उनके सामने रखा। कुछ शोधार्थियों ने विधायक को बताया कि वे पीएचडी की पढ़ाई कर रहे हैं, लेकिन समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अन्य विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय से जुड़े प्रशासनिक कार्यों में हो रही देरी और परीक्षा परिणामों के विलंब का मुद्दा उठाया। विधायक ने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक पहल करने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा और जहां भी आवश्यक होगा, वहां विभागीय अधिकारियों एवं संबंधित मंत्रियों के समक्ष मामला रखा जाएगा। विधायक अनुभा मुंजारे ने कहा कि छात्र-छात्राओं की शिक्षा से जुड़े विषयों को प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यदि भविष्य में किसी भी प्रकार की समस्या आती है तो वे सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। साथ ही महाविद्यालय प्रबंधन से भी कहा कि यदि कोई विषय राज्य शासन या उच्च शिक्षा विभाग स्तर का है तो उसकी जानकारी उन्हें उपलब्ध कराई जाए, ताकि भोपाल प्रवास के दौरान संबंधित अधिकारियों के समक्ष उसे प्रभावी ढंग से रखा जा सके।

आकाशवाणी चौक से भूरा भगत चौक, कुटुंब न्यायालय एवं एमपीईबी कार्यालय के सामने किये गये अतिक्रमण को तीन दिन के भीतर हटाने के निर्देश

अतिक्रमण हटाने के दौरान शासकीय कार्य में बाधा डालने वालों पर एफआईआर दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के आकाशवाणी चौक से भूरा भगत चौक तथा भूरा भगत चौक से कुटुम्ब न्यायालय एवं एमपीईबी कार्यालय के सामने तक किए गए अतिक्रमण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय तहसीलदार बालाघाट द्वारा अतिक्रमणकारियों को पूर्व में नोटिस एवं बेदखली आदेश जारी किए जाने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया है। अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई है कि वे तीन दिनों के भीतर शासकीय जमीन पर किये गये अतिक्रमण हटा दें। अन्यथा उनका अतिक्रमण बलपूर्वक हटा दिया जायेगा।

बालाघाट तहसीलदार द्वारा बताया गया है कि संबंधित अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर सुनवाई उपरांत 1 दिसंबर 2025 को बेदखली आदेश जारी किए गए थे। इसके बाद भी उनके द्वारा अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर अंतिम नोटिस जारी किया गया, लेकिन अतिक्रमण यथावत बना रहा। प्रशासन द्वारा 29 मई 2026 को राजस्व अमले के साथ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई, लेकिन मौके पर अतिक्रमणकारियों द्वारा विरोध करते हुए शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई। जिस पर रेवतनबाई मालवीय, अखिलेश मरकाम, कृष्णा मेश्राम, सरिता मेश्राम सहित अन्य अज्ञात अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कोतवाली थाना बालाघाट में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 132, 221 एवं 351(3)(5) के तहत अपराध दर्ज कराया गया है।

तहसीलदार न्यायालय द्वारा अतिक्रमण हटाने के लिए पारित आदेश के अनुसार 18 दिसंबर 2025 से अतिक्रमण नहीं हटाने पर प्रतिदिन 2 हजार रुपये की दर से अतिक्रमणकारियों पर दंड अधिरोपित किया गया है, जिसकी वसूली मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 146 एवं 147 के तहत की जा रही है।

सभी अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी गई है कि यदि उनके द्वारा तीन दिनों के भीतर स्वयं अतिक्रमण नहीं हटाया जायेगा तो प्रशासन द्वारा बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जाएगा तथा कार्रवाई में होने वाला समस्त व्यय भी संबंधित अतिक्रमणकारियों से वसूल किया जाएगा।

कायदी में सामुदायिक भवन निर्माण पर रोक से उठे सवाल

छोटे झाड़ जंगल भूमि पर वर्षों से बने मकानों और सरकारी निर्माणों पर क्यों नहीं हुई कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/वारासिवनी। जनपद पंचायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी एक बार फिर सुर्खियों में है। यहां सरपंच द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यों पर आपत्ति और रोक लगाने का मामला लगातार चर्चा का विषय बना हुआ है।हाल ही में ग्राम पंचायत कायदी की सरपंच पुष्पा नगरग? द्वारा गांव में सामुदायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा था। जिस पर शिकायत के बाद प्रशासन ने अस्थाई रोक लगा दी है। यह कार्रवाई उपसरपंच धरमसिंह राजपूत द्वारा की गई शिकायत के आधार पर की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि शासकीय छोटे झाड़/बड़े झाड़ जंगल एवं गोठान भूमि के खसरा नंबर 860, 861 और 863 पर अवैध रूप से निर्माण किया जा रहा है।मामले में नायब तहसीलदार वारासिवनी ने प्रस्तुत आवेदन के आधार पर आगामी 5 जून 2026 तक निर्माण कार्य पर अस्थाई रोक लगाने के निर्देश जारी किए हैं।

सवालों के घेरे में कार्रवाई

इस कार्रवाई के बाद गांव में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। जिस स्थान पर सामुदायिक भवन का निर्माण किया जा रहा है उसके समीप ही 25 बिस्तरों वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण अंतिम चरण में है। ग्रामीणों का कहना है कि यह निर्माण भी छोटे झाड़ जंगल भूमि पर ही किया गया है। इसके अलावा मोक्षधाम भी उसी श्रेणी की भूमि पर स्थित है।ग्रामीणों का तर्क है कि जब वर्षों से इस क्षेत्र में सरकारी और निजी निर्माण होते रहे हैं। तब केवल सामुदायिक भवन निर्माण पर रोक लगाना कई सवालों को जन्म देता है।

गांव में पहले से बने हैं सैकड़ों निर्माण

ग्राम कायदी में छोटे झाड़ जंगल भूमि पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, इंदिरा आवास कॉलोनी सहित लगभग 100 से अधिक मकान निर्मित हैं। विद्यालय के आसपास भी करीब तीन दर्जन ग्रामीण वर्षों से निवास कर रहे हैं।इसके अलावा ग्राम पंचायत कायदी के जोड़ापाट क्षेत्र में भी दर्जनों मकान इसी प्रकार की भूमि पर बने हुए हैं। ग्राम छोटाटोला की स्थिति भी कुछ ऐसी ही है।जहां आबादी क्षेत्र से अधिक मकान छोटे झाड़ जंगल भूमि पर निर्मित बताए जाते हैं।ऐसे में ग्रामीणों के बीच यह आशंका भी चर्चा का विषय बन रही है कि यदि भविष्य में अतिक्रमण की कार्रवाई हुई तो क्या इन वर्षों पुराने मकानों को भी हटाया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों की भूमिका पर चर्चा

ग्रामीणों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को सामुदायिक भवन निर्माण रुकवाने की बजाय निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान देना चाहिए। लोगों का कहना है कि यह भवन शासन की योजना के तहत सरकारी राशि से शासकीय भूमि पर बनाया जा रहा है। जिससे गांव के लोगों को सामाजिक और सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए सुविधा मिलेगी।ग्रामीणों ने यह भी कहा कि जिस खसरा नंबर को लेकर विवाद खड़ा हुआ है। वहां बड़े झाड़ का जंगल नहीं है। यदि वास्तव में यह बड़े झाड़ जंगल की भूमि होती तो वन विभाग पहले ही किसी भी प्रकार के निर्माण की अनुमति नहीं देता।

भूमि परिवर्तन का मामला पहले से लंबित

ज्ञात हो कि वर्ष 2025 में ग्राम पंचायत द्वारा खसरा नंबर 274, 305/1, 336, 496, 590 और 614 की छोटे झाड़ जंगल एवं घास मद की भूमि को आवास आबादी मद में परिवर्तन करने हेतु कलेक्टर को आवेदन दिया गया है।इससे पहले पूर्व सरपंच स्वर्गीय डॉ. प्रमोद सिंह बाटे द्वारा भी उक्त भूमि को आवासीय उपयोग में परिवर्तन करने के लिए प्रशासन को ज्ञापन सौंपा जा चुका है।अब देखना होगा कि प्रशासन इस पूरे मामले में क्या निर्णय लेता है और वर्षों से बसे ग्रामीणों एवं शासकीय निर्माणों को लेकर क्या नीति अपनाई जाती है।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति
लालबर्रा जिला-बालाघाट (म0प्र0)
क0 / मंडी / तौलकांटा / 2026-27/ 152
लालबर्रा, दिनांक- 04/06/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

कृषि उपज मंडी समिति लालबर्रा घ श्रेणी मंडी द्वारा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से स्वयं के व्यय पर बिल्ट ऑपरेट एण्ड ट्रांसफर (बी0ओ0टी0) के तहत संरचना की स्थापना एवं संचालन हेतु वार्षिक प्रीमियम के आधार पर निविदा सिस्टम क्रमांक 2026_MPSAM_512600_1 के अंतर्गत ऑन लाईन निविदायें दिनांक 19.06.2026 को शाम 3.30 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म0प्र0 शासन के ई-निविदा के पोर्टल https://mptenders.gov.in पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल www.mpmandi-board.co.in पर भी अवलोकनीय होगी।

नोट :- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेगी।

सचिव
कृषि उपज मंडी समिति
लालबर्रा

थाना नवेगांव ग्रामीण पुलिस की बड़ी कार्यवाही

70 लीटर अवैध महुआ शराब जप्त-एक आरोपी गिरफ्तार-एक फरार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर लगातार शिकंजा कसते हुए थाना नवेगांव (ग्रामीण) पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 70 लीटर कच्ची महुआ शराब जप्त की है। जप्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 21 हजार रुपये बताई गई है। मामले में एक आरोपी विक्रांत कटरे 36 वर्ष ग्राम परसवा?ा निवासी को गिरफ्तार किया गया है। जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है।

ग्रामीण पुलिस के मुताबिक 3 जून को थाना नवेगांव (ग्रामीण) पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम लिंगा एवं नवेगांव के बीच सड़क किनारे खेत में आम के पेड़ के नीचे दो व्यक्ति अवैध महुआ शराब बेच रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी।पुलिस टीम को देखकर आरोपी भागने लगे। लेकिन घेराबंदी कर पुलिस ने एक आरोपी विक्रांत कटरे ग्राम परसवाड़ा निवासी को पकड़ लिया। वहीं उसका साथी महेश कावरे ग्राम लिंगा निवासी मौके से फरार हो गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी विक्रांत कटरे ने बताया कि वह अपने साथी महेश कावरे के साथ मिलकर हाथ भट्टी से बनी कच्ची महुआ शराब तैयार कर बेचने का काम करता था। पुलिस ने मौके से 5 प्लास्टिक जरीकेनों में भरी कुल 70 लीटर अवैध महुआ शराब जप्त की है।इस संबंध में थाना नवेगांव (ग्रामीण) में अपराध क्रमांक 174/2026 के तहत आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उनि रमेश जाट, सउनि जितेंद्र भिम्टे, प्रभारी प्रभुदयाल बिसेन, मप्रआर सुचिता बघेल, आरक्षक सुनील बघेल, आरक्षक हरेराम सिंह, आरक्षक अरविंद गजुर, महिला आरक्षक मेघा एवं प्रआर संजय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
—निर्माता—
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

भरवेली पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव पर लगी मुहर

18-1 से गिरी सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन की सरकार, सरपंच को मिला स्वयं का वोट, अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में पड़े 18 मत, कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ सम्मेलन,अब जल्द होगा नए सरपंच का चयन, परिणाम आते ही ढोल नगाड़े की थाप पर थिरके समर्थकों ने मनाया जश्न,फोड़े फटाखे,बांटी मिठाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज।बालाघाट।

जिला मुख्यालय से महज 5 किमी दूर ग्राम पंचायत भरवेली में सरपंच के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर गुरुवार को अंतिम मुहर लग गई।जहां अविश्वास प्रस्ताव को लेकर बुलाए गए सम्मेलन में कुल 21 पंचों में से 2 पंच इस सम्मेलन में उपस्थित नही हुए, तो वही सरपंच को मिलाकर,19 पंचों के बीच अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान कराया गया।जहां सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन का किसी भी पंच ने समर्थन नही किया,जिसके चलते सरपंच गीता बिसेन को महज स्वयं के 1 वोट से संतुष्ट होना पड़ा, उधर शेष 18 पंचों ने एक मत होकर सरपंच के खिलाफ अविश्वास जाते हुए, विपक्ष में मतदान किया।इस तरह भरवेली पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव पर प्रशासनिक मुहर लग गई।जहां 18-1 से सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन की सरकार गिर गई।अब पंचों द्वारा आपसी सलाह मशवरा कर जल्द ही सरपंच चुनने की बात कही गई है।उधर अविश्वास प्रस्ताव पर प्रसाशनिक मुहर लगते ही,समर्थकों का हुजूम सड़को पर उतर आया।जिन्होंने ढोल नगाड़े की थाप पर जमकर नृत्य किया।तो वही फटाखे फोड़ आतिशबाजी कर एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जमकर जश्न मनाया।

अटकलो पर लगा विराम, विपक्षियों की हुई जीत

जनपद पंचायत बालाघाट अंतर्गत ग्राम पंचायत भरवेली में लंबे समय से चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम का गुरुवार को पटाक्षेप हो गया। सरपंच गीता अनिल बिसेन के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर आयोजित विशेष सम्मेलन में सरपंच को करारी हार का सामना करना पड़ा।बताया गया की अविश्वास प्रस्ताव को लेकर पंचायत क्षेत्र में कई दिनों से चर्चाओं का दौर चल रहा था। मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की मौजूदगी में सम्मेलन आयोजित किया गया, जहां सभी पंचों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल 19 मतों में से सरपंच गीता बिसेन को केवल एक मत प्राप्त हुआ, जबकि अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 18 मत पड़े। इसके साथ ही पंचायत में गीता बिसेन का कार्यकाल समाप्त हो गया और उनकी सरकार गिर गई।

बाउंसरों के साथ कड़ी सुरक्षा में पंचायत पहुचे पंचगण

अविश्वास प्रस्ताव पर अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए अंडरग्राउंड हुए सभी पंच अपने लाहो लश्कर के साथ पंचायत भवन पहुंचे।जो करीब 5 वाहनों से रिसोर्ट से निकलकर सीधे पंचायत भवन आए ,इस दौरान भारी मात्रा में उनके साथ बॉडीगार्ड और बाउंसरों की फौज भी देखने को मिली,पंचायत पहुचने में किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो या किसी प्रकार का वाद विवाद होने पर उनकी सुरक्षा हो सके इसीलिए भारी सुरक्षा और बाउंसर के बीच पंचगण इस चुनाव में भाग लेने के लिए पंचायत भवन आए थे। यह दृश्य भी भरवेली सहित आसपास के ग्रामों में चर्चा का विषय बना रहा।

4 साल में अविश्वास के कारण सरपंच को पद से हटना पड़ा

जिले की बहुचर्चित, भरवेली पंचायत सरपंच गीता अनिल बिसेन के खिलाफ, गुरुवार को लाया गया अविश्वास प्रस्ताव, बहुमत के साथ पेश हो गया। इसके साथ ही पंचायत सरपंच गीता अनिल बिसेन, सरपंच पद से पृथक हो गई। गुरुवार को पीठासीन अधिकारी तहसीलदार सुनील वर्मा की मौजूदगी में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग की गई। जिसमें सरपंच के विपक्ष में 18 तो पक्ष में एक वोट गिरा।21 वार्डो वाली भरवेली पंचायत में चार साल बाद सरपंच को अपने पद से, अविश्वास के कारण हटना पड़ा।

दूसरी बार में पद नहीं बचा सकी सरपंच

ज्ञात हो की इसके पूर्व भी पंचों द्वारा सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लगाया गया था,जिसपर चर्चा व वोटिंग के लिए 25 जुलाई 2025 को भरवेली पंचायत में सम्मेलन बुलाया गया था उस समय सरपंच श्रीमती गीता अनिल बिसेन ने बागी हुए कुछ पंचों का विश्वास जीतकर,अपना पद बचा लिया था।लेकिन इस बार वे पंचों को अपने पक्ष में करने में कामयाब नही हो सकी, गुरूवार को दूसरी बार पंचायत सरपंच के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। खास बात यह थी कि पूर्व में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में विपक्ष, धराशाही हो गया था और सरपंच, ने उनकी कुर्सी बचा ली थी, लेकिन दूसरी बार गुरूवार को लाए गए अविश्वास प्रस्ताव में सरपंच गीता अनिल बिसेन, अपना पद नहीं बचा सकी।

परिणाम आते ही समर्थकों में जश्न

जैसे ही मतदान परिणाम घोषित हुआ और अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 18 मत मिलने की जानकारी सामने आई, उपसरपंच एवं विरोधी खेमे के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। पंचायत परिसर के बाहर समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर जमकर नृत्य किया, फटाखे फोड़े और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत का जश्न मनाया।

जल्द होगा नए सरपंच का चुनाव

अविश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद अब ग्राम पंचायत भरवेली में नए नेतृत्व के चयन की प्रक्रिया शुरू होगी। प्रशासनिक प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद पंचायत में नई बॉडी का गठन किया जाएगा तथा नए सरपंच का चुनाव कराया जाएगा। पंचायत की राजनीति में आए इस बड़े बदलाव पर पूरे क्षेत्र की नजरें टिकी हुई हैं।भरवेली पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव का यह परिणाम जिले की पंचायत राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां 18-1 के भारी अंतर से सरपंच को पद गंवाना पड़ा। बताया गया कि वर्तमान समय में भरवेली पंचायत का कार्यकाल महज इस वर्ष का बचा हुआ है, इस एक वर्ष के कार्यकाल के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाकर सरपंच को पद से हटाने की इस प्रक्रिया को, स्थानीय लोगों द्वारा स्वाभिमान की लड़ाई बताया गया है।

परिणाम आने तक पंचायत में टिकी रही ग्रामीणों की निगाहें

गुरूवार को भरवेली सरपंच गीता अनिल बिसेन के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर भरवेली की जनता से लेकर बालाघाट तक की निगाहे टिकी रही। एक महिला ने सरपंच को अविश्वास प्रस्ताव से हटाए जाने पर दुःख व्यक्त करते हुए कहा कि हम सभी ग्रामीण पंचायत सरपंच गीता अनिल बिसेन के साथ है और इन्होंने ग्राम विकास में अच्छा काम किया है, हम चाहते है कि दोबारा भी सरपंच गीता अनिल बिसेन बने।

पर्सनल मांग पूरी नहीं की तो आर्थिक लाभ के लिए पद से हटा दिया- गीता बिसेन

सरपंच गीता अनिल बिसेन ने बताया कि पंचायत सरपंच पद में रहते हुए मैंने, पंचायत के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं की। पूरे जिले की पंचायतो में भरवेली पंचायत में सबसे ज्यादा विकास कार्य किए गए है और मुझे खुशी है कि चार साल में, मैंने यह सब कर दिखाया। उन्होंने बताया कि पंचायत सरपंच रहते हुए पंचो की पर्सनल मांगे पूरी नहीं कर सकी। यही, उनसे चूक हुई, जिसका खामियाजा, आज अविश्वास के रूप में देखने को मिल रहा है, लेकिन फिर भी वह खुश है कि उन्होंने पंचायत के विकास और जनता के लिए काफी कुछ किया।

काम तो अच्छा रहा लेकिन भ्रष्टाचार भी हुआ-राजेश

उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने बताया कि पंचायत में विकास कार्य तो अच्छे हुए है, लेकिन भ्रष्टचार भी किया गया है, जिसके लिए पंचो के साथ मैंने स्वयं, इसके विरोध में आंदोलन तक किया। उन्होंने बताया कि पंचायत सरपंच के हटने के बाद जो भी स्थापन्न सरपंच बनेगा, उसके साथ पंचायत के छोटे क्षेत्र में जो काम नहीं हो सके है, उन कार्यो को प्रमुखता से किया जाएगा और सड़क, बिजली, नाली, पानी जैसी समस्याओं को दूर किया जाएगा।

एसडीएम कार्यालय से होंगी आगामी कार्यवाही- वर्मा

चुनाव परिणाम आने के बाद की गई चर्चा के दौरान पीठासीन अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि आज भरवेली में अविश्वास प्रस्ताव पर सम्मेलन बुलाया गया था।अविश्वास प्रस्ताव पर भरवेली पंचायत में सम्मेलन के लिए अनुविभागीय अधिकारी द्वारा मुझे पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया था, जिनके मार्गदर्शन में ही और विश्वास प्रस्ताव पर चुनाव कराया गया है।कुल 21 पंचों में से 19 पंच सम्मेलन में उपस्थित रहे, सभी ने अपने-अपने मतों का उपयोग किया, जहां सरपंच के पक्ष में महज 1 मत प्राप्त हुआ, जबकि अविश्वास प्रस्ताव पर कुल 18 मत मिले हैं, जिससे 18-1 से पंचायत में अविश्वास प्रस्ताव पारित हुआ है। इसके बाद इस अविश्वास प्रस्ताव के समस्त दस्तावेज अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। वहां से स्थापन की कार्यवाही की जाएगी, उसके बाद ही भरवेली पंचायत में नए सरपंच को प्रभार दिया जाएगा।

सोशल मीडिया के जरिए जनता तक पहुंचेगी कांग्रेस की बात, जिले में शुरू हुआ सोशल मीडिया वॉरियर्स अभियान

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। बदलते डिजिटल दौर में सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने प्रदेशभर में सोशल मीडिया वॉरियर्स अभियान शुरू किया है। इसी अभियान के तहत बालाघाट जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस पदाधिकारियों ने अभियान की रूपरेखा और उद्देश्य की जानकारी दी। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने बताया कि पार्टी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से युवाओं, डिजिटल क्रिएटर्स और इनफ्लुएंसर्स को जोड़कर संगठन की विचारधारा तथा जनहित के मुद्दों को अधिक प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना चाहती है।

प्रेस वार्ता में बालाघाट जिले के लिए नियुक्त कांग्रेस मीडिया कार्यक्रम प्रभारी आबिद हुसैन, संगठन महासचिव शफकत खान, प्रवक्ता दयाल वासनिक तथा जिला मीडिया प्रभारी शहबाज अहमद उपस्थित रहे। प्रभारी आबिद हुसैन ने बताया कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया जनसंपर्क और संवाद का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। ऐसे में कांग्रेस पार्टी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी सक्रियता बढ़ाने और युवाओं को संगठन से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया वॉरियर्स सरकार की नीतियों, वादों और जनहित से जुड़े मुद्दों को जनता के सामने रखने का कार्य करेंगे। साथ ही पार्टी की गतिविधियों और कार्यक्रमों को भी व्यापक स्तर पर प्रसारित करेंगे। उन्होंने बताया कि यह अभियान 1 जून से प्रारंभ हो चुका है और इसके तहत विभिन्न चरणों में आवेदन, चयन और प्रशिक्षण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। अभियान के माध्यम से ऐसे युवाओं और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को अवसर दिया जाएगा जो डिजिटल माध्यमों पर सक्रिय रहते हैं और सामाजिक-राजनीतिक विषयों में रुचि रखते हैं। 1 से 3 जून तक जिला कांग्रेस कमेटियों द्वारा प्रेस वार्ता के माध्यम से अभियान की जानकारी दी जाएगी। 31 मई से 15 जून तक ऑनलाइन आवेदन पत्रों का संकलन किया जाएगा।15 जून से 19 जून तक प्राप्त आवेदनों की प्रारंभिक स्क्रूटनी होगी। 20 जून से 23 जून तक जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय में आवेदकों के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे। 24 जून से 28 जून तक अंतिम स्क्रूटनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी। 30 जून को चयनित सोशल मीडिया वॉरियर्स की सूची जारी की जाएगी।

दिल्ली होटल आगजनी के बाद बालाघाट में भी सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

निजी होटलों और अस्पतालों में फायर सेफ्टी इंतजामों की होगी जांच, एसडीएम ने गठित किए दो जांच दल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। दिल्ली के एक होटल में हाल ही में हुई भीषण आगजनी की घटना के बाद अब बालाघाट जिले में भी निजी होटलों, लॉज और अस्पतालों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। शहर में संचालित कई निजी संस्थानों में आज भी फायर सेफ्टी के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की बात सामने आ रही है। वहीं कुछ संस्थान ऐसे भी बताए जा रहे हैं जो बहुमंजिला भवनों में संचालित हो रहे हैं, लेकिन वहां आपातकालीन सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया जा रहा है। जानकारों का कहना है कि शहर में कई होटल, लॉज और निजी अस्पताल ऐसे हैं जहां अग्निशमन यंत्रों की संख्या पर्याप्त नहीं है। कुछ स्थानों पर फायर अलार्म सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट, आपदा प्रबंधन योजना और सुरक्षा प्रशिक्षण जैसी व्यवस्थाएं भी नदारद हैं। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में मरीजों, कर्मचारियों और आम लोगों की सुरक्षा गंभीर चुनौती बन सकती है। दिल्ली में हुई आगजनी की घटना के बाद जिला प्रशासन भी अब सतर्क नजर आ रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जिले के प्रमुख निजी अस्पतालों, होटलों और अन्य व्यावसायिक संस्थानों में सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी और जहां भी कमियां पाई जाएंगी, वहां नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में एसडीएम ने बताया कि प्रशासन द्वारा दो अलग-अलग जांच दल गठित किए गए हैं। यह दल शहर और जिले के विभिन्न निजी संस्थानों का निरीक्षण कर फायर सेफ्टी सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच करेंगे। जांच के दौरान अग्निशमन उपकरण, आपातकालीन निकास मार्ग, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था तथा भवन संबंधी नियमों के पालन की समीक्षा की जाएगी।

दिल्ली में हाल ही में हुई भीषण आगजनी की घटना के बाद देशभर में व्यावसायिक एवं सार्वजनिक भवनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर फिर से सवाल खड़े हो गए हैं। यह पहली बार नहीं है जब सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण बड़ी दुर्घटना सामने आई हो। इससे पहले भी देश के विभिन्न राज्यों में निजी अस्पतालों, होटलों, कोचिंग संस्थानों और व्यावसायिक परिसरों में आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं । दिल्ली की घटना के बाद अब बालाघाट जिले में भी संचालित निजी अस्पतालों, होटलों, मॉल और अन्य व्यावसायिक संस्थानों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। शहरवासियों का मानना है कि ऐसी घटनाओं से सबक लेते हुए स्थानीय स्तर पर भी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराया जाना चाहिए। लोगों का कहना है कि अस्पताल, होटल और मॉल जैसे स्थानों पर पर्याप्त फायर सेफ्टी उपकरण, आपातकालीन निकास द्वार (इमरजेंसी एग्जिट), अग्निशमन यंत्र और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से उपलब्ध होनी चाहिए। शहर में कई ऐसे व्यावसायिक प्रतिष्ठान भी संचालित हैं, जहां भवनों के ऊपरी हिस्सों और सीमित स्थानों में व्यवसाय किया जा रहा है। ऐसे स्थानों पर किसी भी आपात स्थिति में लोगों को सुरक्षित बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यही कारण है कि अब आम नागरिकों के बीच इन भवनों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। इसी बीच जिला प्रशासन ने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में बालाघाट एसडीएम गोपाल सोनी ने बताया कि दिल्ली की घटना के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। उन्होंने बताया कि शहर में सुरक्षा व्यवस्थाओं की जांच के लिए दो विशेष दल गठित किए गए हैं, जो 5 जून से निरीक्षण अभियान शुरू करेंगे। एसडीएम के अनुसार इन दलों में पुलिस विभाग, तहसील प्रशासन, नगर पालिका तथा संबंधित तकनीकी अधिकारियों और इंजीनियरों को शामिल किया गया है। निरीक्षण के दौरान शहर के निजी अस्पतालों, होटलों, मॉल और अन्य प्रमुख व्यावसायिक संस्थानों में फायर सेफ्टी तथा सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान नेशनल बिल्डिंग कोड (NBC)-2016 के प्रावधानों के अनुसार भवनों में उपलब्ध सुरक्षा सुविधाओं का परीक्षण किया जाएगा। विशेष रूप से अग्निशमन उपकरण, फायर अलार्म सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा की जाएगी। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि जिन संस्थानों में सुरक्षा मानकों की कमी पाई जाएगी, उन्हें तत्काल नोटिस जारी कर आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए जाएंगे। यदि इसके बाद भी नियमों का पालन नहीं किया गया तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई भी की जा सकती है। प्रशासन की इस पहल को आम नागरिकों ने सकारात्मक कदम बताया है। लोगों का मानना है कि समय रहते सुरक्षा मानकों की जांच और सुधार से भविष्य में किसी भी बड़ी दुर्घटना की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकता है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान कितने संस्थान निर्धारित मानकों पर खरे उतरते हैं और सुरक्षा में कमी पाए जाने पर क्या कार्रवाई की जाती है।

बालाघाट में हेलमेट बना सिर्फ चालान से बचने का साधन

पुलिस दिखी तो सिर पर हेलमेट, नजर हटते ही फिर लापरवाही

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर चलाए जा रहे लगातार अभियान का असर तो दिखाई देने लगा है।लेकिन लोगों की सोच अब भी पूरी तरह नहीं बदल पाई है। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के निर्देश पर बीते छह-सत माह से हेलमेट अनिवार्यता को लेकर सख्ती की जा रही है। इसका परिणाम यह हुआ कि जिले के लगभग 75 प्रतिशत दोपहिया वाहन चालकों ने हेलमेट खरीद लिए है। लेकिन दुखद पहलू यह है कि अधिकतर लोग आज भी हेलमेट को अपनी सुरक्षा नहीं, बल्कि केवल चालान से बचने का साधन मान रहे हैं।शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों और मुख्य मार्गों पर रोज एक जैसा दृश्य देखने को मिलता है। जैसे ही यातायात पुलिस वाहन चेकिंग करती दिखाई देती है।बाइक चालक तुरंत हेलमेट पहन लेते हैं। लेकिन पुलिस की नजर हटते ही वही हेलमेट बाइक के हैंडल में लटक जाता है या हाथ में पकड़ लिया जाता है। यह स्थिति साफ बताती है कि सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में अब भी गंभीरता की कमी है।

युवा वर्ग सबसे ज्यादा लापरवाह

शहर में सबसे अधिक लापरवाही युवाओं के बीच देखने को मिल रही है। कॉलेज और बाजार क्षेत्रों में कई युवक बिना हेलमेट तेज रफ्तार में बाइक चलाते नजर आते हैं। कई जगहों पर तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाना भी आम हो चुका है।यातायात नियमों की अनदेखी सड़क हादसों के खतरे को लगातार बढ़ा रही है। सड़क दुर्घटनाओं में सिर पर गंभीर चोट लगना मौत का सबसे बड़ा कारण होता है।जबकि हेलमेट इस खतरे को काफी हद तक कम कर सकता है।

हेलमेट लोग अपनी जिंदगी की सुरक्षा के लिए पहने

यातायात पुलिस बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर लगातार कार्यवाही रही है। अधिकारियों का कहना है कि पुलिस का उद्देश्य केवल जुर्माना वसूलना नहीं। बल्कि लोगों को सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूक करना है।किन्तु पुलिस कार्यवाही से स्थायी बदलाव संभव नहीं है। जब तक लोग खुद अपनी जिंदगी की कीमत नहीं समझेंगे तब तक सड़क हादसों पर पूरी तरह नियंत्रण पाना मुश्किल रहेगा।आज जरूरत इस बात की है कि लोग हेलमेट को पुलिस के डर से नहीं, बल्कि अपने परिवार और अपनी जिंदगी की सुरक्षा के लिए पहनें। क्योंकि सड़क पर एक छोटी सी लापरवाही किसी परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन सकती है।बालाघाट जिले में हेलमेट अब सुरक्षा नहीं, बल्कि चालान से बचने का साधन बनता जा रहा है। पुलिस दिखी तो हेलमेट सिर पर, और नजर हटते ही फिर लापरवाही शुरू हो जाती है। एसपी आदित्य मिश्रा के अभियान के बाद हेलमेट की बिक्री तो बढ़ी, लेकिन लोगों की सोच अब भी नहीं बदली है। हेलमेट पुलिस से बचने के लिए नहीं, बल्कि जिंदगी बचाने के लिए पहनना जरूरी है।

संयुक्त टीम की सतर्कता से दो नाबालिगों का रुकवाया गया बाल विवाह

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग बालाघाट के त्वरित एवं समन्वित प्रयासों से 04 जून को गढ़ी खुर्सीपार में दो नाबालिगों का बाल विवाह समय रहते रुकवा दिया गया। यह कार्रवाई महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में की गई। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना मिली थी कि थाना गढ़ी क्षेत्र के ग्राम खुर्सीपार में एक बालक एवं बालिका का विवाह कराया जा रहा है। सूचना मिलते ही वन स्टॉप सेंटर बैहर द्वारा थाना गढ़ी को अवगत कराया गया। इसके बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और विवाह की प्रक्रिया रुकवाकर आवश्यक कार्रवाई की। साथ ही परिजनों को समझाइश देते हुए बालिका को सुरक्षित रूप से उसके परिवार के सुपुर्द किया गया। इसके पश्चात वन स्टॉप सेंटर, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुलिस विभाग तथा जनप्रतिनिधियों की संयुक्त टीम ने बालक और बालिका के गांव पहुंचकर दस्तावेजों का सत्यापन किया। जांच में बालिका की आयु 17 वर्ष 10 माह तथा बालक की आयु 20 वर्ष पाई गई, जिससे दोनों विधिक रूप से विवाह के लिए निर्धारित आयु पूरी नहीं कर सके थे। संयुक्त टीम ने दोनों परिवारों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों तथा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की जानकारी दी। कानूनी समझाइश के बाद दोनों परिवार विवाह स्थगित करने के लिए सहमत हो गए। महिला एवं बाल विकास विभाग ने आमजन से अपील की है कि बाल विवाह की किसी भी सूचना की जानकारी तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिला हेल्पलाइन 181 अथवा संबंधित विभाग को दें, ताकि बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

एमपीआरडीसी के अधिकारी मुकेश बेले ने बॉक्स कल्वर्ट पुलिया निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

धीमी गति से कार्य होने से हो रही परेशानी, गुणवत्तापूर्ण और शीघ्र निर्माण कार्य पूरा करने के दिये कड़े निर्देश

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग पर निर्माण एजेंसी की उदासीनता और बॉक्स कल्वर्ट पुलिया के अधूरे पड़े निर्माण कार्य को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में प्रमुखता से समाचार प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये। वहीं समाचार का बड़ा असर यह हुआ कि मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) के एजेएम मुकेश बेले गुरूवार को निर्माण स्थल पहुंचकर वस्तुस्थिति का जायजा लिया और निर्माण कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया और निर्माण कंपनी के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए शासन के मापदण्ड के अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं तीव्र गति से कार्य करने निर्देशित किया है।

निर्माण कार्य की धीमी गति से स्थानीयजन व राहगीरों में आक्रोश व्याप्त

आपकों बता दे कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के 600 मीटर अधुरी सड़क का निर्माण कार्य विगत माह से किया जा रहा है। वहीं सड़क निर्माण के साथ ही पानी निकासी के लिए नाली व श्वेताम्बर जैन मंदिर के आगे बॉक्स कल्वर्ट पुलिया का निर्माण किया जा रहा है। लेकिन नाली एवं बॉक्स कल्वर्ट पुलिया निर्माण कार्य कछुआ गति से किया जा रहा है। इस तरह से निर्माण कंपनी के द्वारा निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने के साथ ही बार-बार निर्माण कार्य बंद कर दिया जाता है। जिसके कारण एक माह से बॉक्स कल्वर्ट पुलिया का निर्माण कार्य शुरू हुआ है जिसका कार्य अब तक पुरा नही हो पाया है। वहीं कई दिनों से निर्माण एजेंसी द्वारा नाली और बॉक्स कल्वर्ट (पुलिया) का काम अधूरा छोड़कर बंद कर दिया गया था, जिससे स्थानीय व्यापारियों, राहगीरों और रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। ग्रामीणों में इस निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितता व उदासीनता को लेकर भारी आक्रोश व्याप्त था। वहीं बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में गत दिवस समाचार प्रकाशन के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए एमपीआरडीसी के एजेएम मुकेश बेले स्वयं गुरूवार को अमोली पहुंच मार्ग पहुंचे और उन्होंने अधूरे पड़े निर्माण कार्य को देखकर नाराजगी व्यक्त की और संबंधित एजेंसी को निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं तीव्र गति से कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया है। वहीं इस दौरान स्थानीयजनों ने एमपीआरडीसी विभाग के अधिकारी श्री बेले से कहा कि निर्माण कंपनी के द्वारा नाली व बॉक्स कल्वर्ट पुलिया निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरती जा रही है, गुणवत्तापूर्ण निर्माण नही किया जा रहा है। साथ ही कछुआ गति से कार्य किया जा रहा है। साथ ही इस मार्ग से आवागमन पूरी तरह से बंद हो चुका है, ऐसी स्थिति में थाने के पीछे एवं बड़ी मस्जिद होते हुए लोग आवागमन कर रहे है। लेकिन यह मार्ग संकरी होने के कारण बार-बार जाम की स्थिति निर्मित होती है एवं बड़े वाहनों के गुजरने से हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। इसलिए हमारी मांग है कि बॉक्स कल्वर्ट पुलिया का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं तीव्र गति से करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके। वहीं निरीक्षण के दौरान एमपीआरडीसी के एजेएम मुकेश बेले ने स्पष्ट रूप से कहा कि इस व्यस्त मार्ग पर आवागमन को सुचारू बनाना हमारी प्राथमिकता है, निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जायेगी और एक माह के अंदर निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने आश्वास्त किया है।

शासन के मापदण्ड के अनुसार किया जा रहा निर्माण कार्य - मुकेश

एमपीआरडीसी के एजेएम मुकेश बेले ने बताया कि लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के 600 मीटर अधुरी सड़क का निर्माण कार्य 80 प्रतिशत से अधिक काम हो चुका है, नाली एवं बॉक्स कल्वर्ट पुलिया का निर्माण कार्य जारी है। बार-बार शिकायत हो रही थी कि पुलिया का निर्माण कार्य कछुआ गति से किया जा रहा है, स्थल निरीक्षण किया गया तो कार्य चालू है और बॉक्स कल्वर्ट पुलिया निर्माण के लिए नीचे से कांक्रीट व लोहे से बैंस किया जा रहा है जिसे सेट होने में समय लगता है उसके बाद स्लैप डाला जायेगा। श्री बेले ने बताया कि निर्माण कार्य को लेकर स्थानीयजन बार-बार शिकायत कर काम रूकवा देते है, जिस कारण से कार्य में विलंब हो रहा है, हमारे द्वारा निर्माण कंपनी के कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि गुणवत्तापूर्ण एवं तीव्र गति से निर्माण करे और शासन के मापदण्ड के अनुसार ही कार्य किया जा रहा है। साथ ही यह भी बताया कि जून माह के अंत तक बॉक्स कल्वर्ट पुलिया व नाली का निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया जायेगा, जिसके बाद इस मार्ग से सुचारू रूप से आवागमन शुरू हो जायेगा।

आज जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार करेगें क्षेत्र का दौरा

ग्राम पंचायतों और सहकारी समितियों की करेंगे समीक्षा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष (राज्य मंत्री दर्जा) सम्राटसिंह सरस्वार का 5 जून को जनपद पंचायत लालबर्रा क्षेत्र में एक दिवसीय सघन दौरा कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। अपने इस प्रवास के दौरान अध्यक्ष श्री सरस्वार क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे तथा सेवा सहकारी समितियों में पहुंचकर सीधे किसानों से रूबरू होंगे। चर्चा में पिछड़ा वर्ग कांग्रेस जिलाध्यक्ष मनीष कुशवाहा ने बताया कि जिला पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार 5 जून को लालबर्रा क्षेत्र का दौरा करेगें। इस दौरान प्रातः 11 बजे ग्राम पंचायत बल्हारपुर, दोपहर 12.30 बजे बहियाटिकुर, 1.30 बजे बोरी, 3 बजे रमपुरी, 3.30 बजे नेवरगांव ला., शाम 4 बजे सेवा सहकारी समिति नेवरगांव ला., शाम 5.30 बजे बहेगांव, शाम 6 बजे सेवा सहकारी समिति जाम की समीक्षा की जायेगी एवं

शाम 7 बजे ग्राम पंचायत औल्याकन्हार के फिजिकल क्लब में ग्रीष्म कालीन खेलकूद कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम में शामिल होगे। श्री कुशवाहा ने बताया कि जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सरस्वार के द्वारा उक्त ग्राम पंचायतों एवं सेवा सहकारी समितियों का निरीक्षण कर ग्राम विकास एवं किसानों को समय पर खाद-बीज मिल रहा है या नही उसकी जानकारी लेकर अधिकारी-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये जायेगें। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के मंडल, सेक्टर एवं ब्लाक के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील श्री कुशवाहा ने की है।

विश्व साइकिल दिवस पर निकाली गई जनजागरूकता साइकिल रैली

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मेरा युवा भारत बालाघाट (म.प्र) जिला युवा अधिकारी भारत प्रांजल अग्रवाल के निर्देशानुसार विश्व साइकिल दिवस पर ग्राम पंचायत औल्याकन्हार फिजिकल क्लब लालबर्रा बालाघाट में माय भारत एवं जिला खेल और युवा कल्याण विभाग बालाघाट के द्वारा युवाओं में फिटनेस, पर्यावरण जागरूकता और प्रतिदिन परिवहन को बढ़ावा देने के लिए बुधवार को विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साइकिल रैली निकालकर जन-जागरूकता अभियान नारे, संदेश देकर लोगों को जागरुक किया गया। वहीं साइकिल गतिविधियां से युवाओं के द्वारा साइकिल रैलियां, जागरूकता कार्यक्रम और फिट इंडिया का संकल्प लिया गया। युवाओं और नागरिकों को ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। चर्चा खेल समन्वयक लव पटेल ब्लॉक समन्वयक के द्वारा बताया गया कि युवाओं एवं

नागरिकों में स्वास्थ्य, फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। साइकिल एक सरल, किफायती एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन साधन है, जो स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ प्रदूषण को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस अवसर पर औल्याकन्हार के सरपंच प्रतिनिधि, फिजिकल क्लब के अध्यक्ष ओपी बिसेन, लव पटेल नगपुरे ब्लॉक समन्वयक जिला खेल विभाग, राधिका नायक खेल प्रशिक्षक, शैलेंद्र यादव शिक्षक, सालिकराम कटरे, अनिल परिहार, कोमल बोपचे, भगवान सिंह, फंटू नागेश्वर, महेंद्र चौहान, जय ठाकरे, भूमेश्वर कटरे, सुनील बिसेन, सुमित तुमसरे ,नागेन्द्र चौधरी, विवेक हटवार, साक्षी दांदरे, आशा नारबोदे, नव्या, सुहाना, डिम्पल, मोक्षा, खुशी, परी, काव्या, श्रध्दा बाहेश्वर, द्विशा पटेल, गार्गी पटेल, उपासना नगपुरे, स्वाति दमाहे, विजेंद्र उइके, अनिल परिहार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती गीता बेल सहित खिलाड़ी, पंचगण एवं यूथ क्लब के सदस्यगण उपस्थित रहे।

पोंडी से हिवराटोला-पवार हाउस नेवरगांव ला. पहुंच मार्ग का खस्ताहाल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. के अंतर्गत आने वाले ग्राम पोंडी से हिवराटोला, पवार हाउस नेवरगांव ला. पहुंच मार्ग इन दिनों पूरी तरह बदहाल हो चुका है। सडक का पक्का निर्माण न होने के कारण यहां से गुजरने वाले राहगीरों और ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि बरसात के दिनों में इस मार्ग पर पैदल चलना भी दूभर हो जाता है। ग्रामीणों द्वारा कई बार इस सडक़ के पक्के निर्माण की मांग की जा चुकी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है। जिसके चलते ग्रामीणजनों में शासन-प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त है।

बारिश में कीचड़ और गड्डों में तब्दील हो जाता है मार्ग

आपकों बता दे कि ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. के अंतर्गत आने वाले ग्राम पोंडी से हिवराटोला होते हुए पवार हाउस नेवरगांव ला. पहुंच मार्ग क'चा बना हुआ है और इस मार्ग से पोंडी, हिवराटोला के ग्रामीणजन आवागमन करते है परन्तु सड़क का पक्का निर्माण नही होने के कारण आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही बारिश के दिनों में यह मार्ग गड्डों एवं कीचड़ में तब्दील हो जाती है। ऐसी स्थिति में स्कूली ब'चों सहित सभी को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि यह मार्ग पोंड़ी से सीधे हिवराटोला होते हुए नेवरगांव ला. से जाम पहुंच मार्ग को जोड़ता है और इस मार्ग से ग्रामीणजन नेवरगांव ला. स्थित सोसायटी में धान बेचने एवं खाद के लिए जाते है परन्तु सड़क खराब होने के कारण उन्हे दो से तीन किमी. अधिक दुरी तय कर जाना पड़ता है परन्तु सड़क की इस समस्या की ओर जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पोंडी से हिवराटोला होते हुए पवार हाउस नेवरगांव ला. तक का यह पहुंच मार्ग पूरी तरह से क'चा है। इस मार्ग से पोंडी और हिवराटोला के ग्रामीण लगातार आवागमन करते हैं। बारिश के दिनों में यह पूरी सड़क बड़े-बड़े गड्डों और कीचड़ में तब्दील हो जाती है। ऐसी स्थिति में सबसे 'यादा परेशानी स्कूली ब'चों, बुजुर्गों और मरीजों को उठानी पड़ती है। इसलिए शासन- प्रशासन से मांग की है कि बरसात शुरू होने से पहले इस सडक़ का पक्का निर्माण करवाये।

खराब सड़क होने से तय करनी पड़ रही 3 किमी. अधिक दूरी

यह मार्ग पोंड़ी से सीधे हिवराटोला होते हुए नेवरगांव ला. से जाम पहुंच मार्ग को जोड़ता है। इसी मार्ग का उपयोग कर ग्रामीण नेवरगांव ला. स्थित सोसायटी में अपनी धान बेचने और खाद-बीज लेने के लिए जाते हैं। किन्तु सड़क खराब होने के कारण अब ग्रामीणों को ट्रेक्टर और अन्य वाहनों से दो से तीन किमी का अतिरिक्त चक्कर लगाकर (लंबी दूरी तय कर) गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है, जिससे उनका समय खराब हो रहा है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि वे अपनी इस बुनियादी समस्या को लेकर कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है। जिम्मेदारों की इस चुप्पी से नाराज पोंड़ी, हिवराटोला और नेवरगांव ला. के ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से पुरजोर मांग की है कि इस पहुंच मार्ग का जल्द से जल्द पक्का निर्माण करवाये ताकि आवागमन की इस बड़ी समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल सके।

राशि स्वीकृत होने के बाद करवाया जायेगा निर्माण - संतोष

दूरभाष पर चर्चा में नेवरगांव ला. सरपंच संतोष पंचेश्वर ने बताया कि पोंडी से हिवराटोला पहुंच मार्ग कच्चा होने के कारण खराब हो चुका है, जिसके कारण बारिश के दिनों में इस मार्ग से आवागमन करने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क का पक्का निर्माण के लिए शासन-प्रशासन को मांग पत्र भेजा गया है। शासन से सड़क स्वीकृत होने एवं राशि आने के बाद पक्की सड़क का निर्माण कार्य करवाया जायेगा।

मप्र में 'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना' के लिए नई कमेटी

तीन आईएएस अफसरों को मिली बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल। एजेंसी। मध्य प्रदेश सरकार ने 'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना' के प्रभावी क्रियान्वयन और निगरानी के लिए प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। सरकार द्वारा इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों की एक नई उच्च स्तरीय कमेटी का गठन किया गया है। पूर्व में तैनात अफसरों के स्थान पर अब तीन नए प्रशासनिक अधिकारियों को इस कमेटी की कमान सौंपी गई है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आधिकारिक आदेश भी जारी कर दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, कमेटी में शामिल किए गए नए चेहरों में निम्नलिखित अधिकारी शामिल हैं। उमाशंकर भार्गव को अजय गुप्ता के स्थान पर संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के रूप में कमेटी का सदस्य बनाया गया है। निधि निवेदिता की जगह अब दिलीप कुमार कापसे (उप सचिव, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग) इस समिति का हिस्सा होंगे। राहुल धोते के स्थान पर रोहित सिसोदिया (उपसचिव, किसान कल्याण विभाग) को कमेटी में शामिल किया गया है।

11 महत्वपूर्ण मुद्दों पर केंद्रित रहेगा कमेटी का काम

यह नवगठित कमेटी योजना को धरातल पर उतारने के लिए मुख्य रूप से 11 नीतिगत मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करेगी और इनसे जुड़े बड़े फैसले लेगी। कमेटी की प्राथमिकताओं में मुख्य रूप से शामिल हैं। प्रदेश के हर खेत तक सिंचाई के लिए पानी पहुंचाना। किसानों के लिए आधुनिक कृषि यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करना। फसल कटाई के बाद के प्रबंधन को दुरुस्त करना। पशुधन विकास से जुड़े कार्यक्रमों को गति देना।

साल 2031 तक चलेगी योजना

बता दें कि 'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना' एक दीर्घकालिक और बेहद महत्वपूर्ण योजना है, जो साल 2025 से शुरू होकर साल 2031 तक संचालित की जाएगी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के कृषि ढांचे को मजबूत करना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। अब 3 नए आईएएस अधिकारी योजना के रोडमैप और क्रियान्वयन की कमान संभालेंगे।

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के प्रयासों से शिवधाम वासियों को मिली नई सड़क

65 लाख की लागत से शिवधाम वाराटोला मार्ग बनकर तैयार, ग्रामीणों में भारी हर्ष

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत वारा के ग्रामीणों को वर्षों पुरानी सड़क की बदहाली और गड्ढों की समस्या से हमेशा के लिए मुक्ति मिल गई है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के विशेष प्रयासों से शिवधाम मोहल्ला से वाराटोला तक की सड़क का निर्माण कार्य अत्यंत कम समय में और उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण कर लिया गया है। इस बहुप्रतीक्षित सड़क के बनते ही ग्राम के नागरिकों और राहगीरों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

रेलवे ओवरब्रिज निर्माण के दौरान जर्जर हो गया था मार्ग

प्राप्त जानकारी के अनुसार जब प्रदीप जायसवाल प्रदेश सरकार में निगम अध्यक्ष थे तब उन्होंने वारासिवनी के विकास को गति देते हुए बजट में करोड़ों रुपए की लागत से वारा रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे ओवरब्रिज की महत्वपूर्ण स्वीकृति कराई थी। वर्ष २०२३ में उनके द्वारा भूमि पूजन कर इस ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू कराया गया। ओवरब्रिज निर्माण के दौरान बालाघाट आवागमन को सुचारू रखने के लिए वार्ड नंबर ४ गणेश मंदिर से शिवधाम होते हुए वाराटोला से गुजरने वाले पंचायत मार्ग को परिवर्तित मार्ग बनाया गया था। निर्माण कार्य के दौरान महीनों तक इस मार्ग से भारी वाहनों का लगातार आवागमन होता रहा। जिससे सड़क पूरी तरह से टूटकर जर्जर हो चुकी थी और चारों तरफ गहरे गड्ढे हो गए थे। इतने बड़े पैमाने पर सड़क का पुनर्निर्माण कराना ग्राम पंचायत के वित्तीय बजट और क्षमता से बाहर था। सड़क की इस दुर्दशा को लेकर स्थानीय समाचार पत्रों ने भी प्रखरता से आवाज उठाई थी। इसके बाद पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने एकजुट होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल से मुलाकात की और मार्ग निर्माण के लिए गुहार लगाई। श्री जायसवाल ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया था कि वे इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द कराएंगे। ग्रामीणों को दिए अपने आश्वासन को पूरा करते हुए पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कुछ समय पूर्व ही संबंधित विभाग के उच्चाधिकारियों और ओवरब्रिज निर्माण कर रहे ठेकेदार के साथ एक विशेष बैठक की। उन्होंने डायवर्शन के कारण खराब हुई सड़क की जमीनी हकीकत से उन्हें अवगत कराया।

पूर्व मंत्री जायसवाल के कड़े रुख और सतत प्रयासों का नतीजा रहा सफल

श्री जायसवाल के इस कड़े रुख और सतत प्रयासों का नतीजा यह रहा कि वारा ओवरब्रिज , गायत्री मंदिर से वारा रोड़, शिवधाम से दो नहर पुलिया, शिवधाम से वाराटोला मार्ग के निर्माण के लिए ६५ लाख रूपये की भारी भरकम राशि स्वीकृत की गई। राशि स्वीकृत होने के तुरंत बाद निर्माण कार्य पूरी गति से शुरू किया गया। अधिकारियों और ठेकेदारों को सख्त निर्देश होने के कारण यह मार्ग बेहद कम समय में और पूरी गुणवत्ता के मानकों का पालन करते हुए बनकर तैयार हो गया है जिसको लेकर ग्रामीणों में हर्ष व्याप्त है।

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने हमारी पीड़ा को समझा और अपना वादा पूरा किया-सूर्यभानसिंह पूसाम

सरपंच सूर्यभान सिंह पूसाम ने बताया कि यह सड़क बहुत पहले ग्राम पंचायत के माध्यम से बनी थी। फि र पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल ने पुलिया स्वीकृति करवाई तो आवागमन करने के लिए उन्होंने देखा कि शहर से बालाघाट आना जाना रोड काफी खराब हो गई है। ग्राम के लोगों ने भी काफी प्रयास कर उनसे आवेदन किया था की रोड़ बनवायी जाये इतनी बड़ी सड़क ग्राम पंचायत के द्वारा बनाया जाना संभव नहीं है पंचायत असमर्थ है। उन्होंने यह बात समझा और हमें रोड बनाकर दी है उनका बेहद धन्यवाद ग्रामीण खुश है कि हमें उबड़.खाबड़ रास्तों और धूल.गड्ढों से निजात मिल गई है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने हमारी पीड़ा को समझा और अपना वादा पूरा किया। श्री पूसाम ने बताया कि पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के द्वारा वारा ओवरब्रिज , गायत्री मंदिर से वारा रोड़ , शिवधाम के नहर से दो पुलिया और ११ सौ मीटर की पक्की सड़क का निर्माण कार्य कराया है जो आगामी आने वाले ५० सालो की दुरग्यामी सोच को ध्यान में रखते हुये वारासिवनी क्षेत्र के विकास में अपनी भअहम भुमिका निभाई है। हम उनके इस प्रयास के लिए ह्रदय से आभार व्यक्त करते हैं।

पूर्व मंत्री के विकास से क्षेत्र को आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बल मिलेगा-प्रवीण खरोले

ग्रामीण प्रवीण खरोले ने बताया कि विगत समय रेलवे ओवर ब्रिज पुल जो श्री जायसवाल के द्वारा करोड़ों की लागत से स्वीकृत कराया गया था। उसके निर्माण के दौरान इस मार्ग को डाइवर्ट मार्ग बनाया गया था जो आवागमन में बहुत ज्यादा क्षतिग्रस्त हो गया था। हमने आंदोलन और चक्काजाम किया जिसमें हमारे नेता पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल आए थे और उन्होंने हमें आश्वासन दिया था। उनके प्रयास से ६५ लाख की यह स्वीकृत हुई और आज रोड बनकर तैयार है श्री जायसवाल का बहुत बड़ा प्रयास रहा है। जो क्षति हुई थी वह पूर्ण हो गई है और सभी में हर्ष व्याप्त है इस मार्ग के सुदृढ़ीकरण से अब वाराटोला और शिवधाम मोहल्ले के लोगों का आवागमन सुगम हो गया है। जिससे क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी बल मिलेगा।

संचेती राईस मिल में पीडीएस चांवल से भरा ट्रक जब्त

राजस्व और खाद्य विभाग ने की संयूक्त कार्यवाही जांच में जूटा खाद्य विभाग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के लालबर्रा रोड़ स्थित संचेती राईस मिल में राजस्व एवं खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने एक छापामार कार्यवाही को अंजाम दिया है। टीम ने मौके से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के चावल से लदे एक संदिग्ध ट्रक को बरामद किया है। सुरक्षा के लिहाज से ट्रक को वारासिवनी पुलिस थाने में खड़ा करवा दिया गया है ,वहीं खाद्य विभाग के आला अधिकारी मामले की बारीक से जांच में जुट गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक सी जी ०४ जे डी ३१४७ में ग्रामीण थाना नवेगांव बालाघाट स्थित एफ सीआई गोदाम से पीडीएस का सरकारी चावल लोड किया गया था। इस ट्रक को छिंदवाड़ा के बोरगांव के लिए रवाना होना था। ट्रक के ड्राइवर और कंडेक्टर इसे वारासिवनी के लालबर्रा रोड़ स्थित संचेती राईस मिल के भीतर ले आए। संदेह होने पर ट्रक का पीछा कर रहे तहसीलदार और खाद्य अधिकारी ने विभागीय कर्मचारियों के साथ मिल परिसर में दबिश दी। ट्रक की स्थिति संदिग्ध पाए जाने पर अधिकारियों ने उसे तुरंत अपनी अभिरक्षा में लिया और वारासिवनी थाने भिजवा दिया। ४ जून को जिला खाद्य अधिकारी ने भी स्वयं मौके पर पहुँचकर निरीक्षण किया और घटना की विस्तृत जानकारी ली।

जिला खाद्य अधिकारी खुद मामले की जांच कर रहे है-सुरेश उपाध्याय

नायब तहसीलदार सुरेश उपाध्याय ने बताया की हमें सूचना मिली थी कि एफसीआई गोदाम नवेगांव से आ रहा चावल का एक ट्रक संचेती राइस मिल में खड़ा है। सूचना के आधार पर जब हम मौके पर पहुँचे तो ट्रक वहाँ मौजूद था। स्थिति संदिग्ध लगने पर ट्रक को पुलिस सुरक्षा में सौंप दिया गया है इस ट्रक को बोरगांव छिंदवाड़ा जाना था। जिला खाद्य अधिकारी खुद मामले की जांच कर रहे हैं। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

हमारा पीडीएस चावल से कोई लेना देना नहीं -गंभीर संचेती

राईस मिल संचालक गंभीर संचेती ने मौखिक चर्चा में बताया कि मिल का इस चावल से कोई सरोकार नहीं है। यह ट्रक गिरीश करण नामक व्यक्ति का है जो पडोसी एवं पहचान का हैं तो सुरक्षा के लिहाज से अक्सर हमारे परिसर में अपना ट्रक खड़ा करता है। हर बार की तरह इस बार भी ट्रक के ड्राइवर और कंडेक्टर गाड़ी को मिल में खड़ी कर खाना खाने घर जाने की तैयारी में थे। तभी अचानक अधिकारियों की टीम ने दबिश दे दी। हम इस पूरे घटनाक्रम से पूरी तरह अनजान हैं। चूंकि सड़क पर ट्रक खड़ा करना सुरक्षित नहीं होता इसलिए खाली हो या भरा ड्राइवर गाड़ी को हमारे यहाँ खड़ा कर देते हैं। हमारा इस पीडीएस के चावल से दूर दूर तक कोई वास्ता नहीं है।

नारवंजपार के खेत में बाघ की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत

किसानो ने नदी के पार देखा हिंसक वन्य प्राणी ग्रामीणों को किया अलर्ट, वन विभाग ने संभाला मोर्चा सर्चिंग जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत नरोडी के नारवंजपार क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब ४ जून की सुबह एक किसान ने अपने खेत के पास एक हिंसक वन्य प्राणी बाघ को विचरण करते हुए देखा। बाघ की मौजूदगी की खबर पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई जिससे ग्रामीणों में भारी दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मोर्चा संभाल लिया है और सर्चिंग ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

सुबह खेत जाते समय किसान ने देखा बाघ

प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में रबी सीजन का अंतिम दौर चल रहा है। क्षेत्र के कई किसान अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए धान और अन्य वैकल्पिक फ सलों सब्जियों का उत्पादन कर रहे हैं। ग्राम अंसेरा के निवासी किसान गेंदालाल मरार का खेत भी नारवंजपार इलाके में स्थित है। इस क्षेत्र के बीच से एक नदी गुजरती है जिसके एक छोर पर अंसेरा और दूसरे छोर पर नारवंजपार स्थित है। गेंदालाल ने नारवंजपार वाले अपने खेत में धान और सब्जियां लगाई हैं जहां वे प्रतिदिन सिंचाई के लिए जाते हैं। ४ जून की सुबह जब गेंदालाल अपने खेत की ओर जा रहे थे तभी उन्होंने नदी के अंसेरा वाले छोर पर खड़े होकर देखा कि नदी के पार उनके खेत के पास एक विशाल बाघ घूम रहा है। बाघ को देखते ही किसान गेंदालाल ने सूझबूझ दिखाई और तुरंत अपने आस पास के साथियों को इसकी जानकारी दी। साथ ही दूरभाष फ ोन के माध्यम से नारवंजपार के अन्य किसानों को भी अलर्ट किया। सूचना मिलते ही नारवंजपार के किसान तुरंत अपने खेतों से बाहर निकल आए। उस समय खेत के पास ही ग्रामीण अशोक मर्सकोले के बैल भी हरा चारा चर रहे थे जिन्हें ग्रामीणों ने सूझबूझ से सुरक्षित वहां से भगाया। देखते ही देखते मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

वन विभाग को मिले पदचिह्न बाघ की गर्जना से बढ़ी दहशत

ग्रामीणों के द्वारा तत्काल सूचित किए जाने पर वन विभाग का अमला बिना वक्त गंवाए मौके पर पहुंच गया। वन विभाग की टीम ने प्रभावित इलाके में गहन सर्च अभियान खोजबीन प्रारंभ किया। खोजी दल को नदी किनारे और खेतों के आसपास वन्य प्राणी के पदचिह्न प्राप्त हुए हैं। हालांकि प्रत्यक्ष रूप से बाघ अभी टीम को दिखाई नहीं दिया है जिससे उसकी वर्तमान उपस्थिति की शत प्रतिशत पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी बीच ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर किसानो ने बाघ को देखा था उससे कुछ ही दूरी पर बाघ की तेज गर्जना यानि दहाड़ भी सुनाई दी थी जिससे क्षेत्र में भय का वातावरण और गहरा गया है।

ग्रामीणों ने की बाघ को खदेड़ने की मांग

इस घटना के बाद से अंसेरा और नारवंजपार दोनों ही गांवों के लोग बेहद डरे हुए हैं। चूंकि अभी फसलों की सिंचाई और कटाई का समय चल रहा है इसलिए किसानों को खेतों में जाने से डर लग रहा है। ग्रामीणों ने वन विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि क्षेत्र में पिंजरा लगाकर या अन्य जरूरी उपाय करके इस हिंसक वन्य प्राणी को जल्द से जल्द आबादी और खेतों वाले इलाके से दूर खदेड़ा जाए। फि लहाल वन विभाग की टीम पूरी मुस्तैदी के साथ मौके पर डटी हुई है। ग्रामीणों की सुरक्षा के मद्देनजर प्रभावित इलाकों में लगातार गश्त पेट्रोलिंग की जा रही है और ग्रामीणों को अकेले खेतों की तरफन जाने की सलाह दी गई है।

पेड़ के नीचे गाड़ी खड़ी करते समय मुझे बाघ दिखा-गेंदालाल मात्रे

गेंदालाल मात्रे ने दूरभाष पर बताया कि मैं अंसेरा रहता हूं मोटरसाइकिल से मैं अपने खेत जाने के लिए नदी किनारे आया था। आम के पेड़ के नीचे गाड़ी खड़ी कर रहा था तभी मुझे नदी के दूसरे छोर पर बाघ दिखा फिर मैं आसपास के लोगों को बुलाया सूचना दिया पट्टे वाला बाघ था वह शांति से घूम रहा था। झाड़ के पीछे छिपकर मैं देख रहा था बाघ जब झाड़ी से मोटर पंप की तरफगया उसके बाद हमें नजर नहीं आया और करीब १० से १२ लोग जमा हुए तब हम नदी क्रॉस कर खेत तरफ जाकर देखें। आज तक नहीं देखा यह पहली बार है हमें तो अब और ज्यादा डर है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि घटना की जानकारी लगते ही स्टाफ को मौके के लिए रवाना कर दिया गया था। वन स्टाफ के द्वारा वहां पर खोजबीन की गई है इस दौरान कुछ स्थान पर पद चिन्ह तो मिले हैं परंतु पुष्टि नहीं हो पाई है। ऐसे में निगरानी बनाकर हमारे द्वारा रखी गई हैं रात्रि में गस्त भी करवायी जा रही है स्टाफ को ग्रामीण क्षेत्र में मुस्तैद रखा गया है।

छत्रपाल सिंह जादौन
रेंजर वन विभाग वारासिवनी

खैरलांजी तहसील परिसर में जनसमस्याओं की गूंज

जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने सुनीं जनप्रतिनिधियों की समस्याएं

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जनहित के मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय रहने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने खैरलांजी तहसील कार्यालय परिसर में पहुंचकर विभिन्न पंचायतों से आए जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने उनकी समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों से तत्काल चर्चा कर निराकरण के निर्देश दिए। तहसील कार्यालय के सामने आयोजित इस जनसंवाद में जनमंच के अध्यक्ष प्रकाश उइके सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों, राजस्व मामलों, पंचायत संबंधी समस्याओं तथा आम जनता को आने वाली परेशानियों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी नागरिक को अपने वैध कार्यों के लिए अनावश्यक भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर कई मामलों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए।

इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी अपनी पंचायतों की समस्याओं से अवगत कराया। जिस पर सम्राट सिंह सरसवार ने सकारात्मक कार्यवाही का भरोसा दिलाया। उनके इस सक्रिय और संवेदनशील रवैये की लोगों ने सराहना करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधि यदि इसी तरह जनता के बीच पहुंचकर समस्याएं सुनें तो अनेक मामलों का समाधान तत्काल संभव हो सकता है। तहसील परिसर में हुई यह चर्चा एक बार फिर यह संदेश देने में सफल रही कि जनहित के मुद्दों पर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं तथा जनता की आवाज को प्रशासन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

जल संरक्षण व भूजल स्तर में होगी वृद्धि -प्रदीप जायसवाल

नपा परिषद के दो तालाबो के गहरीकरण कार्य का पूर्व मंत्री ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नं. ८ और ९ में निर्माणाधीन तालाब के नवीनीकरण कार्य का पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल,नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, प्रवीण डोंगरे,धर्मू जोशी, सुभाष पारधी सहित अन्य के साथ निरीक्षण कर कार्य एजेंसी को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। नगर में लगभग १५ साल के बाद इन तालाबो के गहरीकरण व सौंदर्यीकरण कार्य के होने से जल संरक्षण, भूजल स्तर में वृद्धि होगी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के विशेष प्रयासों से वार्ड नं .८ में ५० लाख रुपये की राशि से निर्मित तालाब में सौंदर्यीकरण,पिचिंग,बाउंड्रीवाल, पाथवे, इनलेट आउटलेट,लाइटिंग,घाट,फ ाउन्टेन सहित बैठक व्यवस्था का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की तालाब गहरीकरण कार्य जल संरक्षण, भूजल स्तर में वृद्धि, और पारिस्थिति की तंत्र को संतुलित करने का सबसे प्राकृतिक और प्रभावी माध्यम है। इसी तरह वार्ड नं. ९ के तालाब में नवीनीकरण कार्य के तहत ५० लाख रूपये की राशि से गहरीकरण कार्य का निरिक्षण करते हुये पूर्व मंत्री ने कार्य एंजेसी को कार्य में गुणवत्ता व सभी मापदंडो का पालन करने के निर्देश प्रदान किये। इस तालाब में भी गहरीकरण, पिचिंग, बाउंड्रीवाल, पाथवे, इनलेट-आउटलेट, लाइटिंग,घाट,फाउन्टे सहित बैठक व्यवस्था का कार्य कराकर वाटर लेबल को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है।

प्रकृति से संगति, भविष्य से दोस्ती-सिर्फ एक दिन क्यों?

नीला ग्रह यानी कि यह पृथ्वी हमारा इकलौता घर है और इसकी सुरक्षा तथा संरक्षण किसी एक व्यक्ति, देश या संस्था की नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। यही संदेश प्रतिवर्ष 5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस देता है।यदि इस दिवस को मनाने के प्रमुख उद्देश्यों की बात करें, तो इनमें प्रदूषण, वनों की कटाई, ग्लोबल वार्मिंग और जैव विविधता के ह्रास जैसे गंभीर मुद्दों के प्रति लोगों को जागरूक करना; सरकारों, उद्योगों और आम नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण हेतु ठोस कदम उठाने के लिए प्रेरित करना; विकास के साथ सतत विकास की अवधारणा को बढ़ावा देना; तथा हर परिस्थिति में पृथ्वी के पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन सुनिश्चित करना शामिल है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के लिए एक विशेष थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2025 की थीम प्रकृति के साथ हमारे संबंधों की पुनर्कल्पना रखी गई थी। दरअसल,यह थीम इस बात पर केंद्रित थी कि जिस प्रकार मानव प्रकृति का निरंतर दोहन कर रहा है, उसे बदलकर अधिक संतुलित और टिकाऊ दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। वहीं वर्ष 2026 की थीम प्रकृति से प्रेरित। जलवायु के लिए। हमारे भविष्य के लिए। निर्धारित की गई है। इस वर्ष का प्रमुख अभियान सनाऊ फोर क्लाइमेट है, जो जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर बल देता है। साथ ही वर्ष 2026 के वैश्विक आयोजन की मेजबानी अज़रबैजान को सौंपी गई है। हाल फिलहाल,यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास पर दृष्टि डालें, तो पाठकों को बताता चलूं कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1972 में स्टॉकहोम सम्मेलन के दौरान इसकी नींव रखी थी। यही वह अवसर था जब विश्व के देशों ने पहली बार पर्यावरण और मानव जीवन के पारस्परिक संबंधों पर गंभीरता से विचार-विमर्श किया। आधिकारिक रूप से पहला विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 1973 को मनाया गया था, जिसका मुख्य नारा(स्लोगन) केवल एक पृथ्वी था। वास्तव में इस दिवस को मनाने का महत्व आज और अधिक बढ़ गया है। वैज्ञानिक चेतावनियों के अनुसार पृथ्वी का औसत तापमान खतरनाक स्तर अर्थात 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा के निकट पहुंच रहा है। ऐसे में यह दिवस जलवायु संकट के प्रति दुनिया को सचेत करने वाले एक वैश्विक अलार्म की तरह कार्य करता है। वर्तमान में 150 से अधिक देश और करोड़ों लोग इस अभियान(पर्यावरण संरक्षण)से जुड़कर पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों में भाग लेते हैं। आज इस दिवस पर ग्रीन हाइड्रोजन जैसी स्वच्छ ऊर्जा तथा जलवायु परिवर्तन से निपटने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उपयोग जैसे आधुनिक विषयों पर भी चर्चा की जा रही है। स्पष्ट है कि अब दुनिया का ध्यान ग्रीन टेक्नोलॉजी और सतत विकास की ओर तेजी से बढ़ रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि भारत भी पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर देशभर में बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चलाए जाते हैं, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर रोक लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं तथा श्री अन्न (मोटे अनाज/मिलेट्स) जैसी टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।किन्तु दूसरी ओर एक कटु सत्य यह भी है कि आज का आधुनिक मानव विकास के जिस रथ पर सवार है, उसकी गति जितनी तीव्र है, उसकी दिशा उतनी ही आत्मघाती प्रतीत होती है।

अग्निकांडों से सीख-यह केवल एक व्यक्ति या संस्था की नहीं बल्कि पूरे तंत्र की विफलता

वैश्विक स्तर पर फिर एक बार हड़कंप मच गया जब दिल्ली के मालवीय नगर क्षेत्र में 3 जून 2026 को हुए भीषण अग्निकांड में बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु और घायल होने की खबर ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब किसी होटल,अस्पताल, मॉल, स्कूल, औद्योगिक इकाई या व्यावसायिक भवन में आग लगती है तो आखिर ऐसी त्रासदी केवल आग के कारण होती है या उसके पीछे वर्षों से जमा होती आ रही प्रशासनिक, तकनीकी और संस्थागत विफलताओं की लंबी श्रृंखला भी जिम्मेदार होती है। दुनियाँ के किसी भी देश में आग लगना एक दुर्घटना हो सकती है,लेकिन आग के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होना अक्सर एक प्रणालीगत विफलता माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन विशेषज्ञों का मानना है कि अधिकांश बड़े अग्निकांडों में मौतें केवल आग से नहीं बल्कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी, निकासी व्यवस्था की कमी, आपातकालीन प्रतिक्रिया में देरी,निरीक्षण तंत्र की कमजोरी और भ्रष्टाचार के कारण होती हैं।इसलिए किसी भी अग्निकांड की जांच केवल यह पता लगाने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए कि आग कैसे लगी, बल्कि यह भी देखा जाना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने ही क्यों दी गई।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि, 3 जून 2026 की सुबह भारत की राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लोरिश स्टे होटल और उससे जुड़े रेस्तरां में लगी भीषण आग ने केवल 21 से अधिक लोगों की जान नहीं ली,बल्कि देश की शहरी सुरक्षा व्यवस्था,नियामक तंत्र, प्रशासनिक जवाबदेही और सार्वजनिक सुरक्षा संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया। मीडिया में आए प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार भवन को केवल 6 कमरों की अनुमति थी,जबकि वहां लगभग 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह सामने आया कि भवन के पास वैध फायर एनओसी नहीं थी तथा अंदर आने- जाने के लिए प्रभावी आपातकालीन निकास व्यवस्था भी उपलब्ध नहीं थी। बेसमेंट में लोगों के फंस जाने की खबरों ने स्थिति को और भयावह बना दिया।इस त्रासदी में 21 लोगों की मृत्यु हुई, 40 से अधिक लोगों को बचाया गया तथा अनेक गंभीर रूप से घायल अस्पतालों में जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मृतकों में मध्य एशिया और अफ्रीकी देशों के कई विदेशी नागरिक भी शामिल बताए जा रहे हैं, जो भारत में चिकित्सा उपचार या अन्य कारणों से आए थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लोग धुएं और लपटों से बचने के लिए तीसरी और चौथी मंजिल से कूदने को मजबूर हो गए, जबकि स्थानीय नागरिक नीचे गद्दे बिछाकर उनकी जान बचाने का प्रयास कर रहे थे। यह घटना किसी भूकंप, बाढ़ या प्राकृतिक आपदा का परिणाम नहीं थी, बल्कि प्रथम दृष्टया मानवीय लापरवाही,नियमों कीअवहेलना भ्रष्टाचार, कमजोर निगरानी और जवाबदेही की कमी का परिणाम प्रतीत होती है। यही कारण है कि यह दुर्घटना केवल एक होटल अग्निकांड नहीं बल्कि आधुनिक भारतीय शहरी प्रशासन की विफलताओं का प्रतीक बन गई है।

साथियों बात अगर हम ऐसी घटनाओं के भारतीय इतिहास की करें तो, भारत का इतिहास ऐसी दर्दनाक घटनाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1997 में दिल्ली के उपहार सिनेमा फायर में 59 लोगों की मृत्यु हुई थी। जांच में सामने आया कि आपातकालीन निकास मार्ग अवरुद्ध थे, सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था तथा प्रबंधन और प्रशासन दोनों स्तरों पर गंभीर लापरवाही हुई थी। वर्ष 2004 में कुम्बाकूनम स्कूल फायर में 94 स्कूली बच्चों की मृत्यु हुई।विद्यालय में अग्नि सुरक्षा प्रबंधअत्यंत कमजोर थे और ज्वलनशील सामग्री का उपयोग किया गया था। वर्ष 2019 में अनाज मंडी फायर में 43 लोगों की मृत्यु हुई, जहां फैक्ट्री अवैध रूप से संचालित हो रही थी और निकास व्यवस्था अपर्याप्त थी। उसी वर्ष दिल्ली के मुंडका फायर ट्रेजेडी जैसे मामलों में भी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। पश्चिम बंगाल के अमरी हॉस्पिटल फायर में 90 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी, जहां धुएं और आपातकालीन प्रबंधन की विफलता प्रमुख कारण बने। इन सभी घटनाओं में एक समान पैटर्न दिखाई देता है,नियमों का उल्लंघन, कमजोर निरीक्षण, भ्रष्टाचार, अपर्याप्त फायर ऑडिट और एजेंसियों के बीच सटीकता से समन्वय की कमी। साथियों, किसी भी बड़े शहर में अग्निशमन सेवा या फायर ब्रिगेड अंतिम रक्षा पंक्ति होती है। जब आग लग जाती है तब फायर ब्रिगेड को बुलाया जाता है, लेकिन वास्तविक प्रश्न यह है कि क्या फायर विभाग ने भवन का समय- समय पर निरीक्षण किया था, क्या भवन के पास वैध अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र था,क्या अग्निशमन उपकरण कार्यरत थे, क्या स्प्रिंकलर सिस्टम और स्मोक डिटेक्टर सक्रिय थे और क्या भवन मालिकों ने नियमों का पालन किया था। अनेक मामलों में देखा गया है कि फायर विभाग निरीक्षण तो करता है लेकिन बाद में नियमों के उल्लंघन को नजरअंदाज कर दिया जाता है। कई देशों में जांच रिपोर्टों ने यह दिखाया है कि अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र मिलने के बाद वर्षों तक दोबारा प्रभावी निरीक्षण नहीं होता। परिणामस्वरूप भवनों में अतिरिक्त कमरे, अवैध निर्माण, बंद आपातकालीन निकास और क्षमता से अधिक लोगों को रखने जैसी खतरनाक स्थितियाँ विकसित हो जाती हैं। यदि किसी भवन को छह कमरों की अनुमति मिली हो और बाद में उसमें कई गुना अधिक कमरे बना दिए जाएँ तो यह केवल भवन मालिक की गलती नहीं बल्कि निगरानी तंत्र कीसटीकता से विफलता भी मानी जाएगी। साथियों पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।सामान्यत: पुलिस को आपदा के समय कानून- व्यवस्था बनाए रखने,बचाव कार्यों को सुगम बनाने और अपराध संबंधी जांच करने का दायित्व दिया जाता है। लेकिन कई बार पुलिस का स्थानीय स्तर पर भवनों, होटलों, गेस्ट हाउसों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के बारे में पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं होता। कुछ मामलों में अवैध गतिविधियों या नियमों के उल्लंघन की जानकारी होने के बावजूद समय रहते कार्रवाई नहीं की जाती। आपदा के बाद पुलिस अक्सर जांच शुरू करती है,जबकि वास्तविक।आवश्यकता जोखिमों की पूर्व पहचान और निवारक कार्रवाई की होती है।विकसित देशों में पुलिस, अग्निशमन विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच डेटा साझा करने की व्यवस्था होती है जिससे जोखिम वाले भवनों की पहचान पहले से की जा सके। भारत सहित अनेक विकासशील देशों में यह समन्वय अभी भी सीमित दिखाई देता है। साथियों,आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों की जिम्मेदारी केवल आपदा के बाद राहत देना नहीं बल्कि जोखिम को कम करना भी है।यदि किसी महानगर में हजारों होटल, हॉस्टल अस्पताल और व्यावसायिक इमारतें हैं तो यह सुनिश्चित करना आपदा प्रबंधन संस्थाओं का भी दायित्व है कि आपातकालीन निकासी योजना,मॉक ड्रिल, प्रशिक्षण और जन-जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से संचालित हों। अक्सर पाया जाता है कि मॉक ड्रिल केवल कागजों में पूरी हो जाती है या सीमित स्तर पर आयोजित होती है। जब वास्तविक आपदा आती है तब कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और भवन प्रबंधक नहीं जानते कि लोगों को सुरक्षित बाहर कैसे निकाला जाए। इससे भगदड़, घबराहट और मृत्यु की संख्या बढ़ जाती है। एम्बुलेंस सेवाओं और चिकित्सा आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की कमियाँ भी अनेक बार सामने आती हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार किसी बड़े शहर में आपातकालीन चिकित्सा प्रतिक्रिया का समय न्यूनतम होना चाहिए। लेकिन ट्रैफिक जाम, अपर्याप्त एम्बुलेंस, समन्वय की कमी और अस्पतालों में तैयारी के अभाव के कारण घायल लोगों को समय पर उपचार नहीं मिल पाता। अग्निकांडों में धुएँ से दम घुटना एक प्रमुख कारण होता है और ऐसे मामलों में शुरुआती कुछ मिनट अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। यदि चिकित्सा सहायता में देरी होती है तो बचाई जा सकने वाली जानें भी चली जाती हैं। साथियों, स्थानीय निकायों और नगर निगमों की जवाबदेही शायद सबसे महत्वपूर्ण होती है क्योंकि भवन निर्माण की अनुमति,उपयोग परिवर्तन, व्यापार लाइसेंस और भवन सुरक्षा की प्राथमिक जिम्मेदारी इन्हीं के पास होती है। दुनियाँ भर में हुई अनेक त्रासदियों की जांच में पाया गया कि भवन निर्माण नियमों का पालन नहीं किया गया था। कहीं अवैध मंजिलें बनाई गई थीं, कहीं निकास मार्ग बंद थे, कहीं विद्युत तारों का रखरखाव खराब था और कहीं अग्नि सुरक्षाउपकरण केवल दिखावे के लिए लगाए गए थे। यदि किसी नगर निकाय के रिकॉर्ड में भवन की एक स्थिति दर्ज हो और वास्तविकता में वह पूरी तरह अलग हो, तो यह निरीक्षण और प्रवर्तन तंत्र की गंभीर विफलता का संकेत है। साथियों, भ्रष्टाचार का मुद्दा सबसे संवेदनशील लेकिन सबसे महत्वपूर्ण है। दुनिया के अनेक देशों में हुई आपदाओं की जांच रिपोर्टों ने यह संकेत दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों को कभी-कभी रिश्वत, राजनीतिक संरक्षण या प्रशासनिक उदासीनता के कारण संरक्षण मिल जाता है। जब सुरक्षा प्रमाणपत्र पैसे या प्रभाव के आधार पर जारी होने लगें, जब निरीक्षण केवल औपचारिकता बन जाए और जब अवैध निर्माण को वर्षों तक अनदेखा किया जाए, तब एक प्रकार से भविष्य की त्रासदी की नींव रखी जा रही होती है। भ्रष्टाचार केवल वित्तीय अपराध नहीं बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा के लिए प्रत्यक्ष खतरा है क्योंकि इसके कारण लोगों की जान सटीकता से जोखिम में पड़ जाती है। साथियों, शहरीकरण की तेज गति भी एक नई चुनौती बनकर उभरी है। महानगरों में भूमि की कीमतें बढ़ने के कारण भवन मालिक अधिक से अधिक जगह का व्यावसायिक उपयोग करना चाहते हैं। परिणामस्वरूप कई बार सुरक्षा मानकों की अनदेखी कर अतिरिक्त कमरे, अतिरिक्त मंजिलें या अवैध संरचनाएँ बना दी जाती हैं। प्रशासन यदि समय रहते इसे नहीं रोकता तो जोखिम लगातार बढ़ता जाता है।

इसलिए शहरी नियोजन और अग्नि सुरक्षा को अलग-अलग विषयों के रूप में नहीं बल्कि एकीकृत दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है।तकनीक का उपयोग भविष्य में ऐसी घटनाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। स्मार्ट सेंसर, रियल-टाइम मॉनिटरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जोखिम विश्लेषण, डिजिटल भवन रजिस्टर और स्वचालित अलार्म सिस्टम जैसी तकनीकें जोखिम की प्रारंभिक पहचान कर सकती हैं। लेकिन तकनीक तभी प्रभावी होगी जब उसके साथ प्रशासनिक इच्छाशक्ति और पारदर्शिता भी हो। केवल उपकरण खरीद लेना पर्याप्त नहीं है; उनका नियमित रखरखाव और परीक्षण भी आवश्यक है। साथियों, जनता की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। कई बार लोग सस्ते या सुविधाजनक विकल्पों के कारण ऐसे होटलों और भवनों का उपयोग करते हैं जिनकी सुरक्षा स्थिति संदिग्ध होती है। यदि नागरिक सुरक्षा मानकों के प्रति अधिक जागरूक हों और जोखिमपूर्ण प्रतिष्ठानों के विरुद्ध शिकायत करने की संस्कृति विकसित हो तो प्रशासन पर भी दबाव बनेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत की विकास गाथा-स्वदेशी मेट्रो से आत्मनिर्भर भारत की नई उड़ान

-कांतिलाल मांडोत

भारत आज उस दौर से गुजर रहा है जहां विकास केवल एक सरकारी नारा नहीं बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाली सच्चाई बन चुका है। देश के शहरों में तेजी से बदलता बुनियादी ढांचा आधुनिक परिवहन व्यवस्था और स्वदेशी तकनीक का विस्तार इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल उपभोक्ता राष्ट्र नहीं रहा बल्कि निर्माण और नवाचार की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। अहमदाबाद मेट्रो के लिए तैयार की गई देश की पहली स्वदेशी चालक रहित मेट्रो ट्रेन इस परिवर्तन की एक ऐतिहासिक मिसाल है। यह उपलब्धि केवल एक नई ट्रेन के निर्माण तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत की तकनीकी क्षमता आत्मनिर्भरता और भविष्य की दृष्टि का प्रतीक है।

कुछ दशक पहले तक भारत की रेल व्यवस्था को दुनिया के कई विकसित देशों की तुलना में पिछड़ा माना जाता था। यात्रियों को सीमित सुविधाएं मिलती थीं और आधुनिक तकनीक का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता था। उस समय यह कल्पना करना भी कठिन था कि भारत एक दिन अत्याधुनिक चालक रहित मेट्रो ट्रेनों का निर्माण करेगा। लेकिन समय के साथ देश ने अपनी सोच और दिशा दोनों को बदला। सरकारों की दूरदर्शी नीतियों वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की मेहनत तथा उद्योग जगत के सहयोग ने भारत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य किया।

अहमदाबाद मेट्रो के लिए पश्चिम बंगाल में तैयार की जा रही नई मेट्रो ट्रेनें इस परिवर्तन का जीवंत उदाहरण हैं। लगभग तीन सौ पचास करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाली दस अत्याधुनिक मेट्रो ट्रेनें पूरी तरह भारत में बनाई गई हैं। इन ट्रेनों की विशेषता यह है कि ये चालक रहित होंगी और ऑटोमेशन ग्रेड चार तकनीक से संचालित की जाएंगी। इसका अर्थ यह है कि ट्रेन का संचालन पूरी तरह स्वचालित होगा और मानव हस्तक्षेप की आवश्यकता न्यूनतम रहेगी। यह तकनीक दुनिया के चुनिंदा विकसित देशों में ही देखने को मिलती है।

इन ट्रेनों का डिजाइन भी भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत करता है। गरबा और उत्तरायण जैसी गुजरात की प्रसिद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को ध्यान में रखते हुए इन्हें विशेष थीम के साथ तैयार किया गया है। इससे यह संदेश मिलता है कि आधुनिकता और परंपरा एक साथ चल सकती हैं। भारत विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपनी सांस्कृतिक पहचान को भी सहेज कर रख रहा है।

नई मेट्रो ट्रेनों में सात सौ पचास वोल्ट डीसी प्रणाली का उपयोग किया गया है। यह तकनीक ऊर्जा दक्षता और बेहतर संचालन के लिए जानी जाती है। मजबूत स्टेनलेस स्टील बॉडी के साथ निर्मित ये ट्रेनें अस्सी से नब्बे किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने में सक्षम होंगी। यात्रियों को पूरी तरह वातानुकूलित डिब्बों डिजिटल सूचना प्रणाली स्मार्ट यात्री सूचना तंत्र और उच्च स्तरीय सुरक्षा सुविधाओं का लाभ मिलेगा। सीसीटीवी कैमरे और अग्नि सुरक्षा प्रणाली यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत बनाएंगे।

यह उपलब्धि केवल मेट्रो क्षेत्र तक सीमित नहीं है। यह उस व्यापक परिवर्तन का हिस्सा है जिसे आज भारत में देखा जा सकता है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने देश के औद्योगिक विकास को नई दिशा दी है। पहले जिन तकनीकों और उत्पादों के लिए भारत विदेशी देशों पर निर्भर था आज उन्हीं क्षेत्रों में देश स्वयं निर्माण कर रहा है। रक्षा क्षेत्र से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान तक और रेलवे से लेकर डिजिटल तकनीक तक भारत ने आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

भारत की विकास यात्रा में रेलवे का विशेष योगदान रहा है। रेलवे केवल परिवहन का माध्यम नहीं बल्कि देश की आर्थिक धड़कन है। आज भारतीय रेलवे विश्व के सबसे बड़े रेल नेटवर्क में शामिल है। वंदे भारत जैसी आधुनिक ट्रेनों ने यात्रा के अनुभव को पूरी तरह बदल दिया है। अब मेट्रो क्षेत्र में भी भारत स्वदेशी तकनीक के साथ नई पहचान बना रहा है। यह परिवर्तन दर्शाता है कि देश केवल विदेशी तकनीक को अपनाने तक सीमित नहीं है बल्कि स्वयं नई तकनीकों का विकास भी कर रहा है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में भी भारत ने दुनिया को अपनी क्षमता का परिचय दिया है। चंद्रयान और आदित्य मिशनों की सफलता ने भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। कम लागत में उच्च गुणवत्ता वाले मिशन संचालित करने की क्षमता ने भारतीय वैज्ञानिकों की प्रतिभा को पूरी दुनिया के सामने स्थापित किया है। इसी प्रकार डिजिटल इंडिया अभियान ने देश के करोड़ों लोगों को तकनीक से जोड़ा है। आज गांवों तक इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं की पहुंच ने विकास की नई संभावनाएं पैदा की हैं।

सड़क परिवहन हवाई अड्डों बंदरगाहों और शहरी परिवहन के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। देश के अनेक शहरों में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार किया जा रहा है। इससे यातायात की समस्या कम हो रही है और लोगों को तेज सुरक्षित तथा सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिल रहा है। अहमदाबाद मेट्रो के लिए तैयार की गई स्वदेशी चालक रहित ट्रेनें इसी विकास की कड़ी हैं।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी है। देश के इंजीनियर वैज्ञानिक तकनीशियन और उद्यमी नई तकनीकों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। स्वदेशी मेट्रो ट्रेन का निर्माण इस बात का प्रमाण है कि भारतीय प्रतिभा किसी भी क्षेत्र में विश्व स्तर की उपलब्धियां हासिल कर सकती है। यह सफलता युवाओं को प्रेरित करती है कि वे नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में आगे बढ़ें।

आज दुनिया भारत को केवल एक बड़ा बाजार नहीं बल्कि एक उभरती हुई तकनीकी शक्ति के रूप में देख रही है। वैश्विक कंपनियां भारत में निवेश कर रही हैं और भारतीय उद्योग विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं और देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

अहमदाबाद मेट्रो की नई ट्रेनें भविष्य के भारत की तस्वीर प्रस्तुत करती हैं। यह तस्वीर ऐसे भारत की है जो आत्मविश्वास से भरा हुआ है जो अपनी आवश्यकताओं का समाधान स्वयं तैयार कर सकता है और जो दुनिया के सामने अपनी तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन करने में सक्षम है। यह उपलब्धि केवल गुजरात या अहमदाबाद की नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की उपलब्धि है।

भारत की विकास गाथा निरंतर आगे बढ़ रही है। स्वदेशी मेट्रो ट्रेनें इस यात्रा का नया अध्याय हैं। यह अध्याय बताता है कि जब संकल्प मजबूत हो नीति स्पष्ट हो और प्रतिभा को अवसर मिले तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता। आने वाले वर्षों में भारत और भी अनेक क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल करेगा और विश्व मंच पर अपनी स्थिति को और मजबूत बनाएगा। स्वदेशी मेट्रो की यह सफलता उसी उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ता हुआ एक महत्वपूर्ण कदम है जो आत्मनिर्भर समृद्ध और विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में देश को लगातार आगे ले जा रहा है।

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

5 जून को मनाया जाने वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने ख ?। कर दिया है। इस वर्ष की थीम ᗑप्लास्टिक प्रदूषण का अंत (ठमंज च्सेंजपब च्वससनजपवद) केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़ें कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बढ़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है।

पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार नि:शुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर ब ? रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुन: प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

वर्तमान संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और नैतिक संकट भी है। वायु प्रदूषण लाखों लोगों की असामयिक मृत्यु का कारण बन रहा है। जल स्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। कृषि व्यवस्था प्रभावित हो रही है। मौसम चक्र असंतुलित हो गया है। गरीब और कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कभी इंदिरा गांधी ने कहा था कि 'गरीबी सबसे बड़ा प्रदूषक है।' आज यह कथन और अधिक प्रासंगिक हो गया है क्योंकि गरीबी और पर्यावरणीय विनाश एक-दूसरे को बढ़ाने वाले कारक बन गए हैं। भारत में पर्यावरण संरक्षण के लिए कानूनों की कमी नहीं है। 1972 में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम से लेकर अनेक पर्यावरणीय कानून बनाए गए। लेकिन कानूनों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच गहरी खाई बनी हुई है। अवैध खनन, वनों की कटाई, प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों की अनदेखी और पर्यावरणीय मंजूरियों में शिथिलता इस बात का प्रमाण हैं कि संस्थागत इच्छाशक्ति अभी भी पर्याप्त नहीं है। फिर भी आशा की किरण दिखाई देती है। युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता तेजी से बढ़ रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों में बड़ी संख्या में युवाओं ने जलवायु संकट को गंभीर विषय माना है और सरकार से इस संबंध में शिक्षा एवं जनजागरण की अपेक्षा की है। यह संकेत है कि नई पीढ़ी पर्यावरण को केवल प्रकृति का नहीं, बल्कि अपने भविष्य का प्रश्न मान रही है। आवश्यकता इस चेतना को सामाजिक और राजनीतिक शक्ति में बदलने की है। समाधान क्या है? सबसे पहले विकास और पर्यावरण को विरोधी नहीं, पूरक मानने की दृष्टि विकसित करनी होगी। ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करना, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत बनाना, जल संरक्षण को राष्ट्रीय अभियान बनाना, वृक्षारोपण को जनांदोलन का रूप देना और प्लास्टिक के उपयोग पर प्रभावी नियंत्रण आवश्यक है। केवल सरकारी योजनाओं से यह कार्य संभव नहीं होगा, इसके लिए समाज, उद्योग, शिक्षा संस्थानों और नागरिकों की साझी भागीदारी चाहिए। दूसरा, पर्यावरण को राजनीतिक एजेंडा बनाना होगा। जिस प्रकार रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य चुनावी मुद्दे बनते हैं, उसी प्रकार स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, हरित विकास और जलवायु सुरक्षा भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बनें। मतदाता अपने प्रतिनिधियों से पर्यावरण संबंधी दृष्टि और प्रतिबद्धता के बारे में प्रश्न पूछें। जब जनता पर्यावरण को प्राथमिकता देगी, तब राजनीति भी उसकी ओर मुड़ेगी। तीसरा, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरणीय चेतना को व्यवहारिक रूप से शामिल करना होगा। बच्चों और युवाओं को केवल पुस्तकीय ज्ञान नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ जुड़ाव, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन और जैव विविधता संरक्षण के व्यावहारिक संस्कार दिए जाने चाहिए। चैथा, हमें अपनी जीवनशैली में परिवर्तन लाना होगा। अत्यधिक उपभोग, अपव्यय और सुविधावादी संस्कृति ने पर्यावरणीय संकट को बढ़ाया है। संयमित उपभोग, पुनर्चक्रण, स्थानीय संसाधनों का उपयोग और प्रकृति के प्रति संवेदनशील जीवनशैली ही स्थायी समाधान दे सकती है। यह दृष्टि भारतीय दर्शन और जीवन मूल्यों में पहले से विद्यमान है। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 हमें यह स्मरण कराता है कि पर्यावरण का प्रश्न केवल पेड़-पौधों या नदियों का प्रश्न नहीं हैव यह मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न है। यदि हमने समय रहते अपनी नीतियों, विकास मॉडल और जीवनशैली में परिवर्तन नहीं किया, तो आने वाली पीढ़ियां हमें क्षमा नहीं करेंगी। लेकिन यदि हम सजगता, वैज्ञानिक दृष्टि, राजनीतिक इच्छाशक्ति और सामाजिक सहभागिता के साथ आगे बढ़ें, तो संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत के पास विश्व को नई दिशा देने की क्षमता है। प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व, अहिंसा, संयम और संतुलित विकास की भारतीय दृष्टि आज पूरे विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। आवश्यकता केवल इतनी है कि पर्यावरण को विकास का विकल्प नहीं, विकास का आधार माना जाए। यही विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है, यही भविष्य की सुरक्षा का मार्ग है और यही पृथ्वी के प्रति हमारी सच्ची जिम्मेदारी भी।

-ललित गर्ग

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मिलों की कमजोर लेवाली से गुरूवार को तिलहनों में सोयाबीन बाजार मंदी के रहे। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। किराना जिंसों में कामकाज की मात्रा कम ही रही। दाल दलहनों में चना बाजार हल्की सुस्ती पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार गुरूवार को सोयाबीन में पूछपरख कमजोर रहने और आवकें सुधरने से बाजार नरमी के रहे। खाद्य तेलों में सौंगदाना तेल सुस्ती पर रहा। किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। शक्कर में बाजार सुर्ख बने रहे। दलहनों में चना बाजार मजबूत नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4210-4275, खोपरा गोला 325-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1150-1350, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 525-550, काजू (240) 880-925, काजू (320) 950-1000, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2300-2350, (250) 2600-2650

तेल- सौंगदाना 1580-1600, मुम्बई 1630, राजकोट तेलिया 2500, सोया साल्वेंट 1420-1425, सोया रिफाइंड 1480-1490, कपास्या 1500, धूलिया 1510, कड़ी 1510,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1580, मुम्बई पाम 1495, मुम्बई सोया 1510,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8300, रायडा 6800-7200, सोयाबीन 6800, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6150-6200, एवरेज 6000-6050, विशाल 6050-6100, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 5900-6000, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7300-7400, मूंग पुराना बोल्ड 7900-8100, मीडियम 7600-7800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7700-7800, एवरेज 7200-7300, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7500-7600, उड़द बेस्ट 8600-8700, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एव्रेरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2475, लोकवन एवरेज 2600-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2050-2100, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 280 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। गुरूवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। सोने में तेजी रही। चाँदी बाजार आंशि?क नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 250000, चाँदी (99) 249800, टंच 249200, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151000,

रुपया बढ़त पर बंद

मुबंई। एजेंसी। भारतीय रुपया गुरुवार को सात पैसे की बढ़त के साथ ही 95.64 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले थोड़ी राहत की सांस ली। शुरुआती कारोबार में रुपया 1 पैसे की मामूली मजबूती के साथ 95.70 प्रति डॉलर पर खुला। पिछले सत्र में 95.71 पर बंद होने के बाद रुपये ने दिन की शुरुआत 95.70 के स्तर पर की, जिससे डॉलर के मुकाबले इसकी स्थिति में थोड़ा सुधार आया। यह सुधार बाजार में हल्की सकारात्मकता का संकेत देता है। हालांकि, शुरुआती कारोबार के दौरान रुपया थोड़ा कमजोर होकर फिर से 95.71 पर कारोबार करता देखा गया, जो बाजार की अस्थिरता को दर्शाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजारों में डॉलर की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव रुपये के प्रदर्शन को प्रभावित करते रहेंगे।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 14 अंक , निफ्टी 11 अंक उछला

मुम्बई। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच ही भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को उतार-चढ़ाव के बाद हल्की बढ़त पर बंद हुआ। एशियाई और अमेरिकी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आज जहां बीएसई सेंसेक्स 14 अंक ऊपर आकर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी में 11 अंकों का उछाल आया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट पर खुला। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई 11 अंक करीब 0.01 फीसदी की तेज़ी के साथ 74,360 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 11 अंक तकरीबन 0.04 फीसदी की बढ़त के साथ 23,416 के स्तर पर बंद हुआ आज बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में ज़्यादा तेज़ी रही। निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.49 फीसदी उछाल दर्ज किया गया। वहीं निफ्टी

मिडकैप 100 में 0.46 फीसदी का उछाल आया। निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज्यादा 16.50 फीसदी बढ़त क्वालिटी वॉल्स के शेयरों में आई देखने को मिली। इसके अलावा टाइटन कंपनी में 3.48 फीसदी की बढ़त, कोल इंडिया में 1.98 फीसदीकी तेज़ी और सिप्ला में 1.71 फीसदी की बढ़त रही। वहीं निफ्टी 50 की कंपनियों में सबसे ज्यादा गिरावट दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के शेयरों में 1.75 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। इसके बाद, बजाज फिनसर्व में 1.42 फीसदी की गिरावट। वहीं हिंडाल्को में 1.17 फीसदी की गिरावट आई। एसबीआई लाइफ में 1.09 फीसदी और अल्ट्राटेक सीमेंट्स में 0.94 फीसदी की गिरावट रही। आज सेक्टोरल इंडेक्स में निफ्टी मीडिया में 2.19 फीसदी की तेज़ी रही। निफ्टी इंडिया टूरिज्म में 1.15 फीसदी जबकि निफ्टी कैपिटल मार्केट में 1.13 फीसदी की बढ़त रही। निफ्टी एनर्जी में 0.62 फीसदी की तेज़ी। निफ्टी इंडिया डिफेंस - 0.47 फीसदीत की तेज़ी आई। निफ्टी पीएसयू बैंक - 0.41 फीसदी की तेज़ी और निफ्टी फार्मा में 0.38 फीसदी की बढ़त रही।

एसबीआई कार्ड का फैसला, फोनपे क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड पॉइंट्स में होगी कटौती

नई दिल्ली। एजेंसी। एसबीआई कार्ड ने अपने फोनपे एसबीआई क्रेडिट पर्पल और सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए रिवॉर्ड पॉइंट्स सिस्टम में अहम बदलावों की घोषणा की है। ये नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे, जिसके तहत ग्राहकों को विभिन्न खर्चों पर मिलने वाले रिवॉर्ड पॉइंट्स में कटौती या कुछ कैटेगरी में पूरी तरह से समाप्ति का सामना करना पड़ेगा। इन बदलावों का सीधा असर उन ग्राहकों पर पड़ेगा जो क्रेडिट कार्ड से बिल पेमेंट, इंश्योरेंस, ऑनलाइन शॉपिंग और अन्य खर्चों पर रिवॉर्ड पॉइंट्स कमाते हैं। पर्पल कार्डधारकों के लिए फोनपे खर्चों पर मासिक रिवॉर्ड पॉइंट्स की सीमा घटाई गई है। अब बीमा संबंधी खर्चों पर अधिकतम 250 पॉइंट्स और अन्य फोनपे खर्चों पर 750 पॉइंट्स ही मिलेंगे। इसके अलावा, ऑनलाइन शॉपिंग पर मिलने वाले कुल पॉइंट्स को भी 1,000 से घटाकर 750 कर दिया गया है। इसी तरह सलेक्ट ब्लैक कार्डधारकों के लिए भी नियम बदले हैं। फोनपे खर्चों पर पहले जहां 2,000 पॉइंट्स मिलते थे, अब बीमा पर 500 और अन्य फोनपे ट्रांजैक्शन्स पर 1,500 पॉइंट्स की सीमा तय की गई है। ऑनलाइन खर्चों पर मिलने वाले पॉइंट्स को भी 2,000 से घटाकर 1,000 कर दिया गया है। एसबीआई कार्ड ने कुछ कैटेगरी को रिवॉर्ड सिस्टम से बाहर कर दिया है, जिनमें टोल/ब्रिज पेमेंट, गिफ्ट, ज्वेलरी और शैक्षणिक भुगतान शामिल हैं। फोनपे ऐप के बाहर किए गए यूटिलिटी बिल, इंश्योरेंस प्रीमियम और यूपीआई ट्रांजैक्शन्स पर भी अब कोई रिवॉर्ड नहीं मिलेगा। हालांकि एसबीआई ने स्पष्ट किया है कि अन्य कार्ड सुविधाएं पहले जैसी ही रहेंगी।

खाद्य तेल पैक आकार का होगा मानकीकरण, उपभोक्ताओं को मिलेगी स्पष्टता

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार जल्द ही खाद्य तेल के पैक आकार को मानकीकृत करने के लिए नए नियम पेश करने वाली है। इस कदम से उपभोक्ताओं को विभिन्न ब्रांडों की कीमतों की तुलना करने में आसानी होगी और खाद्य तेल बाजार में पारदर्शिता बढ़ेगी। वर्तमान में प्रचलित 850 मिलीलीटर, 900 मिलीलीटर जैसे गैर-मानक पैक आकार उपभोक्ताओं को भ्रमित करते हैं और प्रति लीटर वास्तविक लागत का आकलन करना मुश्किल बनाते हैं। केंद्र सरकार खाद्य तेल के पैक आकारों के मानकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव लाने की तैयारी में है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बाजार में बढ़ती गैर-मानक पैक आकारों की प्रवृत्ति (जैसे 850, 875, 900, 950 मिलीलीटर) से निपटना है, जिसके कारण उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग ब्रांड की कीमतों की तुलना करना और प्रति लीटर वास्तविक लागत समझना मुश्किल हो जाता है। उद्योग जगत ने सरकार के इस प्रस्तावित कदम का जोरदार स्वागत किया है। उनका मानना है कि यह उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में पारदर्शिता बढ़ाएगा और विनिर्माताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा का माहौल तैयार करेगा। पुरी ऑयल मिल्स लिमिटेड के एक अधिकारी ने कहा कि मानकीकृत पैक आकार उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में मदद करेंगे और प्रतिस्पर्धा को गुणवत्ता, शुद्धता एवं मूल्य के आधार पर सुनिश्चित करेंगे, न कि पैकेजिंग के तरीकों पर। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार इस मानकीकरण से न केवल उपभोक्ता विश्वास मजबूत होगा, बल्कि इसके पर्यावरणीय लाभ भी होंगे। अलग-अलग पैक आकारों के कारण विभिन्न बोतल ढांचे और पैकेजिंग सामग्री की आवश्यकता होती है, जिससे आपूर्ति शृंखला जटिल होती है और अनावश्यक प्लास्टिक उपयोग बढ़ता है। मानकीकरण उत्पादन प्रक्रिया को सरल बनाएगा और टिकाऊ पैकेजिंग प्रथाओं को बढ़ावा देगा। यह सुधार खाद्य तेल जैसे बड़े उपभोक्ता वर्ग में पारदर्शिता बढ़ाने, निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने और अंतत: उपभोक्ता विश्वास मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मेष- आज आपकी जेब से पैसे जरूर निकलेंगे, लेकिन दिल में चिंता नहीं होगी, क्योंकि कमाई भी अ'छी बनी रहेगी। घर में आपकी राय को लोग गंभीरता से सुनेंगे और सराहेंगे भी। संतान से किया हुआ कोई वादा आज आपको निभाना पड़ सकता है। बिजनेस में पहले से बेहतर माहौल बनेगा और मन में संतोष रहेगा। आज आप अपने रहन-सहन और लाइफस्टाइल में भी कुछ नया बदलाव करने का सोच सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन थोड़ा जिम्मेदारियों वाला रहेगा। कोई सरकारी काम अगर अटका हुआ है, तो उस पर खास ध्यान देने की जरूरत है। परिवार में शादी-ब्याह जैसी खुशखबरी का माहौल बन सकता है। राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है। हालांकि, माता जी की सेहत को लेकर थोड़ी सतर्कता जरूरी रहेगी। कार्यक्षेत्र में किसी की मीठी बातों में आने से बचें।

मिथुन- आज खर्चे कुछ 'यादा हो सकते हैं, इसलिए जेब और जरूरत दोनों का संतुलन बनाकर चलना बेहतर रहेगा। किसी पुराने फैसले को लेकर मन में हल्का पछतावा भी हो सकता है। परिवार में किसी की सेहत चिंता का कारण बन सकती है। छोटे ब'चों के साथ समय बिताने से मन हल्का होगा और तनाव कम महसूस होगा। सम्मान और प्रशंसा मिलने के भी योग बन रहे हैं।

कर्क- आज आपको हर काम प्लानिंग के साथ करना होगा। मेहनत का रास्ता थोड़ा कठिन जरूर रहेगा, लेकिन धीरे-धीरे बाधाएं हटती दिखाई देंगी। नौकरी या काम में मनचाहा परिणाम न मिलने से थोड़ी बेचैनी रह सकती है। उधार लेने से बचना ही समझदारी होगी। बिजनेस में किए गए बदलाव भविष्य में बड़ा फायदा दे सकते हैं।

सिंह- आज नई प्रॉपर्टी या किसी बड़े सामान की खरीदारी का योग बन रहा है। वाहन चलाते समय सावधानी रखें, खासकर किसी और का वाहन मांगकर चलाने से बचें। मन थोड़ा आलसी रहेगा और काम टालने का मन करेगा। भगवान की भक्ति में मन लगेगा और जीवनसाथी के साथ रिश्ता और मधुर होगा। घर में किसी नए मेहमान की एंट्री खुशी लेकर आ सकती है।

कन्या- आज नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अ'छी खबर मिल सकती है। पुरानी गलतियों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी। परिवार की कोई पुरानी टेंशन खत्म होने से राहत मिलेगी। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। मेहनत का अच्छा फल मिलेगा और घर के रिनोवेशन या सजावट का काम भी शुरू हो सकता है।

तुला- आज का दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा। जीवनसाथी से कोई बात छुपाने की कोशिश रिश्तों में दूरी ला सकती है, इसलिए खुलकर बात करें। ऑफिस में बॉस की बातों को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। शौक और सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ेगा। मन में सम्मान और प्रतिष्ठा को लेकर थोड़ी संवेदनशीलता बनी रहेगी।

वृश्चिक- आज काम का दबाव काफी 'यादा रह सकता है, लेकिन आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। नए लोगों से मुलाकात होगी, मगर निजी बातें साझा करने से बचें। मेहनत का पूरा फल मिलेगा और लंबे समय से रुका सरकारी काम आगे बढ़ सकता है। किसी सहकर्मी की बात दिल को चोट पहुंचा सकती है।

धनु- आज धैर्य और मीठी वाणी ही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। किसी काम को टालना बाद में परेशानी बढ़ा सकता है। संतान से किया वादा निभाने का समय आ सकता है। अनजान लोगों पर जरूरत से 'यादा भरोसा न करें। पुराने लेन-देन या पैसों से जुड़ी टेंशन से राहत मिलने के संकेत हैं।

मकर- आज का दिन सामान्य लेकिन राहत भरा रहेगा। नौकरी से जुड़ी परेशानियां धीरे-धीरे खत्म होंगी। जीवनसाथी बिजनेस और काम में पूरा साथ देंगे। मेहनत पर भरोसा रखेंगे तो परिणाम अ'छे मिलेंगे। कोई सरकारी काम पूरा हो सकता है। निवेश से जुड़ा कोई सुझाव मिले तो जल्दबाजी में फैसला लेने से बचें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए खास साबित हो सकता है। कार्यक्षेत्र में लोगों के साथ तालमेल शानदार रहेगा और काम करने में मजा आएगा। बिजनेस की कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। लंबे समय से अटका काम आसानी से पूरा होगा। संतान की पढ़ाई को लेकर कोई बड़ा निर्णय लेना पड़ सकता है, जिसमें गुरुजनों की सलाह मददगार रहेगी।

मीन- आज मन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है। ऑफिस में बॉस के साथ बहस होने की संभावना है, इसलिए शांत रहकर काम करें। परिवार के बड़े सदस्यों का सहयोग आपको मजबूती देगा। कोई कानूनी मामला चिंता बढ़ा सकता है, इसलिए सतर्क रहें। विद्यार्थियों को मानसिक दबाव से राहत मिलेगी। यात्रा या घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है।

शब्दजाल - 8280

अ	क	ल	व	दे	ह	रा	दू	न	ल	क
र	ल्मो	ल	रु	व	जी	ग	द	इ	ट	ली
ग	स	ड़ा	ल	द्र	छ	पु	चं	पा	व	त
क	ढ़	ज	य	पु	प्र	न	प	न	ल	उ
क	क	वा	ग	श्री	तं	या	तू	ग	झ	ध
जी	क	ल	त	ह	झ	पू	ग	ण	ध	म
उ	आ	नै	नी	ता	ल	त	श	र	ला	सिं
क	त्त	दा	ई	धा	व	क	फ	लो	श	ह
च	बा	र	न	ह्रा	जी	ल	री	ग	प	न
मो	पा	ल	का	व	ह	रि	द्वा	र	प	ग
ली	क	ल	प	शी	न	रा	बा	द	प	र

शब्द जाल में उत्तरांचल के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अल्मोड़ा, चमोली, चंपावत, देहरादून, गढ़वाल,हरिद्वार,नैनीताल,रुद्रप्रयाग, उधमसिंह नगर, उत्तरकाशी

शब्दजाल - 8279 का हल

बे	क	दो	वु	ला	प	व	रे	ली	झ	क
जे	ले	ल	प	अ	रि	पु	ना	दि	श	ऊ
अं	इ	रो	म	सं	ज	त	ब	र	म	ल
क	कु	दो	म	धा	व	उ	प	ऋ	श	र
क	हि	बे	न	पु	क	र	त	ज	दी	इ
व	सी	ल	लि	व	रे	तै	ऐ	ई	प	ला
तै	अ	ल	श	वा	प	म	ज	धी	ला	ह
क	ली	अ	व	त	क	म	प	न	श	बा
क	म	बो	तै	व	ज	ज	द	श	ज़	द
द	ड़	ल	प	अ	रे	तै	ऐ	वै	प	ऊ
बो	त	आ	भि	ल	धी	र	आ	एं	प	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7224

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी पे जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, रेखा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान, रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आता' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की 'न ये जमीं थी ना आसमां' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाऊस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, ट्विंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, सैफी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. राज, पुरु, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7223

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

5 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य	वृष में	मिथुन 05.58 बजे से
चंद्र	मकर में	कर्क 08.12 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह 10.28 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या 12.40 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला 14.51 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक 17.05 ब.से
शनि	मीन में	धनु 19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर 21.27 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ 23.13 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		मीन 00.46 बजे से
		मेष 02.16 बजे से
		वृष 03.56 बजे से

शुक्रवार 2026 वर्ष का 156 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ पक्ष कृष्ण
तिथि पंचमी 01.21 बजे रात को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण अहोरात्र।
योग ब्रह्म 09.43 बजे को समाप्त।
करण कौलव 12.29 बजे तदनन्तर तैतिल 01.21 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 31'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872731
जूलियन दिन 2461196.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज तारीख 19
विशेष विश्व पर्यावरण दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः संगीत की ताकत

एक बार अकबर ने तानसेन के गुरु का संगीत सुनने की इच्छा प्रकट की। तानसेन बोले, 'मेरे गुरु संत हरिदास न तो किसी के बुलाने से आते हैं और न किसी के कहने से गाते हैं। वह तो प्रभु का स्मरण करते हुए तान छेड़ते हैं।' यह सुनकर अकबर की उत्सुकता और बढ़ गई। हारकर तानसेन को उन्हें अपने गुरु के आश्रम वृंदावन ले जाना पड़ा। आश्रम पहुंचकर उन्होंने बादशाह को कुटिया के बाहर ही खड़ा रहने का इशारा किया और स्वयं अंदर पहुंचकर एक राग को जानबूझ कर गलत गाने लगे। तभी हरिदास ने उन्हें टोका और खुद तानपूरा लेकर उसे सही ढंग से गाने लगे। बाहर खड़े बादशाह गुरु हरिदास की मीठी आवाज सुनकर मंत्रमुग्ध हो गए। बाद में लौटकर जब अकबर ने तानसेन को सुना तो उन्हें निराशा हुई। गुरु हरिदास की तुलना में उन्हें तानसेन का गायन फीका लगा। उसके बाद से उन्हें तानसेन के गायन में हमेशा कमी नजर आने लगी। एक दिन उन्होंने तानसेन से कहा, 'क्या बात है तानसेन? मुझे तुम्हारे गायन में अब वह रस नहीं मिलता जो पहले मिलता था। जबकि तुम्हारे गुरु का गायन सुनकर मैं आनंदविभोर हो गया था। आखिर दोनों में क्या फर्क है?' बादशाह की बात पर तानसेन बोले, 'हुजूर, मैं गाता हूं हिंदुस्तान के बादशाह को खुश करने के लिए, जबकि मेरे गुरु गाते हैं परमात्मा को खुश करने के लिए। इसलिए उनके दिल से निकले स्वर हर किसी की आत्मा को झंकृत करने की क्षमता रखते हैं।'

सूडोकु नवताल- 7533

मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7532 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8748

बाएँ से दाएँ

1. नमाज से पहले पढ़ी जानेवाली आयत -3
3. तहजीब,शिष्टता-3
5. पिता के पिता-2
6. स्मृति-2
8. बारिश,बरखा-4
11. शांति,सन्नाटा-3
13. गिरवी रखी वस्तु-3
14. सूक्ष्म कण -2
15. बारबाला,मधुबाला
16. समझौता-3
18. बहने का भाव-3
20. बारिश का महीना-3
22. मां,मम्मी,मदर-2
24. श्रवणेंद्रिय-2
25. अंधकार,अंधेरा-3
26. अनुकृति-3

ऊपर से नीचे

1. नाज,नखरा,चोंचला-2
2. भाग्य,किस्मत-3
3. अचानक,अकस्मात -3
4. देह,बदन-2
5. बिजली,विद्युत रश्मि-3
7. दबाना,कुचलना-3
9. घोड़ागाड़ी-3
10. जुगत,युक्ति-4
12. कारण-3
16. कृष्ण का गरीब मित्र-3
17. पैंतरा,शर्त-2
19. भार-3
20. बहादुरी-3
21. नेत्र,आंख-3
23. पितामह-2
24. समयगति-2

शब्द पहेली -8747 का हल

[illegible]

Jagrutidaur.com, Bangalore

डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की किल्लत से आमजन परेशान

आवश्यक सेवाओं के वाहन प्रभावित, किसान और जरूरतमंद लोग चिंतित

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कमी से आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि पेट्रोल पंपों पर डीजल उपलब्ध नहीं होने के कारण वाहन चालक, किसान और व्यवसायी घंटों इंतजार करने के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। वहीं घरेलू रसोई गैस के लिए एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं, जिससे लोगों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है।

किसानों के सामने खड़ी हुई नई समस्या

वर्तमान समय में क्षेत्र के किसान खरीफ फसल की तैयारियों में जुटे हुए हैं। खेतों की जुताई, बोवाई और अन्य कृषि कार्यों के लिए ट्रैक्टर एवं कृषि यंत्रों में डीजल की आवश्यकता होती है। लेकिन डीजल की कमी के चलते किसानों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। कई किसान गांवों से कैन और ड्रम लेकर पेट्रोल पंपों तक पहुंचते हैं, लेकिन वहां डीजल समाप्त है, उपलब्ध होने पर दिया जाएगा जैसे बोर्ड लगे होने से उन्हें निराश होकर वापस लौटना पड़ता है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द ही डीजल की पर्याप्त आपूर्ति नहीं हुई तो खरीफ सीजन की तैयारियां प्रभावित हो सकती हैं, जिससे कृषि कार्यों में देरी होने की आशंका है।

आवश्यक सेवाओं पर भी पड़ रहा असर

डीजल और पेट्रोल की कमी का असर केवल किसानों तक सीमित नहीं है। एम्बुलेंस, स्कूल वाहन, मालवाहक वाहन, बस संचालक और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े लोग भी ईंधन की कमी से परेशान हैं। कई वाहन चालक ईंधन की तलाश में एक पंप से दूसरे पंप तक भटकते नजर आ रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि माल परिवहन प्रभावित होने से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर भी असर पड़ सकता है, जिससे भविष्य में अन्य वस्तुओं की उपलब्धता भी प्रभावित होने की आशंका है।

रसोई गैस के लिए लंबी कतारें

ईंधन संकट के साथ-साथ घरेलू रसोई गैस की कमी भी लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। गैस एजेंसियों और वितरण केंद्रों पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की भीड़ लग रही है। कई स्थानों पर लोगों को घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। महिलाओं ने बताया कि रसोई गैस की अनिश्चित उपलब्धता के कारण घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई परिवारों को वैकल्पिक व्यवस्थाएं करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

लोगों में बढ़ रही चिंता

नगरवासियों का कहना है कि यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रही तो आमजन का दैनिक जीवन और अधिक प्रभावित होगा। किसानों, व्यापारियों, वाहन चालकों और गृहिणियों सहित हर वर्ग इस समस्या से जूझ रहा है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित तेल एवं गैस कंपनियों से मांग की है कि डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को राहत मिल सके।

प्रशासन से त्वरित हस्तक्षेप की मांग

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों से मांग की है कि ईंधन और गैस की उपलब्धता को लेकर स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक की जाए तथा आपूर्ति व्यवस्था को शीघ्र सामान्य बनाया जाए। लोगों का कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो कृषि, परिवहन और घरेलू व्यवस्था पर इसका व्यापक असर पड़ सकता है। वर्तमान हालात में डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की किल्लत लांजी क्षेत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है।

दोस्तों के साथ नहाने गया प्रवीण की सावरीघाट में डूबने से मौत

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना अन्तर्गत ग्राम पंचायत सावरीकला के बड़ी बाघ नदी सावरीघाट में एक हृदय विदारक हादसा घटित हो गया जहां परिवार का सहारा 22 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद लगातार प्रशासनिक अमला, पुलिस प्रशासन, आपदा प्रबंधन दल, एसडीआरएफ एवं स्थानीय गोताखोरों की टीम शव कि तलाश में लगी रही जो कि 4 जून की सुबह लगभग 10÷30 बजे शव का रेस्क्यू किया गया। इस घटना में पुरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहझरी निवासी प्रवीण उर्फ भूरू ठाकरे (22 वर्ष) पिता बसंत ठाकरे जो कि 3 जून को दोपहर लगभग 2 से 3 बजे अपने कुछ दोस्तों के साथ सावरी घाट बड़ी बाघ नदी पहुंचा था। नहाते समय वह अनजाने में अधिक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। दोस्तों के चीखने-चिल्लाने के बावजूद वह पानी की सतह पर नहीं आया। जिसकी जानकारी दोस्तो के द्वारा स्थानीय लोगो एवं परिवार जनों को दी गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी लांजी अपने दल बल के साथ घटना स्थल पंहुचे साथ प्रशासनिक अमला भी घटना स्थल पर पंहुचा जहां एस डीएम कमलचंद सिंहसार, तहसीलदार लांजी, नायब तहसीलदार लांजी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी सहित एसडीआर एफ दल एवं स्थानीय गोताखोर मौजूद रहे। 3 जून को देर शाम तक प्रवीण का शव बरामद नही हो सका था। दुसरे दिन 4 जून को सुबह से पुलिस विभाग एवं अधिकारियों की उपस्थिती में ग्राम चिखलामाली के गोताखोरो एवं एसडीएआरएफ दल के द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। एसडीआरएफ टीम के साथ साथ चिखलामाली के गोताखोर जिनमें सुखदेव टेकाम, सोमेश्वर पन्द्रे, बलिराम पालेवार इन्होने कड़ी मेहनत कर लगातार पानी में उतरकर शव की तलाश की तथा लगभग 10÷45 बजे मृत युवक प्रवीण के शव का रेस्क्यू कर पानी से बाहर निकाला गया। शव निकालने के बाद लांजी पुलिस के द्वारा मर्ग पंचनामा कार्यवाही कर शव को सिविल अस्पताल लांजी भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस दौरान ग्राम के सरपंच ओंकार रहांगडाले, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे जिनके द्वारा भी सहयोग एवं मार्गदर्शन किया गया।

घर का इकलौता सहारा था प्रवीण

बतादे कि 22 वर्षीय प्रवीण अपने मॉं पिताजी का इकलौता पुत्र था, एक बहन है जिनका विवाह हो चुका है। परिवार का सहारा था प्रवीण जिसकी मौत के पश्चात परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हैं। प्रवीण के जाने से मोहझरी सहित आसपास के गांवों में शोक का माहौल छा गया है। प्रवीण के जाने से पुरा परिवार टूटकर बिखर गया है। ग्रामीण जनों ने नम आंखो से प्रवीण को विदाई देते हुये मृत आत्मा के शांति के लिये ईश्वर से प्रार्थना की है। वहीं सावरीघाट मे दोबारा इस प्रकार की घटनाऐ ना घटित हो इस हेतु स्थानीय लोगो ने प्रशासन से आग्रह किया है कि सावरी घाट में गहरे पानी वाले हिस्से पर चेतावनी बोर्ड लगाने और पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की मांग कर रहे हैं, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न दोहराई जाएं।

आज विश्व पर्यावरण दिवस पर व्यापक वृक्षारोपण

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर लांजी क्षेत्र में आज बड़े स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पर्यावरण संरक्षण और हरित आंदोलन को बल देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सेवा भारती, एकल संच अभियान तथा महावीर इंटरनेशनल के सदस्य विभिन्न गांवों में पहुंच कर पौधे लगाएंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयं सेवकों द्वारा सुबह 7 बजे सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में पौधरोपण करेंगे, वहीं एकल संच अभियान व महावीर इंटरनेशनल के द्वारा लांजी क्षेत्र के सुलसुली, घोटी और पौसेरा गांवों में पहुंच कर वृक्षारोपण अभियान शुरू किया जाएगा। जिसमें नीम, पीपल, आम, शीशम, बांस और फलदार वृक्षों के पौधे लगाए जाएंगे। विशेष रूप से स्कूल परिसर, सार्वजनिक स्थानों और नालों के किनारे रोपण पर जोर रहेगा।

नगरीय निकायों एवं पंचायतों की मतदाता सूची में नाम जोड़ने- काटने के लिये पहली बार ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

8317 आवेदकों ने किया ऑनलाइन आवेदन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव ने बताया है कि प्रदेश में पहली बार नगरीय निकायों एवं त्रि-स्तरीय पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के पुनरीक्षण के दौरान मतदाताओं को नाम जोड़ने, कटवाने और नाम संशोधन के लिये ऑनलाइन सुविधा दी गयी। इस सुविधा का लाभ लेते हुए कुल 8317 आवेदकों ने ऑनलाइन आवेदन किया। इनमें से नगरीय निकायों में 1496 और पंचायतों में 6848 ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुए। नगरीय निकायों में 675 ऑनलाइन आवेदन नाम जोड़ने, 770 नाम कटवाने और 24 आवेदन नाम में संशोधन के लिये प्राप्त हुए हैं। वहीं त्रि-स्तरीय पंचायतों में 1701 आवेदन नाम जुड़वाने, 4960 नाम कटवाने और 187 आवेदन नाम में संशोधन के लिये प्राप्त हुए हैं। इन सभी आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

खराब खाने से हर साल होती हैं 15 लाख मौतें

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की चौंकाने वाली रिपोर्ट

नई दिल्ली। कई बार हम खराब और अनहाइजेनिक खाना खा लेते हैं। लेकिन यह हमारी सेहत के लिए खासा नुकसानदेह साबित हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की ओर से गुरुवार को जारी नए अनुमानों के मुताबिक खराब खाने की वजह से हर 86 करोड़ लोग बीमार पड़ जाते हैं और इनमें से हालत बिगड़ने पर 15 लाख से अधिक मौत की मुंह में चले जाते हैं। छोटे बच्चों को लेकर ये आंकड़े सचेत करते हुए बताते हैं, 5 साल से कम उम्र के बच्चों को बड़े बच्चों और बड़े लोगों के मुकाबले खराब खाने से बीमार होने का खतरा करीब तीन गुना अधिक होता है।

दुनिया की आबादी का महज 9 फीसदी होने के बाद भी छोटे बच्चे खाने से होने वाली बीमारियों के करीब एक तिहाई मामलों से परेशान रहते हैं, खासकर डायरिया से जुड़ी बीमारियां जो इस कम उम्र के ग्रुप के लिए बहुत ही जानलेवा साबित हो सकती हैं। साथ ही, खाने में मिथाइल मरकरी और लेड जैसे केमिकल के संपर्क में आने से उनके दिमाग को नुकसान भी पहुंचा सकता है और बच्चों में जिंदगी भर न्यूरोलॉजिकल और डेवलपमेंट से जुड़ी समस्याएं बनी रह सकती हैं।

बीमारी को फैलने से रोकने के उपाय

इस वैश्विक ऑर्गनाइजेशन का अनुमान है कि खराब खाने से हर साल करीब 86 करोड़ से अधिक लोग बीमार हो जाते हैं जबकि 15 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। जबकि इन मौतों में से कई को स्वच्छ पानी, साफ-सफाई और हाइजीन, पाश्चराइज्ड किए फूड सेफ्टी के तरीकों को अपनाने और गरीब लोगों को हेल्थ केयर सेंटर तक पहुंचने जैसे कई उपायों के जरिए रोका जा सकता है। हालांकि साल 2000 के बाद से खाने से होने वाली बीमारियों और समस्याओं का कुल बोझ कम हुआ है, फिर भी इसमें क्षेत्रीय असंतुलन की स्थिति बनी हुई है, जिनमें सबसे अधिक बोझ अफ्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया में बना हुआ है।

खाने में बैक्टीरिया और वायरस के साथ-साथ पैरासाइटिक इन्फेक्शन समेत बायोलॉजिकल खतरों के संपर्क में आने से ज्यादातर खाने से होने वाली बीमारियां हुईं (2021 में करीब 86 करोड़), जबकि केमिकल के संपर्क में आने से अधिक मौतें हुईं। साल 2021 में, दूषित खाने से होने वाली मौतों में केमिकल खतरों की वजह से करीब 73 प्रतिशत मौतें हुईं। इनमें से अधिकतर केमिकल से जुड़ी मौतें इनऑर्गेनिक आर्सेनिक (42 प्रतिशत) और लेड (31 प्रतिशत) से जुड़ी हुई थीं, क्योंकि इनसे दिल की बीमारी और कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। सेहत पर पड़ने वाले असर के अलावा, अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि 2021 में खाने से होने वाली बीमारियों की वजह से प्रोडक्टिविटी में करीब 310 बिलियन अमेरिकी डॉलर (2,96,88,00,25,00,000 रुपये) का नुकसान हुआ (बीमारी की वजह से काम से दूर रहना)। जब देशों के बीच रहने-सहने के खर्च में अंतर के लिए आर्थिक असर को एडजस्ट किया गया, तो प्रोडक्टिविटी में नुकसान का अनुमान बढ़कर 647 बिलियन अमेरिकी डॉलर (6,19,55,26,42,50,000 रुपये) हो गया।

रोड ओव्हर ब्रिज के कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा

भटेरा रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य में गति लाने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 04 जून को रेल्वे, सेतु निर्माण विभाग, लोक निर्माण विभाग एवं यातायात थाना के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले के विभिन्न स्थानों पर बन रहे रोड ओव्हर ब्रिज के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम गोपाल सोनी भी उपस्थित थे।

डायवर्सन रोड की लेवल क्रासिंग का कार्य पूर्ण होते ही भटेरा रोड से आवागमन बंद होगा

बैठक में सर्वप्रथम भटेरा रोड पर बनने वाले रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य की समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि रेल्वे द्वारा डायवर्सन मार्ग पर लेवल क्रासिंग का कार्य पूर्ण नहीं करने के कारण भटेरा मेन रोड से आवागमन बंद नहीं किया जा रहा है। इस लेवल क्रासिंग पर सिविल वर्क पूर्ण कर लिया गया है लेकिन रेलवे द्वारा इलेक्ट्रिक एवं सिग्नल का कार्य पूर्ण नहीं किया गया है। कलेक्टर श्री मीना ने इस स्थिति पर नाराजगी जाहिर की और रेलवे के इलेक्ट्रीकल विभाग से डायवर्सन रोड की लेवल क्रासिंग का कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिये। एक सप्ताह के भीतर यह कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए। भटेरा रोड के ओव्हर ब्रिज निर्माण कार्य में गति नहीं लाने के लिए उसके ठेकेदार पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिये गये। मुख्य नगर पालिका अधिकारी को भटेरा रोड पर पानी की निकासी के लिए बनाई गई ना?ली को गलियों वाले स्थानों पर ऊपर से ढकने एवं आवागमन लायक बनाने के निर्देश दिये गये।

बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे के मकान के सामने से दिया गया है डायवर्सन रोड

बैठक में बताया गया कि भटेरा रोड ओव्हर ब्रिज के निर्माण के लिए बैहर रोड पर डॉ शिशिर खरे के मकान के सामने से डायवर्सन रोड दिया गया है। इस डायवर्सन रोड से दो पहिया एवं हल्के चार पहिया वाहन आवागमन कर सकेंगें। यह डायवर्सन मार्ग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना की सेंट मेरी स्कूल-बोदा-आंवलाझरी सडक पर मिलता है। लामता-समनापुर से बालाघाट की ओर आने वाले बड़े एवं भारी वाहनों को कुम्हारी से धपेरा-मोहगांव होते हुए या कुम्हारी से पाथरवाड़ा-जागपुर-आंवलाझरी होते हुए मुख्य सड़क पर पहुंचना होगा। लामता-समनापुर की ओर से आने वाली बसों के लिए महर्षि स्कूल के सामने अस्थायी बस स्टैंड बनाया गया है। रेलवे द्वारा डायवर्सन रोड की लेवल क्रासिंग का कार्य पूर्ण करते ही बालाघाट बस स्टैंड से भटेरा रोड पर यातायात बंद कर दिया जायेगा और रोड ओव्हर ब्रिज के कार्य को गति प्रदान की जायेगी।

सरेखा ओव्हर ब्रिज की सर्विस रोड पर हाईट बेरियर लगाने के निर्देश

सरेखा रोड ओव्हर ब्रिज के कार्यों की समीक्षा के दौरान सेतु निर्माण संभाग के अधिकारी द्वारा बताया गया कि ब्रिज के नीचे की सर्विस रोड से पेट्रोल पंप के सामने से बड़े वाहनों के गुजरने के कारण ब्रिज के गर्डर को क्षति पहुंच रही है। ब्रिज के नीचे दुकाने एवं ठेले लगाये जा रहे है। इस पर सेतु संभाग के अधिकारी को सर्विस रोड पर बड़े एवं भारी वाहनों को जाने से रोकने के लिए हाईट बेरियर लगाने के निर्देश दिये गये। बालाघाट के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वे ब्रिज के नीचे लगने वाली दुकानों एवं ठेलों को हटाने की कार्यवाही करें और उन्हें उचित स्थलों पर लगवाना सुनिश्चित करें।

शेरपार ओव्हरब्रिज में गर्डर लांचिंग का कार्य शीघ्र करने के निर्देश

बैठक में बताया गया कि वारासिवनी एवं अगासी में रोड ओव्हर ब्रिज का कार्य पूर्ण हो गया है और इनसे आवागमन शुरू हो चुका है। शेरपार लेवल क्रासिंग पर बने रोड ओव्हर ब्रिज में गर्डर लांचिंग का कार्य शेष रह गया है। जून माह के अंत तक गर्डर कार्य स्थल पर पहुंचने की संभावना है।

जागपुर घाट के ब्रिज पर वर्षा के पूर्व गर्डर लांचिंग के निर्देश

वैनगंगा नदी पर जागपुर घाट पर बने ब्रिज के कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस ब्रिज के लिए 36 गर्डर बनकर तैयार हो गये हैं और गर्डर लांचिंग का कार्य जून माह में पूर्ण कर लिया जायेगा। गर्डर लांचिंग के बाद ब्रिज पर स्लैब का कार्य वर्षा के दिनों में भी चलता रहेगा। अक्टूबर 2026 तक जागपुर घाट के इस ब्रिज के पूर्ण होने की संभावना है। कलेक्टर श्री मीना ने इस ब्रिज के ठेकेदार को निर्देशित किया कि वे इस ब्रिज के गर्डर लांचिंग का कार्य जून में अनिवार्य रूप से पूर्ण करायें। यदि गर्डर बारिश में क्षतिग्रस्त होंगे तो ठेकेदार पर एफआईआर दर्ज करायी जाएगी और उसकी मशीने जब्त कर ली जाएगी। गर्डर के क्षतिग्रस्त होने पर ठेकेदार को जिम्मेदार माना जाएगा। अतः वर्षा प्रारंभ होने के पूर्व गर्डर लांचिंग का कार्य पूर्ण कर ले।

बैठक में सेतु निर्माण संभाग के एसडीओ श्री अर्जुन सनोडिया, लोकनिर्माण विभाग इलेक्ट्रीकल एवं मेकेनिकल संभाग के एसडीओ दिलीप बोहरे, रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर श्री नीतिश सिंह, मस्के, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश उके, यातायात थाना प्रभारी सुश्री यीना रहांगडाले उपस्थित थी।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आंधी-तूफान का कहर : 39 जिलों में आईएमडी अलर्ट

मध्य प्रदेश में 20 से 22 जून तक पहुंचेगा मानसून

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून पूर्व की गतिविधियां पूरी तरह से सक्रिय हैं, इसकारण मौसम विभाग ने 5 जून 2026 को राज्य के 39 जिलों में आंधी-तूफान, गरज-चमक और तेज बारिश का ऑरेंज-येलो अलर्ट जारी किया है। कई स्थानों पर ओले गिरने और 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। बुधवार को श्योपुर में आंधी के दौरान पेड़ गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए, जिसने मौसम के खतरनाक पहलू को उजागर किया है।

भीषण लू और नौतपा के बाद प्रदेशभर में हुई बारिश से तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है। हालांकि, आईएमडी ने चेतावनी दी है कि यह मौसम एक साथ राहत और आफत दोनों लेकर आ रहा है। उत्तर भारत में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और चक्रवाती हवाओं के घेरे के कारण पश्चिमी और पूर्वी दोनों हिस्सों में थंडरस्टॉर्म की गतिविधियां बढ़ गई हैं। उज्जैन, ग्वालियर, सागर और चंबल संभाग में विशेष रूप से ओलावृष्टि की आशंका है, वहीं राजधानी भोपाल में भी सुबह से बादल छाए हुए हैं और हल्की बूंदाबांदी जारी है।

मौसम विभाग ने मुरैना, श्योपुर, छतरपुर, टीकमगढ़ और नीमच जैसे जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जहां वज्रपात, ओलावृष्टि और 60 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। इसके अलावा, भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, रतलाम, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और छिंदवाड़ा सहित कुल 39 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी है, जिसमें लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। किसानों को खरीफ फसलों की तैयारी में मदद मिलने की उम्मीद है, लेकिन तेज हवाओं और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान का खतरा भी बना हुआ है। पशुपालकों को भी अपने पशुओं को सुरक्षित स्थानों पर रखने को कहा गया है। आईएमडी के अनुसार, मुख्य मानसून की एंट्री मध्य प्रदेश में 20 से 22 जून के आसपास होने की उम्मीद है। मौजूदा मौसम की स्थिति को देखकर प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को आपात स्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है।

एक ही दिन दो परीक्षाएं होने से हजारों अभ्यर्थी परेशान

- कर्मचारी चयन बोर्ड पर भविष्य से खिलवाड़ का आरोप

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड एक बार फिर विवादों के घेरे में है। इस बार बोर्ड पर छात्र-छात्राओं के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगा है। दरअसल, बोर्ड ने आगामी 6 जून को उन परीक्षाओं की तारीख तय कर दी है, जिस दिन पहले से ही एक अन्य राष्ट्रीय स्तर की बड़ी परीक्षा निर्धारित है। एक ही दिन दो महत्वपूर्ण परीक्षाएं होने के कारण हजारों अभ्यर्थियों के सामने 'धर्मसंकट' खड़ा हो गया है और वे परेशान हो रहे हैं।

पूरा मामला मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड और नेशनल एंट्रेंस

स्क्रीनिंग टेस्ट की परीक्षाओं से जुड़ा है। ये दोनों ही परीक्षाएं आगामी 6 जून को आयोजित होने जा रही हैं। एक ही दिन और एक ही समय पर दो अलग-अलग परीक्षाओं का शेड्यूल होने के कारण छात्र यह तय नहीं पा रहे हैं कि वे कौन सी परीक्षा देने जाएं और कौन सी छोड़ें। छात्रों का आरोप है कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले नेशनल इंस्टीट्यूट स्क्रीनिंग टेस्ट ने अपनी परीक्षा की तारीख दिसंबर 2025 में ही सार्वजनिक कर दी थी। इसके बावजूद, मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड ने लापरवाही बरतते हुए जानबूझकर 6 जून को ही अपनी परीक्षाओं की तारीख भी घोषित कर दी। बोर्ड के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण छात्रों में भारी आक्रोश है। इस विसंगति को लेकर जबलपुर की एक छात्रा ने मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड को एक पत्र भेजकर परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने की मांग की है। पत्र में मुख्य रूप से वनरक्षक, जेल प्रहरी और क्षेत्र रक्षक भर्ती परीक्षा की तारीखों में बदलाव करने का आग्रह किया गया है, ताकि छात्र दोनों परीक्षाओं में शामिल हो सकें।

एक परीक्षा चुनने के लिए विवश हो रहे छात्र

मध्य प्रदेश के हजारों छात्र-छात्राओं ने इन दोनों ही परीक्षाओं के लिए लंबे समय से कड़ी तैयारी की है। दोनों परीक्षाओं का अपना अलग महत्व है, लेकिन तारीखों के टकराव के चलते अब छात्र किसी एक परीक्षा को चुनने और दूसरी को छोड़ने के लिए मजबूर हो रहे हैं। छात्रों का कहना है कि उनकी महीनों की मेहनत और पैसे दोनों बर्बाद होने की कगार पर हैं। अब प्रदेश के युवाओं ने मुख्यमंत्री और बोर्ड के उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई है कि मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन बोर्ड की परीक्षा की तारीख को आगे बढ़ाया जाए, ताकि किसी भी युवा का भविष्य प्रभावित न हो।

उच्च शिक्षा में बड़ा बदलाव : नए सत्र से डिजिटल मूल्यांकन

भोपाल। मध्य प्रदेश का उच्च शिक्षा विभाग आगामी शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालयों और उनसे संबद्ध महाविद्यालयों की शिक्षा एवं परीक्षा प्रणाली में व्यापक बदलाव करने जा रहा है। लगभग चार दशक बाद उच्च शिक्षा व्यवस्था में किए जा रहे इन सुधारों को राज्य सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। नई व्यवस्था के तहत उत्तर पुस्तिकाओं का शत-प्रतिशत डिजिटल मूल्यांकन, एआई आधारित शिक्षण, ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली तथा विद्यार्थियों की डिजिटल शैक्षणिक पहचान जैसे प्रावधान लागू किए जाएंगे। प्रदेश के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अध्ययनरत लाखों विद्यार्थियों को नई व्यवस्था का लाभ मिलेगा। उच्च शिक्षा विभाग का मानना है कि इन बदलावों से शिक्षा प्रणाली अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और छात्र-केंद्रित बनेगी।

वर्तमान में लागू मूल्यांकन प्रणाली में 30 प्रतिशत अंक आंतरिक मूल्यांकन और 70 प्रतिशत अंक लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित हैं। विभाग इस अनुपात को बदलकर 40:60 करने पर विचार कर रहा है। इसके तहत आंतरिक मूल्यांकन को अधिक महत्व मिलेगा, जिससे विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई, प्रोजेक्ट कार्य, प्रेजेंटेशन, सेमीनार और कक्षा में सहभागिता को बढ़ावा मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे विद्यार्थियों को केवल वार्षिक परीक्षा पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और उनकी समग्र शैक्षणिक क्षमता का बेहतर आकलन संभव होगा। नई व्यवस्था के तहत सभी उत्तर पुस्तिकाओं का शत-प्रतिशत डिजिटल मूल्यांकन किया जाएगा। इससे मूल्यांकन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और विश्वसनीय बनेगी। साथ ही परिणाम घोषित होने में लगने वाला समय कम होगा तथा मूल्यांकन संबंधी शिकायतों में भी कमी आने की संभावना है।

एआई आधारित शिक्षा पर विशेष जोर

उच्च शिक्षा विभाग ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को भविष्य की शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 67 पीएमश्री महाविद्यालयों में इस वर्ष से एआई आधारित सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को एआई टूल्स के जिम्मेदार, नैतिक और रचनात्मक उपयोग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विद्यार्थियों की बनेगी अपार आईडी

स्कूल शिक्षा की तर्ज पर अब महाविद्यालयों में भी विद्यार्थियों की अपार आईडी तैयार की जाएगी। इसके माध्यम से छात्र का संपूर्ण शैक्षणिक रिकॉर्ड एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगा। प्रवेश, अंकसूची, प्रमाण-पत्र तथा अन्य शैक्षणिक प्रक्रियाएं इससे अधिक सरल और पारदर्शी बन सकेंगी।

विभाग विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने के लिए सार्थक ऐप आधारित प्रणाली को अनिवार्य बनाने जा रहा है। इससे कॉलेजों में उपस्थिति की निगरानी आसान होगी और विद्यार्थियों की नियमित कक्षाओं में भागीदारी सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

विशेषज्ञों ने बताया छात्रहित में कदम

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. शशांक शेखर के अनुसार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे बदलाव कौशल विकास और छात्र हित की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। उनका कहना है कि नई व्यवस्था में सैद्धांतिक अध्ययन के साथ-साथ व्यावहारिक कार्यों को भी पर्याप्त महत्व मिलेगा। इटारसी गर्ल्स कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. संजय आर्य का मानना है कि आंतरिक मूल्यांकन के बढ़े हुए महत्व से विद्यार्थियों की रुचि प्रोजेक्ट वर्क, प्रेजेंटेशन और सेमीनार जैसी गतिविधियों में बढ़ेगी, जिससे उनके व्यक्तित्व और कौशल का बेहतर विकास होगा।

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि एआई आधारित शिक्षा केवल प्रशासनिक सुधार का माध्यम नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को वैश्विक अवसरों से जोड़ने का सशक्त साधन भी है। विभाग का लक्ष्य विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम बनाना है, ताकि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, गुणवत्ता और दक्षता सुनिश्चित की जा सके। वहीं बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. एस.के. जैन ने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप किए जा रहे ये सुधार विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य और रोजगारोन्मुखी शिक्षा के लिए आवश्यक हैं।

सरकार का बखान करने सांसद से लेकर कार्यकर्ता जाएंगे प्रबुद्धजनों के बीच

मोदी सरकार के 12 साल...आज से शुरू होगा भाजपा का अभियान

भोपाल। मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा शहरभर में जहां व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाएगी, वहीं सांसद से लेकर कार्यकर्ता प्रबुद्धजनों के बीच जाकर भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताएंगे।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष जनसंपर्क अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड से 25-25 बुद्धिजीवियों का चयन कर उनसे संपर्क किया जाएगा। कार्यकर्ता उन्हें केंद्र सरकार की उपलब्धियों, विकास कार्यों और विकसित भारत के संकल्प से अवगत कराएंगे तथा सम्मेलनों में शामिल होने का निमंत्रण देंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता को कम से कम पांच बुद्धिजीवियों से संपर्क करने का लक्ष्य दिया गया है और इसकी जानकारी संगठन एप पर अपलोड की जाएगी। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी।

मंडलों में होगा पौधारोपण

विश्व पर्यावरण दिवस पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून को शहर के सभी मंडलों में एक साथ पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे 'एक पौधा मां के नाम' अभियान के तहत होने वाले इस आयोजन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायकों के साथ नगर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की भी सक्रिय भागीदारी रहेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। पार्टी ने निर्णय लिया है कि पौधारोपण केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं होगा, बल्कि लगाए गए पौधों के संरक्षण और पालन-पोषण की जिम्मेदारी भी संबंधित मंडलों को सौंपी जाएगी। अभी सांकेतिक रूप से पौधारोपण किया जाएगा, जबकि मानसून के आगमन के बाद बड़े स्तर पर वृहद पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा, जिससे पौधों के विकसित होने की संभावना अधिक रहे।

अब सोशल मीडिया पर भाजपा को टक्कर देगी कांग्रेस

- यूट्यूबर, ब्लॉगर और कंटेंट क्रिएटर्स को मिलेगा मौका, 15 जून तक कर सकेंगे आवेदन

भोपाल । भाजपा के सोशल मीडिया प्रभाव का मुकाबला करने के लिए कांग्रेस ने अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपनी मौजूदगी मजबूत करने की रणनीति तैयार की है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर प्रदेशभर में सोशल मीडिया वॉरियर्स अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत ऐसे युवाओं की तलाश की जा रही है, जिनकी सोशल मीडिया पर अच्छी पकड़ हो और जो बड़ी संख्या में लोगों तक अपनी पहुंच रखते हों।

अभियान के तहत यूट्यूबर, ब्लॉगर, कंटेंट राइटर, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और डिजिटल क्रिएटर के रूप में सक्रिय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। कांग्रेस का उद्देश्य ऐसे लोगों को संगठन से जोड़ना है, जो डिजिटल माध्यमों के जरिए बड़ी संख्या में लोगों तक अपनी बात प्रभावी तरीके से पहुंचा सकें। कांग्रेस का कहना है कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया जनमत निर्माण का सबसे प्रभावी माध्यम बन चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सोशल मीडिया के जरिए जनता के सामने भ्रामक जानकारी प्रस्तुत कर रही है। ऐसे में कांग्रेस जनहित और जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों को लोगों तक पहुंचाने के लिए एक मजबूत डिजिटल टीम तैयार कर रही है।

संगठन की विचारधारा से जोड़े जाएंगे चयनित युवा

उन्होंने बताया कि चयनित युवाओं को कांग्रेस के सोशल मीडिया विभाग से जोड़ा जाएगा। उन्हें संगठन की विचारधारा, जनहित से जुड़े मुद्दों और डिजिटल प्रचार अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाने का अवसर दिया जाएगा। इसके माध्यम से पार्टी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी पहुंच और प्रभाव को बढ़ाना चाहती है।

15 जून तक कर सकेंगे आवेदन

सोशल मीडिया वॉरियर्स अभियान के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इच्छुक युवा 15 जून 2026 तक ऑनलाइन गूगल फॉर्म के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। कांग्रेस संगठन ने अधिक से अधिक युवाओं से इस अभियान में भाग लेने की अपील की है। अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों की स्क्रीनिंग 15 से 19 जून तक की जाएगी। इसके बाद 20 से 23 जून के बीच जिला कांग्रेस अध्यक्ष और सोशल मीडिया विभाग के प्रभारी आवेदकों के साक्षात्कार लेंगे। इसके बाद 24 से 28 जून तक अंतिम स्क्रीनिंग प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 30 जून 2026 को चयनित सोशल मीडिया वॉरियर्स की अंतिम सूची जारी की जाएगी।

युवाओं से अधिक भागीदारी की अपील

यह कांग्रेस से जुड़ने का एक अच्छा अवसर है। किसी भी वर्ग, समाज या धर्म का युवा अपनी प्रतिभा और सोशल मीडिया कौशल के आधार पर इस अभियान का हिस्सा बन सकता है। प्रदेश के युवाओं, विद्यार्थियों, कंटेंट क्रिएटर्स, ब्लॉगर और सोशल मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों से अधिक से अधिक संख्या में आवेदन करने की अपील की है।

कूनो नेशनल पार्क आएंगी राष्ट्रपति

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क और यहां चल रहे 'चीता प्रोजेक्ट' को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर बड़ा मंच मिलने जा रहा है। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगामी 21 जून को कूनो नेशनल पार्क का दौरा प्रस्तावित है। राष्ट्रपति के इस बेहद खास और गरिमामयी दौरे को लेकर वन विभाग और स्थानीय जिला प्रशासन ने युद्ध स्तर पर तैयारियां और सुरक्षा व्यवस्थाएं शुरू कर दी हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने मध्य प्रदेश दौरे के दौरान 21 जून को कूनो नेशनल पार्क पहुंचेंगी। संभावना जताई जा रही है कि वे 21 जून की रात कूनो में ही विश्राम करेंगी। इसके बाद, अगले दिन यानी 22 जून को वे कूनो नेशनल पार्क का भ्रमण करेंगी और वहां आयोजित मुख्य कार्यक्रमों में शामिल होंगी। कूनो में राष्ट्रपति का मुख्य कार्यक्रम करीब 45 मिनट का प्रस्तावित है। इस दौरे का सबसे बड़ा आकर्षण चीतों की रिलीज को माना जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, बोत्सवाना से लाए गए शेष चीतों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों कूनो के बड़े बाड़े या खुले जंगल में रिलीज कराए जाने की पूरी संभावना है। कूनो प्रबंधन और प्रशासन ने चीतों की इस रिलीजिंग को लेकर विशेष तैयारियां तेज कर दी हैं।

सुरक्षा और व्यवस्थाएं हुई चाक-चौबंद

महामहिम राष्ट्रपति के आगमन की सुगबुगाहट के साथ ही कूनो नेशनल पार्क और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था बेहद सख्त कर दी गई है।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम अब होगा वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय

भोपाल। भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने का प्रस्ताव कार्यपरिषद (ईसी) की बैठक में पारित कर दिया गया है। अब इस प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए राज्य शासन के पास भेजा जाएगा। बैठक में राजा भोज के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक योगदान का उल्लेख करते हुए उनके नाम पर विश्वविद्यालय का नामकरण उचित बताया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि नाम परिवर्तन से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलेगी। साथ ही अरबी और फारसी विभागों को भाषा एवं संस्कृति विभाग में विलय करने का निर्णय भी लिया गया है।

राजा भोज बनाम मौलाना बरकतउल्ला पर बंटे विचार

भोपाल । राजधानी भोपाल में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय करने के प्रस्ताव आने के बाद नई बहस छिड़ गई है। प्रस्ताव में कहा गया है की राजा भोज का योगदान क्षेत्र के लिए बड़ा है, जबकि बरकतउल्ला भोपाली का सिर्फ भोपाल निवासी होना ही जुड़ाव है। इसी तर्क के आधार पर कार्य परिषद की बैठक में न बदलने का फैसला हुआ। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के नाम परिवर्तन का प्रस्ताव चर्चा में है। नया नाम वाग्देवी भोजपाल विश्वविद्यालय सुझाया गया है प्रस्ताव में राजा भोज के योगदान गिनाए गए हैं। दावा है कि उन्होंने 80 ग्रंथ लिखे, जिनमें 27 आज भी उपलब्ध हैं। धार को ज्ञान का केंद्र बनाया और भोजशाला यानी सरस्वती मंदिर की स्थापना की, भोजताल और भोजपुर भी उनसे जुड़े हैं। कार्य परिषद की बैठक में रखे गए प्रस्ताव में मौलाना बरकतउल्ला भोपाली और राजा भोज की तुलना की गई है। लिखा गया की भोपाल में बरकतउल्ला के क्षेत्र के लिए योगदान नजर नहीं आते। बरकतउल्ला भोपाली गदर आंदोलन से जुड़े क्रांतिकारी थे। उन्होंने विदेश में रहकर ब्रिटिश शासन के खिलाफ अभियान चलाया और आजादी की लड़ाई को वैश्विक समर्थन दिलाया।

लोक सेवा गारंटी से हटाई गई 14 सेवाएं

-अब जॉब कार्ड की मांग, बेरोजगारी भता, लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत नहीं मिलेंगी

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत मिलने वाली कई सेवाओं के स्वरूप में बड़ा बदलाव किया गया है। विभिन्न योजनाओं में संशोधन तथा विभागों द्वारा ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराए जाने के कारण पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की 14 सेवाओं को लोक सेवा गारंटी के दायरे से बाहर कर डीनोटिफाई कर दिया गया है।

लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार दोनों विभागों की सात-सात सेवाओं को गारंटी अधिनियम से हटाया गया है। इनमें मनरेगा से संबंधित जॉब कार्ड की मांग, रोजगार की मांग, बेरोजगारी भत्ता तथा मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना के पंजीयन जैसी सेवाएं शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार योजनाओं के संचालन के तरीके में बदलाव और ऑनलाइन प्रक्रिया लागू होने के कारण इन सेवाओं को लोक सेवा गारंटी से हटाया गया है। हालांकि संबंधित विभागों द्वारा सेवाएं उपलब्ध कराई जाती रहेंगी।

ये सेवाएं हटाई गई

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की जो सेवाएं हटाई गई हैं उनमें मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना (ग्रामीण क्षेत्र) के अंतर्गत भुगतान, मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना (ग्रामीण क्षेत्र) के अंतर्गत भुगतान, जॉब कार्ड की मांग, मनरेगा के तहत रोजगार की मांग, रोजगार उपलब्ध नहीं होने पर बेरोजगारी भत्ता, मस्टर रोल के अनुसार मजदूरी भुगतान आदेश जारी करना और ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अंतर्गत लोक प्रयोजन के लिए सड़क काटने की सशर्त अनुमति शामिल हैं। वहीं सामाजिक न्याय विभाग की जो सेवाएं हटाई गई हैं उनमें मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में पंजीयन एवं लाभ प्राप्ति, मुख्यमंत्री निकाह योजना में पंजीयन, मुख्यमंत्री मजदूर सुरक्षा योजना के अंतर्गत विभिन्न सहायता प्रकरण, मजदूर सुरक्षा योजना में पंजीयन, मजदूर सुरक्षा योजना के पंजीयन का नवीनीकरण, वृद्धाश्रमों एवं संबंधित संस्थाओं के लिए अनुदान प्रस्तावों की अनुशंसा और वृद्धाश्रम संचालन एवं अनुरक्षण के लिए अनुदान संबंधी प्रस्तावों की जिला स्तर पर अनुशंसा शामिल हैं।

अब भी 729 सेवाएं गारंटी के दायरे में

लोक सेवा प्रबंधन विभाग के अनुसार वर्तमान में लगभग 729 सेवाएं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत संचालित हैं। विभिन्न विभागों की केवल 48 सेवाएं ऐसी हैं जो अभी इस व्यवस्था में शामिल नहीं हैं। विभाग ने संबंधित विभागों से कहा है कि यदि कोई सेवा अब प्रासंगिक नहीं है तो उसे औपचारिक रूप से डीनोटिफाई कराया जाए। वहीं जिन सेवाओं की आवश्यकता बनी हुई है, उनके लिए ऑनलाइन एवं समयबद्ध सेवा वितरण की व्यवस्था विकसित की जाए।

समय सीमा में सेवा नहीं देने पर कार्रवाई

मध्य प्रदेश में नागरिकों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2010 में लोक सेवा गारंटी अधिनियम लागू किया गया था। इसके तहत प्रत्येक सेवा के लिए निर्धारित समय सीमा तय की गई है। यदि तय अवधि में सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती है तो संबंधित अधिकारी पर आर्थिक दंड लगाया जा सकता है। सरकार का उद्देश्य अधिकतम सेवाओं को ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराना है, ताकि नागरिकों को प्रमाण-पत्र, अनुमतियां और अन्य सरकारी कार्यों के लिए कार्यालयों के बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। लोक सेवा प्रबंधन विभाग के अपर सचिव अरुण परमार के अनुसार लोक सेवा गारंटी के दायरे से बाहर सेवाओं की समीक्षा की जा रही है और विभागों को उन्हें ऑनलाइन एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्यप्रदेश में और मजबूत होंगी सड़क संरचनाएं

कैबिनेट ने हिवारखेड़ी-रोशनी-आशापुर-रुधी खंड की मौजूदा मध्यवर्ती लेन को अपग्रेड करने की दी मंजूरी

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों पर केंद्रीय मंत्रिमंडलीय समिति ने मध्यप्रदेश के निमाड़ - अंचल को महत्वपूर्ण सौगात दी है। मध्यप्रदेश में एनएच-347बी के हिवारखेड़ी-रोशनी-आशापुर-रुधी खंड (125.01 किमी) की मौजूदा मध्यवर्ती लेन को पक्की शोल्डर मानक वाली टू लेन में अपग्रेड करने और देशगांव-जुलवानिया खंड (108.643 किमी) की मौजूदा टू लेन को फोर लेन में चौड़ा करने को हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर मंजूरी दे दी है। इस पर 4,415.60 करोड़ रुपये की लागत आएगी। जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. विजय कुंवर शाह ने उनके विधानसभा क्षेत्र और निमाड़ - अंचल की सड़कों के उन्नयन के लिये प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में आधारभूत संरचनाओं में निरंतर वृद्धि हो रही हे।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में एनएच-347बी के हिवारखेड़ी-रोशनी-आशापुर-रुधी और देशगांव-जुलवानिया खंड के प्रस्तावित उन्नयन से बेतूल, खंडवा, खरगोन और बड़वानी जिलों के शहरी क्षेत्रों में मौजूद गंभीर ज्यामितीय खामियों, तिरछे मोड़ों और भीड़भाड़ की समस्या का समाधान होगा। इस परियोजना के अंतर्गत खरगोन जिले के लिए 16.20 किलोमीटर लंबा एक विस्तारित ग्रीनफील्ड बाईपास विकसित किया जाएगा। इस परियोजना से औसत यात्रा गति बढ़ेगी, यात्रा का समय कम होगा और सड़क सुरक्षा, ईंधन दक्षता और वाहन परिचालन लागत में सुधार होगा, जिससे क्षेत्रीय गतिशीलता और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

यह परियोजना मध्यप्रदेश के प्रमुख आर्थिक, सामाजिक और लॉजिस्टिक्स केंद्रों को निर्बाध रूप से जोड़ेगी। उन्नत कॉरिडोर 6 पीएम गति-शक्ति आर्थिक केंद्रों (1 कपड़ा क्लस्टर, 2 मेगा फूड पार्क, 1 औद्योगिक पार्क, 2 सुपर थर्मल पावर प्लांट), 5 सामाजिक केंद्रों (2 आकांक्षी जिले - खंडवा और बड़वानी, 3 आदिवासी जिले - बैतूल, खंडवा, खरगोन) और 5 लॉजिस्टिक्स केंद्रों (2 प्रमुख रेलवे स्टेशन, 2 हवाई अड्डे, 1 एमएमएलपी) से जुड़कर बहु-मोडल एकीकरण को बढ़ावा देगा, जिससे पूरे क्षेत्र में माल और यात्रियों की आवाजाही तेज हो सकेगी।

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पहले एकदिवसीय में 41 रनों से हराया

मेंडिस, निसांका और चमीरा का शानदार प्रदर्शन

जमैका । कप्तान कुसल मेंडिस और सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका की शानदार बल्लेबाजी के बाद दुष्मंता चमीरा की घातक गेंदबाजी की सहायता से श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को पहले एकदिवसीय सीरीज में 41 रनों से हरा दिया। इसी के साथ ही श्रीलंकाई टीम ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंकाई टीम ने मेंडिस और निसांका के अर्धशतकों की सहायता से 50 ओवर में 7 विकेट पर 303 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की टीम 262 रन पर ही आउट हो गयी। श्रीलंका की ओर से चमीरा ने 67 रन देकर 4 विकेट लिए।

वहीं इससे पहले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी शुरु की। श्रीलंका का पहला विकेट 22 रन पर गिर गया। हालांकि, इसके बाद निसांका ने कप्तान मेंडिस के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार अर्धशतक लगाते हुए स्कोर को 158 रन तक पहुंचाया। मेंडिस ने 72 रन जबकि निसांका ने 79 रन बनाये। वहीं निचले क्रम में चरित असालंका और जनिथ लियानागे ने भी अच्छी बल्लेबाजी की। श्रीलंकाई टीम ने 300 से अधिक रन बना दिये। वेस्टइंडीज की ओर से रोस्टन चेज, जेडन सील्स और तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड ने दो-दो विकेट लिए। वहीं 304 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी विफल रही। केवल जस्टिन ग्रिव्स और जॉन कैंपबेल की 50 रन की साझेदारी कर पाये। कैंपबेल ने 17 रन जबकि ग्रिव्स ने 45 रन बनाये। कप्तान शाई होप ने 56 रन बनाकर चमीरा का शिकार बने। इसके बाद चमीरा ने तीन और खिलाड़ियों को आउट कर वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। चमीरा ने 4 जबकि महीश तीक्ष्णा ने 2 विकेट लिए।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट शनिवार से, घरेलू हालातों का लाभ उठाना चाहेगी भारतीय टीम

मुल्लांपुर। भारतीय टीम यहां शनिवार से अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलने के लिए उतरेगी। इस मैच में शुभमन गिल की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य घरेलू हालातों का लाभ उठाना रहेगा। दूसरी ओर हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी में उतर रही अफगानिस्तान भी टेस्ट प्रारुप में अपने प्रदर्शन को बेहतर करने के इरादे से उतरेगी।

दोनों ही देशों के बीच अब तक केवलएक टेस्ट मैच खेला गया है। ये मुकाबला साल 2018 में बेंगलुरु में हुआ था। उस मुकाबले में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को एक पारी और 262 रनों से हराया था हालांकि पिछले कुछ साल में अफगानिस्तान की टीम लगातार बेहतर हुई है। उसने टेस्ट क्रिकेट में काफी अनुभव हासिल किया है और वह एक मजबूत इकाई के तौर पर उभरी है।

इस एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम में कई युवा प्रतिभाएं भी खेलती हुई नजर आयेंगी। इसमें देवदत्त पडिक्कल, मानव सुथार और तेज गेंदबाज गुरनूर बरार, हर्ष दुबे जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल हैं। इन तीनों ने ही घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। बल्लेबाजी क्रम में कप्तान शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और ऋषभ पंत शामिल रहेंगे। इस मैच में नीतीश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर ऑलराउंडर के तौर पर उतरेंगी। वहीं तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज संभालेंगे और प्रसिद्ध कृष्णा के पास रहेगी। विकेटकीपिंग के विकल्प के तौर पर ध्रुव जुरेल भी टीम में मौजूद हैं।

वहीं, अफगानिस्तान की टीम भी कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी में भारतीय टीम को टक्कर देना चाहेगी। उसके दल में अब्दुल मलिक, सेदिकुल्लाह अटल और रहमत शाह जैसे बल्लेबाज भी हैं। इसके अलावा रहमानुल्लाह गुरबाज और अजमतुल्लाह उमरजई जैसे खिलाड़ी मैच में बदलाव ला सकते हैं। गेंदबाज की कमान सलीम सफी के अलावा स्पिनर नांग्याल खारोताई और कैस अहमद के पास रहेगी।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच टेट का इस्तीफा, बीसीबी की मुश्किलें बढ़ीं

ढाका । बांग्लादेश के तेज तेज गेंदबाजी कोच शॉन टेट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। टेट के अचानक हुए इस्तीफे से बांग्लादेश क्रिकेट में हड़कंप मच गया। इसका कारण है कि टीम को अगले साल एकदिवसीय विश्वकप सहित कई बड़े मुकाबले खेलने हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेट ने अपनी इस्तीफे की खबर को सही बताया है हालांकि उन्होंने इस्तीफे के कारण नहीं बताये हैं। इससे बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) की परेशानी बढ़ गयी है।

टेट का बीसीबी से अनुबंध 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक था। ऐसे में उनके अचानक हुए इस्तीफे से कई सवाल उठते हैं। मई 2022 में टीम से जुड़ने के बाद से ही उनका बांग्लादेश के साथ उनका कार्यकाल अच्छा रहा है। उन्होंने युवा और अनुभवी दोनों तरह के तेज गेंदबाजों को अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इससे टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर हुआ है।

उनके मार्गदर्शन में बांग्लादेश का तेज गेंदबाजी आक्रमण लगातार बेहतर हुआ है। उनके कार्यकाल में ही युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार किय गया है। अपनी तेज रफ्तार और प्रभावी गेंदबाजी के लिए जाने जाने वाले राणा, हाल के कुछ साल में बांग्लादेश क्रिकेट के सबसे बेहतर सितारे बनकर उभरे हैं। टेट के मार्गदर्शन से नाहिद को काफी लाभ हुआ है।

टेट का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब बांग्लादेश क्रिकेट टीम को अपनी धरती पर ही एक महत्वपूर्ण सफेद गेंद सीरीज खेलनी है। यह सीरीज 9 से 21 जून तक खेली जाएगी। इसमें कुल छह मैच शामिल हैं। इन मैचों में तीन एकदिवसीय मैच ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 9, 11 और 14 जून को खेले जाने हैं। एक बड़ी सीरीज से ठीक प्रमुख कोच के पद छोड़ने से टीम का मनोबल गिरने के साथ ही तैयारियां भी प्रभावित होती हैं।

सूर्यकुमार की जगह पर भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान बन सकते हैं श्रेयस

मुम्बई । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को भारतीय टी20 क्रिकेट टीम का नया कप्तान बनाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), श्रेयस अय्यर को भारत का अगला टी20 कप्तान जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाना चाहता है। इससे साफ है कि कप्तान के तौर पर सूर्यकुमार यादव का कार्यकाल समाप्त हो गया है। सूर्या का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं रहा है। उन्हें कप्तानी से तो हटाया ही जा रहा है, साथ ही खराब फॉर्म के चलते आगामी टी20 सीरीज से टीम से भी बाहर किया जा सकता है। वहीं उप-कप्तान की जिम्मेदारी भी अक्षर पटेल से लेकर युवा तिलक वर्मा को सौंपी जाना तय है।

माना जा रहा है कि बीसीसीआई की चयनसमिति अब बदलाव के लिए तैयार हो गयी है। बीसीसीआई की ऑनलाइन एपेक्स काउंसिल की बैठक में इस फैसले को मंजूरी मिल सकती है। एपेक्स कमेटी मुख्य चयनकर्ता को सूचित करेगी कि अगली बैठक में सूर्यकुमार कप्तान के तौर पर शामिल रहेंगे या नहीं। उनकी जगह अय्यर यह भूमिका निभाएंगे। सूर्यकुमार को हटाने और श्रेयस को नया कप्तान बनाने को लेकर सहमति बन चुकी है। हालांकि मुख्य कोच गौतम गंभीर संजू सैमसन को कप्तान बनाना चाहते थे पर बीसीसीआई और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने श्रेयस अय्यर के नाम पर ही सहमति जताई। बाद में कोच, बोर्ड और चयनकर्ताओं के बीच अय्यर को कप्तान और तिलक वर्मा को उप-कप्तान बनाने को लेकर अंतिम सहमति बन गई।

सूर्यकुमार यादव, जिन्होंने हाल ही में भारतीय टीम का नेतृत्व किया था, अपनी खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर किए जा रहे हैं। उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए घोषित होने वाली टीम में जगह मिलना मुश्किल लग रहा है। बीसीसीआई का यह कदम 2026 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए टीम को एक नई दिशा और नेतृत्व प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। अय्यर के लिए बतौर कप्तान पहली सीरीज आयरलैंड के खिलाफ होगी। भारतीय टीम 26 जून से आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा। इसके बाद टीम इंडिया इंग्लैंड दौर पर रवाना होगी, जहां उन्हें मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। बीसीसीआई जल्द ही इन दौरों के लिए टीम की घोषणा करेगी। इसके बाद नए कप्तान और उप-कप्तान की आधिकारिक घोषणा होगी। भारतीय टीम के आयरलैंड दौरे का पहला टी20 मैच 26 जून को बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा टी20 28 जून को भी सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब, बेलफास्ट में ही शाम 7:30 बजे से होगा। इसके बाद भारत का इंग्लैंड दौरा 2026 शुरू होगा। पहला टी20 1 जुलाई को चेस्टर ली स्ट्रीट में रात 11 बजे से, दूसरा 4 जुलाई को मैनचेस्टर में शाम 7 बजे से, तीसरा 7 जुलाई को नॉटिंघम में रात 11 बजे से, चौथा 9 जुलाई को ब्रिस्टल में रात 11 बजे से और पांचवां व अंतिम टी20 11 जुलाई को साउथहैंप्टन में रात 11 बजे से खेला जाएगा। ये सभी मुकाबले नए कप्तान बनने जा रहे श्रेयस के नेतृत्व में एक नई भारतीय टीम के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

विराट चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली चोटिल होने के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कोहली हैमस्ट्रिंग इंजरी से पीड़ित हैं। इसी कारण व 13 जून से शुरू होने वाली इस सीरीज से बाहर हो गये हैं। , भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हालांकि अभी तक इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है पर अटकलें हैं कि यह चोट ही उनके बाहर होने का मुख्य कारण है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि विराट हैमस्ट्रिंग चोट के चलते इस एकदिवसीय सीरीज में शामिल नहीं रहेंगे। उन्हें ऐसे में अब उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को शामिल किया जाएगा। कोहली को शायद ये चोट आईपीएल सत्र में लगी होगी। उन्होंने फाइनल में भी खेला था पर मैच के दौरान कुछ ब्रेक्स में फिजियो से उन्हें इलाज लेते भी देखा गया। इससे यह सवाल उठता है कि क्या चोट उसी समय लगी, या फिर यह प्रशिक्षण के दौरान लगी।

आईपीएल में विराट ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से काफी रन बनाये थे। वह फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे, और पूरे सीजन में 16 मैचों में उन्होंने 675 रन बनाये थे। इसमें एक शतक भी शामिल था। फाइनल मैच में उन्होंने नाबाद 75 रनों की पारी खेलकर आरसीबी को उनका दूसरा खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। प्रशंसकों को उम्मी थी कि वह एकदिवसीय सीरीज में भी खेलते दिखेंगे पर ये संभव नहीं हुआ।

कोहली के अलावा, टीम में सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की फिटनेस पर भी संशय लाग हुआ है। उन्हें इस सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है पर रोहित भी आईपीएल के अंतिम मैचों में इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरे थे। इसके अलावा बीच के लीग मुकाबलों में भी वह नहीं उतरे। जिससे उनकी पूर्ण फिटनेस पर सवाल उठना तय है।

क्रिकेट में अब भी भ्रष्टाचार और फिक्सिंग जारी, आईपीएल में ऐसा नहीं – ललित मोदी

लंदन। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पूर्व कमिश्नर ललित मोदी ने कहा कै कि क्रिकेट में भ्रष्टाचार और मैच फिक्सिंग अब भी समाप्त नहीं हुई। ललित मोदी के अनुसार आजकल इसमें इतनी जटिलताएं हैं कि फिक्सिंग का पता लगाना और इसको पकड़न बेहद कठिन हो गया है। उन्होंने हालांकि कहा कि आईपीएल में ऐसा नहीं है क्योंकि ये इतना फायदेमंद हो गया है कि कोई भी अपने फिक्सिंग कर अपना नुकसान नहीं करना चाहेगा।

उन्होंने कहा, क्रिकेट में फिक्सिंग हो रही है। यह अब बहुत ही मुश्किल स्तर पर पहुंच गई है। आईपीएल में ऐसा है या नहीं, मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता, लेकिन मैं नहीं जानता। और मैं आपको बता भी नहीं सकता

क्योंकि सच में मुझे जानकारी नहीं है। पर मुझे भरोसा है कि यह हर जगह मौजूद है।

मोदी ने कहा कि दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से मिली धमकियां के कारण ही वह आईपीएल से अलग हुए थे। साथ ही कहा कि कि मैच फिक्सिंग के लिए तैयार नहीं होने पर भी उनके खिलाफ तीन बार हमले के प्रयास किये गये। उन्हें कहा गया था कि अगर वह इस मैच फिक्सिंग का विरोध नहीं करते हैं तो उन्हें मोटी रकम दी जा सकती है पर उन्होंने इस राशि को ठुकरा दिया था।

उन्होंने आईपीएल के शुरुआती तीन सालों में फिक्सिंग के सभी प्रयासों को विफल कर दिया था। इससे अंडरवर्ल्ड और सट्टेबाजी नेटवर्क उनसे नाराज हो गए थे। आईपीएल-2 को दक्षिण अफ्रीका ले जाने के उनके फैसले से भी सट्टेबाजों को नुकसान हुआ था हुआ, इसी करण उनके घर के बाहर गोलीबारी हुई। यहां तक कि दक्षिण अफ्रीका और मोंटेनेग्रो में भी उन पर हमले की साजिशें हुई

थी। इस मामले में साल वर्ष 2012 में लंदन में एक मध्यस्थ के जरिये उनकी दाऊद इब्राहिम से सैटेलाइट फोन पर बात कराई गई थी। बाद में उनसे कहा गया कि दाऊद पक्ष ने उनकी सहायता है, इसलिए बदले में उन्हें कुछ करना होगा।

सिंधु इंडोनेशिया ओपन से बाहर हुई

जकार्ता। भारत की शीर्ष बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु इंडोनेशियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के राउंड ऑफ 16 में हार के साथ ही टूर्नामेंट से बाहर हो गयी हैं। सिंधु को कड़े मुकाबले में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग ने सीधे गेम में 17-21, 14-21 के हरा दिया। इस हार से सिंधु का खिताब जीतने का सपना टूट गया। यह लगातार 10वीं बार है जब सिंधु आन से यंग के खिलाफ हारी हैं। इससे पहले पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी सिंधु को यंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया और एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी। शुरुआत में स्कोर 10-10 पर बराबर था। सिंधु ने शुरुआत में 15-14 की मामूली बढ़त बनायी। उन्होंने लगातार कई अंक बटोरते हुए 19-16 की महत्त्वपूर्ण बढ़त बना ली। इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने अपनी लय बरकरार रखते हुए लगातार दो अंक जीते और पहला गेम 21-17 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी आन ने 13-6 की निर्णायक बढ़त बना ली।

पैतृक गांव पहुंचने पर वैभव का भव्य स्वागत

समस्तीपुर । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का पैतृक गांव ताजपुर पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। वैभव को देखने बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, युवा और स्थानीय लोग उमड़ पड़े। हर कोई अपने इलाके से उभरे इस क्रिकेटर की एक झलक पाने उत्साहित दिखे। उनके साथ सेल्फी खिंचवाने के लिए उत्साहित नजर आया। वैभव के घर पहुंचते ही प्रशंसकों की भीड़ इतनी बढ़ गई कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए परिजनों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ी। प्रशंसकों की भीड़ को देखते हुए वैभव को रात में ही घर से बाहर ले जाना पड़ा।

वहीं देर रात भीड़ कम होने के बाद वैभव वापस अपने आवास पहुंचे। इस दौरान उनके साथ राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर और टीम से जुड़े अन्य लोग भी उपस्थित थे। सुबह होते ही एक बार फिर प्रशंसकों की भीड़ लग गयी। इस दौरान प्रशंसकों , और की वैभव के साथ तस्वीर लेने होड़ देखी गई। हालांकि, सुरक्षा कारणों से वीडियो बनाने पर पूरी तरह रोक रखी गई थी। बुधवार को वैभव ने परिवार के सदस्यों के साथ समय बताया। पल बिताए। इसके बाद वह बेंगलुरु के लिए रवाना हो गए। वैभव के स्वागत और उन्हें बधाई देने के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधि, पुलिस पदाधिकारी, समाजसेवी, व्यवसायी, खेल प्रेमी और बड़ी संख्या में युवा भी पहुंचे। वैभव की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे जिले में गर्व, हर्ष और उत्साह का माहौल बना हुआ है। प्रशंसकों को उम्मीद है कि वैभव आगे भी इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन करते रहेंगे।

लॉर्ड्स में रुट बना सकते हैं एक बड़ा रिकार्ड

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में 2000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बनेंगे

लंदन। इंग्लैंड और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच यहां शुरु हो रहे पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट पर रहेंगी। रूट इस मैच में एक बड़ा रिकार्ड बना सकते हैं। ये रिकार्ड ऐसा है है। जिसे टेस्ट क्रिकेट में आज तक किसी बल्लेबाज ने हासिल नहीं किया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में रुट को 2000 रन पूरे करने के लिए केवल 75 रनों की जरुरत है। ऐसा करते ही वह लॉर्ड्स मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे।

रूट ने अब तक न्यूजीलैंड के खिलाफ 21 टेस्ट मैचों की 40 पारियों में कुल 1925 रन बनाए हैं। अगर वह लॉर्ड्स टेस्ट की एक भी पारी में 75 रन और बना लेते हैं, तो वह इस टीम के खिलाफ 2000 टेस्ट रन बनाने वाले विश्व के पहले और एकमात्र बल्लेबाज बन जाएंगे।

इससे पहले कीवी टीम के खिलाफ पाकिस्तान के जावेद मियांदाद ने 1919 जबकि भारत के राहुल द्रविड़ ने 1659 रन बनाये थे। वहीं सचिन तेंदुलकर 1595 रनों के साथ ही चौथे स्थान पर हैं।

रूट इसके अलाव एक और रिकार्ड बना सकते हैं। 163 टेस्ट मैचों में उनके नाम अभी 13943 रन हैं। रूट को अब 14000 टेस्ट रनों तक पहुंचने के लिए केवल 57 रनों की जरुरत है। क्रिकेट इतिहास में अब तक केवल महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ही 15921 रन बना पाये हैं। रूट यह मील का पत्थर हासिल करते ही दुनिया के दूसरे और इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

अपनी धरती पर सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने के मामले में वह ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज रिकी पोंटिंग 7578 रन से 249 रन पीछे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की इस सीरीज के दौरान रूट के पास पोंटिंग को पीछे छोड़कर घरेलू टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर पहुंचने का सुनहरा अवसर होगा।

44 की उम्र में क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट से वापसी कर रही सेरेना

न्यूजर्सी । अमेरिकी की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी सेरेना विलियम्स 44 साल की उम्र में एक बार फिर टेनिस कोर्ट में वापसी करने जा रही हैं। सेरेन ने अपनी अंतिम टूर्नामेंट चार साल पहले 2022 में खेला था यूएस ओपन 2022 में अपना आखिरी पेशेवर एकल मैच खेलने के बाद से ही सेरेना खेल से दूर हैं हालांकि उन्होंने अधिकारिक रुप से संन्यास की घोषणा नहीं की थी और कहा था कि वह बेहतर होने के लिए खेल से दूर हुई है। वहीं अब सेरेना ने 8 जून से लंदन में होने वाले क्वींस क्लब टेनिस टूर्नामेंट में खेलने की घोषणा की है। ये विंबलडन के लिए अभ्यास टूर्नामेंट माना जाता है। सेरेना की वापसी की घोषणा के बाद से ही उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है। सेरेना के नाम ओपन युग में महिला एकल में रिकॉर्ड 23 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं।

सेरेने ने अमेरिकी ओपन 2022 को अपना अंतिम टूर्नामेंट बताया था, यह कहते हुए कि वह खेल से दूर एक नए अध्याय की शुरुआत करना चाहती हैं। हालांकि, उन्होंने संन्यास की घोषणा नहीं की थी जिससे उनकी वापसी की अटकलें हमेशा बनी रहीं। सेरेना अमेरिकी ओपन में तब तीसरे दौर में हार गई थीं हालांकि अब वह एक बार फिर कोर्ट पर वापसी के लिए तैयार हैं जो उनके भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लग गया है।

क्वींस क्लब में अपनी वापसी की घोषणा करते हुए, विलियम्स ने कहा, क्वींस क्लब इस नए अध्याय की शुरुआत के लिए एकदम सही जगह लगती है। घास के कोर्ट ने मुझे मेरे करियर के कुछ सबसे यादगार पल दिए हैं, और मैं खेल के सबसे प्रतिष्ठित मंचों में से एक पर वापस प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्साहित हूं। क्वींस क्लब नामी ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट है जो 8 से 21 जून तक चलेगा। इससे उन्हें 29 जून से शुरू होने वाले विंबलडन के लिए लय हासिल करने का अवसर मिलेगा।

यह संभावना है कि सेरेना को टूर्नामेंट में एकल या युगल दोनों के लिए वाइल्ड-कार्ड से प्रवेश मिल सकता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह किस प्रारूप में खेलना पसंद करती हैं। उनकी अगली योजना में अमेरिकी ओपन में वापसी भी शामिल हो सकती है, वहीं विश्व की पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट का मानना ??है कि सेरेना का लक्ष्य अमेरिकी ओपन हो सकता है। डेवनपोर्ट ने कहा, ऐसा लगता है कि वह अमेरिकी ओपन तक पहुंचने के लिए धीरे-धीरे आगे बढ़ रही हैं, और वहां के प्रशंसक उन्हें एकल कोर्ट पर वापस देखने के लिए बहुत उत्साहित होंगे। सेरेना की वापसी को उनके प्रशंसक करियर का एक नया अध्याय मान रहे हैं।

गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी

सीजेआई बोले- आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं इस सोच को बदलना है

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने एक लेख में लिखा- भारत के विकास की चर्चा महानगरों, उद्योगों, तकनीक और आधुनिक संरचना के संदर्भ में की जाती है। ऊंची इमारतें, चौड़ी सड़कें और तीव्र आर्थिक गतिविधियां प्रगति का प्रतीक मानी जाती हैं, किंतु इस विकास यात्रा के बीच अहम सवाल हमारे सामने खड़ा है- क्या हम अनजाने में गांवों की मूल आत्मा खो रहे हैं? क्या विकास का अर्थ यह होना चाहिए कि गांव धीरे-धीरे शहर का रूप ले लें? अथवा हमें ऐसा भारत निर्मित करना चाहिए, जहां गांव अपनी सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक आत्मीयता और जीवन मूल्यों को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक सुविधाओं से भी सम्पन्न हों? यह पूरे भारत के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है, लेकिन हरियाणा के गांवों का उल्लेख इसलिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि वहां आज भी सामुदायिक जीवन, श्रम संस्कृति आत्मसम्मान और सामाजिक सहभागिता की परंपरा जीवंत है।

उन्होंने कहा कि यही स्थिति देश के अनेक राज्यों के गांवों में भी ?दिखाई देती है। भारत की वास्तविक शक्ति गांवों में बसती है। यदि गांवों का चरित्र ही बदल गया तो भारत की आत्मा भी प्रभावित होगी। असली चुनौती यह है कि विकास पहुंचाते समय गांवों को 'शहर' बनने से कैसे बचाया जाए। गांवों में सड़कें हों, आधुनिक विद्यालय, उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं, डिजिटल सुविधाएं, रोजगार के अवसर हों, यह जरूरी है लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि गांवों की सामाजिक संरचना, सामू ?हिकता, पर्यावरणीय संतुलन व मानवीय निकटता सुरक्षित रहे।

वर्तमान समय में बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। इसका प्रमुख कारण केवल आर्थिक नहीं है। कई बार यह स्वाभाविक धारणा भी होती है कि सम्मानजनक जीवन, अवसर और आधुनिक सुविधाएं केवल शहरों में ही उपलब्ध हैं। यदि हमें गांवों को सशक्त बनाना है और इस सोच को बदलना है, तो हमें इस पलायन को हतोत्साहित करना होगा। जब युवाओं को यह अनुभव होगा कि वे अपने गांव में रहकर भी सम्मान, अवसर और प्रगति हासिल कर सकते हैं, तभी पलायन की प्रवृत्ति स्वाभाविक रूप से कम होगी।

सीजेआई ने कहा कि ग्रामीण जीवन को केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं देखना चाहिए। गांवों की सबसे बड़ी शक्ति उनका सामा ?जिक ताना-बाना है। शहरों में व्यक्ति अक्सर भीड़ के बीच भी अकेला हो जाता है, जबकि गांवों में समुदाय अभी भी जीवन का केंद्र बना हुआ है। परिवार, पड़ोस, सामू ?हिक सहयोग, पारस्परिक उत्तरदायित्व...ये वे मूल्य हैं, जो भारतीय समाज को स्थिरता प्रदान करते हैं। यदि गांवों का भी अत्य ?धिक नगरीकरण हो गया तो केवल भौतिक संरचना ही नहीं बदलेगी, हमारे सामाजिक संबंधों की प्रकृति भी बदल जाएगी।

भारत के गांव केवल अतीत की स्मृति नहीं हैं, वे भ ?विष्य की संभावना भी हैं। आज विश्वभर में सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण व सामुदा ?यिक जीवन के महत्व पर फिर बल दिया जा रहा है। भारतीय गांव इन मूल्यों के स्वाभा ?विक केंद्र रहे हैं। हम संतुलित दृष्टिकोण अपनाएं तो गांव आधुनिक सुविधाओं व पारंपरिक सामाजिक शक्ति का उत्कृष्ट संगम बन सकते हैं। भारत की प्रगति का सही मापदंड सिर्फ यह नहीं होगा कि शहर कितने विकसित हुए, बल्कि यह होगा कि गांव कितने आत्म ?विश्वासी, आत्मनिर्भर, सम्मानपूर्ण बने। यदि गांवों का युवा अपने भविष्य को गांव से जोड़कर देखे, किसान अपने श्रम पर गर्व अनुभव करे, महिलाओं को समान अवसर व सुरक्षा मिले और ?हर ग्रामीण परिवार को यह महसूस हो कि संविधान की शक्ति जीवन को स्पर्श कर रही है, तभी विकास वास्तव में समावेशी व सार्थक कहलाएगा।

सेबी ने लगाया राजेश एक्सपोर्ट पर प्रतिबंध

15.15 लाख करोड़ के घोटाले का आरोप

फॉरेंसिक जांच के आदेश

मुंबई । देश की प्रमुख स्वर्ण परिष्करण एवं आभूषण निर्यातक कंपनी राजेश एक्सपोर्ट्स और उसके चेयरमैन राजेश मेहता गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों में घिर गए हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कंपनी पर लगभग 15.15 लाख करोड़ रुपये के राजस्व को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

सेबी के अंतरिम आदेश के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 के दौरान कंपनी ने अपनी विदेशी सहायक इकाइयों, विशेष रूप से स्विट्जरलैंड स्थित वैलकैम्बी एसए (वैकाम्बी सा), से संबंधित वित्तीय आंकड़ों का समुचित खुलासा नहीं किया। नियामक का आरोप है कि समूह के कुल राजस्व का 97 से 99 प्रतिशत हिस्सा विदेशी इकाइयों से जुड़ा था, लेकिन उनके वित्तीय विवरण निवेशकों के समक्ष पारदर्शी रूप से प्रस्तुत नहीं किए गए।

सेबी ने राजेश मेहता को प्रतिभूति बाजार में लेन-देन से प्रतिबंधित करते हुए कंपनी के खातों की नई फोरेंसिक ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। नियामक ने यह भी कहा है कि जांच के दौरान कंपनी द्वारा अपेक्षित सहयोग नहीं किया गया।

हालांकि राजेश एक्सपोर्ट्स ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए दावा किया है कि कंपनी के समेकित (कंसोलिडेटेड) वित्तीय आंकड़े सही हैं और सेबी ने राजस्व की गणना में महत्वपूर्ण तथ्यों की अनदेखी की है।

इस मामले के सामने आने के बाद कंपनी के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई है और निवेशकों के बीच चिंता का माहौल बन गया है। अंतिम निर्णय सेबी की विस्तृत जांच और फोरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा।

रिलायंस कम्युनिकेशंस के पूर्व एमडी अमिताभ झुनझुनवाला फिर गिरफ्तार, 5 जून तक सीबीआई हिरासत

मुंबई, । रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) से जुड़े हजारों करोड़ रुपये के बैंक ऋण घोटाले और वित्तीय अनियमितताओं के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने कंपनी के पूर्व ग्रुप मैनेजिंग डायरेक्टर अमिताभ झुनझुनवाला को दोबारा गिरफ्तार कर लिया है। मुंबई की विशेष सीबीआई अदालत ने उन्हें 5 जून तक सीबीआई हिरासत में भेज दिया है। सीबीआई ने झुनझुनवाला को मुंबई सत्र न्यायालय में विशेष सीबीआई न्यायाधीश जे. पी. दरेकर के समक्ष पेश किया। सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से अधिवक्ता ए. लिमोसीन ने अदालत को बताया कि मामले की आगे की जांच के लिए झुनझुनवाला से विस्तृत पूछताछ आवश्यक है। इसके बाद अदालत ने उन्हें 5 जून तक सीबीआई हिरासत में भेजने का आदेश दिया। आपको बता दें कि सीबीआई ने पिछले सप्ताह इस मामले में अपना पहला आरोपपत्र दाखिल किया था, लेकिन उसमें अमिताभ झुनझुनवाला का नाम शामिल नहीं था। ऐसे में माना जा रहा है कि उनकी पूछताछ पूरी होने के बाद एजेंसी जल्द ही पूरक आरोपपत्र (सप्लीमेंट्री चार्जशीट) दाखिल कर सकती है। सीबीआई ने विशेष अदालत के प्रोडक्शन वारंट के आधार पर उन्हें दिल्ली की तिहाड़ जेल से हिरासत में लिया था। सोमवार को अदालत से गिरफ्तारी की अनुमति मिलने के बाद उनकी औपचारिक गिरफ्तारी की प्रक्रिया पूरी की गई। सीबीआई के अनुसार, रिलायंस कम्युनिकेशंस समूह को विभिन्न बैंकों से मिले ऋण का कथित तौर पर दुरुपयोग किया गया, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। जांच एजेंसी का दावा है कि अमिताभ झुनझुनवाला कंपनी के वित्त, बैंकिंग और फंड प्रबंधन से जुड़े प्रमुख निर्णयों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। उन पर आरोप है कि उन्होंने विभिन्न बैंकों से कंपनी के लिए ऋण जुटाने और उससे संबंधित वित्तीय गतिविधियों में अहम भूमिका निभाई। यह मामला रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड और उद्योगपति अनिल अंबानी के खिलाफ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत पर दर्ज किया गया था।

भारत-वेनेजुएला : ऊर्जा पर केंद्रित रणनीतिक साझेदारी

नई दिल्ली। वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज पाँच दिवसीय भारत दौरे पर नई दिल्ली पहुंची हैं। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करना है। गुरुवार को उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने भारत और वेनेजुएला के बीच साझेदारी को मजबूत करने के प्रति उनकी निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की।

रोड्रिगेज इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ महत्वपूर्ण बैठक करेंगी। इस बैठक में भारत-वेनेजुएला संबंधों के सभी पहलुओं पर गहन चर्चा की। बातचीत का मुख्य फोकस ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार और निवेश, फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में आगे सहयोग के रास्ते तलाशना होगा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह यात्रा भारत-वेनेजुएला संबंधों को और गहरा करेगी और द्विपक्षीय साझेदारी में मिली गति को मजबूत करेगी। भारत, ऊर्जा और निवेश के क्षेत्रों में वेनेजुएला का एक महत्वपूर्ण भागीदार रहा है। भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने वेनेजुएला के ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा निवेश किया है और वे अपनी उपस्थिति को और बढ़ाने के अवसरों का पता लगाने के लिए उत्सुक हैं।

कार्यवाहक राष्ट्रपति रोड्रिगेज के साथ आए वेनेजुएला के प्रतिनिधिमंडल ऊर्जा, फार्मास्यूटिकल्स और ऑटो क्षेत्रों से जुड़े कई स्थलों का दौरा करेंगे। इसका उद्देश्य भारत की तकनीकी और औद्योगिक क्षमताओं की जानकारी प्राप्त करना और सहयोग के नए अवसरों का पता लगाना है। भारत और वेनेजुएला के बीच ऊर्जा क्षेत्र, व्यापार और ग्लोबल साउथ के प्रति साझा प्रतिबद्धता के सहयोग से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। विदेश मंत्रालय ने विश्वास व्यक्त किया है कि यह यात्रा द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूती प्रदान करेगी और विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच जुड़ाव गहरा होगा।

देरी से ही सही, केरल आया मानसून

किसानों के चेहरे खिले, महंगाई से राहत की आस

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम । केरल में गुरुवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून के आने के साथ ही चार महीने के बारिश के मौसम की शुरुआत हुई और लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। मानसून के आने की घोषणा भारत मौसम विज्ञान विभाग ने की। हालांकि मानसून के आने की आम तारीख 1 जून है, लेकिन इस साल यह तीन दिन की देरी से 4 जून को आया। इसे दक्षिण-पश्चिम मानसून ऋतु (जून से सितंबर) की शुरुआत का संकेत माना जाता है। इसके असर से केरलम के अलावा तमिलनाडु और कर्नाटक में कुछ जगहों पर अगले 7 दिन भारी बारिश हो सकती है। अगले 2-3 दिन में मानसून पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों के अलावा पूर्वोत्तर के राज्यों में आगे बढ़ सकता है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के समय पर आने से फसलें स्वस्थ रहेंगी और इससे कृषि में तेजी आएगी। इस समय आने वाले मानसून से न केवल किसानों को राहत मिलेगी, बल्कि इससे देश की आर्थिक स्थिति पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा। केरल में मानसून का आगमन जलवायु के बदलाव के बीच फसलों के लिए महत्वपूर्ण है। बारिश से धान, सब्जियों और अन्य फसलों की पैदावार में वृद्धि होने की संभावना है। इससे मंडियों में अनाज की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों में भी स्थिरता आ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस मौसम में सामान्य वर्षा प्रदेश की अर्थव्यवस्था में मजबूती ला सकती है। मानसून का आगमन धान (चावल), दालों, मक्के, कपास और तिलहन जैसी प्रमुख खरीफ फसलों की बुवाई की शुरुआत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। भारत का लगभग 50 प्रतिशत कृषि क्षेत्र सिंचाई के लिए पूरी तरह से वर्षा जल पर निर्भर करता है, जिससे यह बारिश फसलों के उत्पादन के लिए जीवनदायिनी साबित होगी। भीषण गर्मी के बाद इस बारिश से देश के प्रमुख बांधों और जलाशयों में पानी का स्तर सुधरेगा, जो रबी (सर्दियों) की फसलों के लिए भी बैकअप का काम करेगा।

अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक बारिश

भारत की अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है, जिसके लिए कृषि का बेहतर होना आवश्यक है। मानसून का समय पर आगमन इस उद्देश्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। बारिश से न केवल कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है, बल्कि यह जल स्तर को बनाए रखने और जल संसाधनों के प्रबंधन में भी सहायक होता है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में वृद्धि का ये एक महत्वपूर्ण चिह्न है।

ग्रामीण और खाद्य मुद्रास्फीति मांग में तेजी

अच्छी फसल होने से ग्रामीण आबादी की आय बढ़ती है, जिससे ट्रैक्टर, दोपहिया वाहन, एफएमसीजी उत्पाद और अन्य उपभोक्ता सामानों की मांग में तेजी आती है। समय पर और पर्याप्त बारिश होने से फसलों की पैदावार अच्छी होती है, जिससे बाजार में अनाज और सब्जियों की कीमतें स्थिर रहती हैं और महंगाई पर लगाम लगती है। कृषि क्षेत्र भारत की जीडीपी में लगभग 18.2 प्रतिशत का योगदान देता है। बेहतर मानसून सीधे तौर पर देश की आर्थिक विकास दर को मजबूती प्रदान करता है।

जलवायु परिवर्तन और चुनौती

हालांकि, वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन एक बड़ी चुनौती बन गया है। मौसम में अनियमितता और अत्यधिक बारिश के कारण फसलों को नुकसान हो सकता है। केरल में पिछले कुछ वर्षों में बाढ़ की घटनाएं भी इस बात को दर्शाती हैं। ऐसे में सही समय पर मानसून का आना इस बार बेहद आवश्यक है ताकि कृषि क्षेत्र को स्थिरता मिल सके।

केरल के लिए अनुकूल स्थिति

केरल की कृषि व्यवस्था बारिश पर निर्भर करती है, जो कि इस प्रदेश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आमतौर पर जून में शुरू होने वाले कृषि कार्य इस बार सकारात्मक रूप से प्रभावित होंगे। समय पर मानसून से मिट्टी की नमी बढ़ेगी, जिसके चलते फसलें जल्द ही तैयार होंगी। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा।

कृषि पर सकारात्मक प्रभाव

विभिन्न कृषि संगठनों का मानना है कि बारिश का समय पर आगमन न केवल छोटे किसानों के लिए, बल्कि सभी कृषि उत्पादकों के लिए फायदेमंद होगा। यह खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देगा और अनाज, फल और सब्जियों की कीमतों में संतुलन बनाए रखेगा। ऐसे में, इस वर्ष का मानसून केरल और भारत की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मौसम विभाग ने मानसून के दस्तक देते ही केरल में भारी से बहुत भारी बारिश (7 से 20 सेमी) की चेतावनी जारी की है और कई जिलों में अलर्ट घोषित किया है।

सीबीएसई पुनर्मूल्यांकन के लिए एक ही दिन में 44,000 से अधिक आवेदन दर्ज

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदनों में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है। छात्र अपनी उत्तर पुस्तिकाओं में कथित विसंगतियों और बोर्ड के ऑनलाइन पोर्टल पर आ रही तकनीकी खामियों से परेशान हैं, जिससे देशभर में चिंता का माहौल है। सीबीएसई के ऑनलाइन पोर्टल पर बुधवार को अकेले लगभग 44,000 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें सत्यापन के लिए 4,924 और पुनर्मूल्यांकन के लिए 39,056 शामिल थे। यह आंकड़ा मंगलवार रात तक दर्ज 28,000 से अधिक आवेदनों की तुलना में एक तीव्र वृद्धि को दर्शाता है।

शिक्षक भर्ती मामले में 15 को अभिषेक से पूछताछ करेगी ईडी

-ईडी ने उनके निवास पर जाकर थमाया समन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कड़ा रुख अपनाते हुए तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी को समन जारी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी कोलकाता के कालीघाट स्थित उनके आवास पर नोटिस लेकर पहुंचे, जिसके तहत उन्हें आगामी 15 जून को पूछताछ के लिए जांच अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होने का कड़ा निर्देश दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय एजेंसी शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले से जुड़े कथित वित्तीय लेन-देन की गहराई से जांच कर रही है। इस जांच के दौरान लीप्स एंड बाउंड्स नामक संस्था से संबंधित कुछ संदिग्ध वित्तीय जानकारियां और दस्तावेज सामने आए हैं, जिनके आधार पर एजेंसी अभिषेक बनर्जी से विस्तृत पूछताछ करना चाहती है।

बताया जा रहा है कि ईडी की एक विशेष टीम सबसे पहले उनके शांतिनिकेतन स्थित ठिकाने पर पहुंची थी, लेकिन वहां अभिषेक बनर्जी के मौजूद न होने के कारण अधिकारी कालीघाट रोड स्थित उनके मुख्य आवास पर पहुंचे। उस समय भी अभिषेक बनर्जी घर पर उपस्थित नहीं थे और बताया गया कि वे पार्टी प्रमुख व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई एक बेहद महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने गए हुए थे। काफी देर इंतजार करने के बाद आखिरकार अभिषेक बनर्जी के कार्यालय के एक प्रतिनिधि ने ईडी का यह समन स्वीकार किया। दिल्ली और कोलकाता के अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने इस कानूनी नोटिस को तामील कराया है। उल्लेखनीय है कि शिक्षक भर्ती मामले में वित्तीय गड़बड़ियों को लेकर इससे पहले केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो भी अभिषेक बनर्जी से पूछताछ कर चुकी है। अब ईडी ने उसी जांच को आगे बढ़ाते हुए और नए वित्तीय पहलुओं को आधार बनाकर यह नया समन जारी किया है। जांच एजेंसी का मानना है कि इस पूरे मामले के वित्तीय स्रोतों और लेन-देन की पड़ताल के लिए अभिषेक बनर्जी से पूछताछ करना बेहद आवश्यक है। अब सभी की निगाहें 15 जून की तारीख पर टिकी हैं, जब अभिषेक बनर्जी के ईडी के सामने पेश होने की संभावना है। इस बीच, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद से ही तृणमूल कांग्रेस के भीतर शुरू हुआ सियासी कोहराम थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां पार्टी के भीतर चल रही ऐतिहासिक बगावत को विधानसभा के स्तर पर आधिकारिक मान्यता मिल गई है, वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक मोर्चे पर भी ममता बनर्जी को अब तक का सबसे बड़ा झटका लगा है।

भारत का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर बना अमेरिका, संघर्ष ने बदली ऊर्जा खरीदी व्यवस्था

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने भारत की ऊर्जा खरीद व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। इसी बदलाव का असर है कि मध्य-पूर्वी देशों से भारी मात्रा में लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) आयात करने वाला भारत अमेरिका से यह पेट्रोलियम उत्पाद खरीद रहा है। अब अमेरिका पारंपरिक खाड़ी देशों को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा एलपीजी सप्लायर बन गया है। वहीं, रूस भू-राजनीतिक तनाव और प्रतिबंधों के बावजूद भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है।

आंकड़ों के मुताबिक मई 2026 में भारत के कुल एलपीजी आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी 55फीसदी रही, जबकि फरवरी में यह केवल 14फीसदी थी। इस बदलाव की सबसे बड़ी वजह अमेरिका-इजराइल का ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू करना है। बता दें 28 फरवरी को दोनों देशों ने ईरान पर हमला कर दिया था जिसके बाद शुरू हुए युद्ध ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में भारी तबाही मचाई। इस युद्ध ने एनर्जी सप्लाई चेन पर बहुत बुरा असर डाला क्योंकि ईरान ने तेल-गैस की सप्लाई के लिए अहम समुद्री रास्ते होर्मुज को बंद कर दिया। फिलहाल दोनों पक्षों के बीच बेहद नाजुक युद्धविराम कायम है और युद्ध खत्म करने के लिए कोई भी बातचीत अपने आखिरी मुकाम तक नहीं पहुंच पा रही है।

भारत पारंपरिक रूप से अपनी ज्यादातर एलपीजी जरूरतों के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर रहा है, लेकिन युद्ध के कारण संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत और कतर जैसे देशों से आयात बहुत कम हुआ है। भारत के एलपीजी आयात में इन देशों की संयुक्त हिस्सेदारी फरवरी में 81फीसदी से घटकर मई में केवल 16फीसदी रह गई। मई में अमेरिका से भारत को एलपीजी निर्यात 73फीसदी बढ़कर करीब 6.66 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया। सप्लाई में आई रुकावट के चलते भारत को घरेलू स्तर पर भी सख्त कदम उठाने पड़े।

सरकार ने हाल ही में पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी सिलेंडर खरीदने पर रोक लगा दी और कुछ उद्योगों को एलपीजी की सप्लाई कम कर दी ताकि घरेलू जरूरतों को प्राथमिकता दी जा सके। घरेलू उत्पादन में बढ़ोतरी ने भी स्थिति को कुछ हद तक संभालने में मदद की है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक भारत का एलपीजी उत्पादन संघर्ष से पहले करीब 35,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन था जो बढ़कर 50,000-52,000 मीट्रिक टन प्रतिदिन तक पहुंच गया है। इससे आयात पर निर्भरता कुछ कम हुई है लेकिन देश की कुल मांग का करीब 60फीसदी हिस्सा अब भी आयात से पूरा होता है।

भारत के तेल आयात में भी संघर्ष का असर देखने को मिला है। मई में रूस से कच्चे तेल का आयात 24फीसदी बढ़कर 19.5 लाख बैरल प्रतिदिन पहुंच गया, जो भारत के कुल करीब 49 लाख बैरल प्रतिदिन के कच्चे तेल आयात का बड़ा हिस्सा है। केप्लर के विश्लेषकों का कहना है कि रूस से मिलने वाला तेल भारतीय रिफाइनरियों को सही कीमत पर मिल रहा है।

बंगाल में सियासी घमासान के बीच बोले संजय राउत- ऋतब्रत बनर्जी में दम नहीं

मुंबई। पश्चिम बंगाल की राजनीति में जारी घमासान की गूंज अब देश के अन्य राज्यों में भी सुनाई दे रही है। दरअसल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के भीतर उभरे सियासी संकट को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राउत ने दावा किया कि टीएमसी के बागी नेता ऋतब्रत बनर्जी के पास अकेले 60 विधायकों का समर्थन जुटाने का दम नहीं है और इसके पीछे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी की भूमिका है।

यहां बताते चलें कि बुधवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष रतींद्र नाथ बोस ने टीएमसी के बागी गुट को विधानसभा में विपक्ष की मान्यता प्रदान कर दी। ऋतब्रत बनर्जी ने 60 विधायकों के समर्थन का दावा पेश किया था, जिसे स्वीकार करते हुए उन्हें नेता प्रतिपक्ष का दर्जा दिया गया। विधानसभा में उन्हें कार्यालय भी आवंटित कर दिया गया है। इसके साथ ही बागी गुट की ओर से प्रस्तावित चीफ व्हीप और उपनेता के नामों को भी मंजूरी मिल गई।

इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय राउत ने कहा कि बंगाल में वही राजनीतिक रणनीति अपनाई जा रही है, जिसका इस्तेमाल पहले महाराष्ट्र में किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पर्दे के पीछे अमित शाह और सुवेंदु अधिकारी सक्रिय हैं और टीएमसी को कमजोर करने का प्रयास कर रहे हैं। राउत ने कहा कि ऋतब्रत बनर्जी कोई इतने बड़े नेता नहीं हैं कि अपने दम पर इतने विधायकों का समर्थन हासिल कर लें।

राउत ने महाराष्ट्र की राजनीतिक उठापटक का उल्लेख करते हुए कहा कि जब एकनाथ शिंदे ने बगावत की थी, तब उनके साथ शुरुआत में सीमित संख्या में विधायक थे। बाद में भाजपा नेतृत्व ने समर्थन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके अनुसार, पश्चिम बंगाल में भी इसी तरह का राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिल रहा है।

ऐसे आरोपों पर ध्यान नहीं देते- मनीषा

हालांकि, राउत के आरोपों पर शिवसेना की नेता मनीषा कायंदे ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि आजकल संजय राउत के आरोपों को गंभीरता से नहीं लिया जाता। कायंदे ने कहा कि पहले लोग उनकी बातों पर ध्यान देते थे, लेकिन अब उनके बयान केवल मीडिया की सुर्खियों तक सीमित रह जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उद्धव ठाकरे की पार्टी खुद अपने विधायकों और नेताओं को एकजुट रखने की स्थिति में नहीं है।

बंगाल में टीएमसी के भीतर बढ़ते राजनीतिक संकट और उस पर राष्ट्रीय दलों की प्रतिक्रियाओं ने राज्य की राजनीति को और अधिक गरमा दिया है। आने वाले दिनों में इस घटनाक्रम के और व्यापक राजनीतिक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

एनआईए की पश्चिम बंगाल के 9 स्थानों पर छापेमारी

कोलकाता। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के भांगर विस्फोट मामले में गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए राज्य के विभिन्न इलाकों में 9 स्थानों पर छापेमारी की। एजेंसी इस मामले की गहन जांच कर रही है, जिसे केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संभावित पहलुओं को देखते हुए अपने हाथ में लिया है।

जानकारी के अनुसार, एनआईए ने 26 अप्रैल 2026 को इस मामले की जांच औपचारिक रूप से संभाली थी। इससे पहले कोलकाता पुलिस ने दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर क्षेत्र में छापेमारी कर 79 देसी बम, विस्फोटक सामग्री तथा बम निर्माण में उपयोग होने वाले अन्य सामान बरामद किए थे। इस बरामदगी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई थीं। मामले की शुरुआत 25 अप्रैल को उत्तर काशीपुर थाने में दर्ज प्राथमिकी से हुई थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि इलाके में बड़ी मात्रा में देसी बम और विस्फोटक सामग्री छिपाकर रखी गई है। सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री मिलने से मामला गंभीर हो गया था। गृह मंत्रालय ने घटना के संभावित प्रभाव और इसके पीछे किसी बड़े नेटवर्क की आशंका को देखते हुए जांच एनआईए को सौंप दी। एजेंसी अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि बरामद विस्फोटक सामग्री का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था और इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। गुरुवार को हुई छापेमारी के दौरान एनआईए अधिकारियों ने कई संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ली तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दस्तावेजों और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों को जब्त किया। जांच एजेंसी इन सामग्रियों की जांच कर संभावित साजिश, वित्तीय स्रोतों और आरोपियों के नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

न्यूज गैलरी

जाली बाउंड्री उखाड़ने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, दोनों ओर से केस दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी पुलिस अनुभाग के ग्राम किरनापुर वार्ड नं. 5 में जमीन पर मेड़ डालने और जाली बाउंड्री उखाड़ने को लेकर मां-बेटी और वृद्ध दंपति के बीच विवाद इतना बढ़ा कि मारपीट तक पहुंच गया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। किरनापुर पुलिस ने पक्ष के विरुद्ध अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कामिनी भीमटे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही है। उनके घर के सामने ही नाना जी भीमटे अपने परिवार के साथ रहते हैं। 3 जून को सुबह 9-30 बजे कामिनी भीमटे के घर के सामने रहने वाले नानाजी भीमटे अपने निजी भूमि पर मेड़ खंबा गाड़ने के लिए चूने से लाइन बना रहे थे। कामिनी भीमटे का आरोप है कि इस दौरान नानाजी भीमटे अपने मजदूरों के साथ उसके घर के सामने लगी जाली और बाउंड्री वाल को उखाड़कर मेड़ की लाइन डालने लगे। कामिनी के मना करने पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। कामिनी ने आरोप लगाया कि नानाजी भीमटे और उनकी पत्नी चमन बाई ने उसे और उसकी मां ज्योति भीमटे के साथ हाथ-मुक्कों और लोहे की रॉड से मारपीट की। वहीं 78 वर्षीय नानाजी भीमटे ने आरोप लगाया कि कामिनी भीमटे और उसकी मां ज्योति ने उनके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की, हाथ की कलाई पर दांत से काटा और जमीन पर धक्का देकर गिरा दिया। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर अश्लील गालियां देने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप भी लगाया है। घटना के बाद दोनों पक्ष के परिजनों के द्वारा बीच-बचाव करने पर दोनों पक्ष किरनापुर थाने पहुंचे। किरनापुर पुलिस ने नानाजी भीमटे 78 वर्ष की रिपोर्ट पर ज्योति भीमटे और कामिनी भीमटे के खिलाफ जबकि कामिनी भीमटे 27 वर्ष की रिपोर्ट पर नानाजी भीमटे और उनकी पत्नी चमन बाई भीमटे के विरुद्ध मारपीट, अश्लील गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क पर कब्जा नहीं चलेगा, अतिक्रमण हटाने मैदान में उतरा नगरीय प्रशासन

होटल, कोचिंग संस्थान और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को पार्किंग व्यवस्था सुधारने के निर्देश, अभियान रहेगा जारी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के अंबेडकर चौक से हनुमान चौक तक चल रहे नाला निर्माण कार्य और बढ़ती यातायात समस्या को देखते हुए नगर पालिका, राजस्व एवं पुलिस प्रशासन ने गुरूवार 4 जून से संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू कर दिया। अभियान के पहले दिन अंबेडकर चौक से गोंदिया रोड और हनुमान चौक तक सड़क के दोनों ओर किए गए अतिक्रमण को चिन्हित कर हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही दुकानदारों और व्यापारियों को सड़क तक फैले सामान, अव्यवस्थित पार्किंग और शासकीय भूमि पर किए गए कब्जे हटाने के निर्देश दिए गए।

नगर पालिका के अधिकारियों ने बताया कि शहर में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा नाला निर्माण कार्य के दौरान लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए यह अभियान शुरू किया गया है। आगामी दिनों में भी शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कार्रवाई से एक दिन पूर्व नगर पालिका कार्यालय में प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग और राजस्व अमले की संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें शहर में बढ़ती यातायात समस्या और सड़क किनारे किए जा रहे अतिक्रमण को लेकर चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि पहले चरण में व्यस्ततम मार्गों पर कार्रवाई की जाएगी और उसके बाद अन्य क्षेत्रों में अभियान चलाया जाएगा। गुरुवार सुबह नगर पालिका के राजस्व एवं नियोजन विभाग और कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से सड़क पर उतरकर कार्रवाई की। इस दौरान सड़क के दोनों किनारों पर लगाए गए फ्लैक्स बोर्ड, ठेले, खोमचे, टपरों और अन्य अस्थायी अतिक्रमणों को हटाया गया। कार्रवाई शुरू होते ही क्षेत्र के दुकानदारों और अतिक्रमणकारियों में हड़कंप की स्थिति बन गई और कई लोगों ने स्वयं ही अपनी दुकानों के बाहर रखा सामान हटाना शुरू कर दिया। निरीक्षण के दौरान प्रशासन ने पाया कि कई होटल, कोचिंग संस्थान और व्यावसायिक प्रतिष्ठान अपनी पार्किंग सड़क तक कर रहे हैं, जिससे यातायात प्रभावित हो रहा है। वहीं कुछ ऑटोमोबाइल व्यवसायी फोर व्हीलर वाहनों को सड़क पर खड़ा कर रहे थे। आजाद चौक के समीप भवन निर्माण सामग्री भी सड़क तक फैली हुई मिली, जिस पर अधिकारियों ने तत्काल सामग्री हटाने के निर्देश दिए। प्रशासनिक अधिकारियों ने संबंधित लोगों को चेतावनी दी कि यदि निर्माण सामग्री या अन्य सामान सड़क पर पाया गया तो नियमानुसार प्रतिदिन के हिसाब से जुर्माना लगाया जाएगा। ऋषि कॉम्प्लेक्स तथा हनुमान चौक क्षेत्र में कुछ क्लीनिक और प्रतिष्ठानों के सामने अव्यवस्थित पार्किंग पाए जाने पर भी संबंधित संचालकों को सख्त हिदायत दी गई और सड़क पर खड़े वाहनों को हटवाया गया। नगर पालिका अधिकारियों ने स्थानीय व्यापारियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि दुकानों का सामान निर्धारित सीमा के भीतर रखें, वाहन पार्किंग की उचित व्यवस्था करें और शासकीय भूमि पर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करें। उन्होंने बताया कि पहले दिन समझाइश और चेतावनी के साथ कार्रवाई की गई है, लेकिन आगे नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ जुर्माना और सामग्री जब्ती जैसी कार्रवाई भी की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि शहर को व्यवस्थित और यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से यह अभियान लगातार जारी रहेगा तथा अन्य प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर भी चरणबद्ध तरीके से अतिक्रमण हटाया जाएगा। इससे आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और शहर की यातायात व्यवस्था अधिक सुचारू हो सकेगी।

पैसा ठीक होने के बाद देना

शादी से पहले एवं शादी के बाद

उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।

पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना

गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

गर्रा रेलवे ओवरब्रिज को शुरू करने को लेकर मिल रही तारीख पर तारीख

अब निरीक्षण के बाद पुनः तय की जाएगी नई तारीख, पहले 31 मई तो फिर 5 से 6 जून बताई जा रही थी तिथि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वारासिवनी रोड स्थित गर्रा रेलवे ओवरब्रिज को शुरू करने को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा तारीख पर तारीख दी जा रही है पहले प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा 31 मई की तारीख दी गई थी, जिसे तकनीकी खामियों का हवाला देते हुए आगे बढ़ा दिया गया। फिर 5 से 6 जून की तारीख दी गई थी, लेकिन वर्तमान समय में रेलवे ओवर ब्रिज में चल रहे निर्माण कार्यों को देखते हुए ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा है कि 6 तारीख को इस उड़ान पुल से वाहनों का आवागमन शुरू हो जाएगा।आपको बताए कि 750 मीटर लंबे और तकरीबन 7.5 मीटर चौड़े, गर्रा ओवरब्रिज का रेलवे क्रासिंग के भाग को छोड़कर शेष कार्य प्रदेश सरकार से स्वीकृत राशि 21.67 करो ? रूपए से 13 स्पॉन पर ब्रिज तैयार किया गया है। सेतु संभाग ने दो महिने पहले अपना काम खत्म कर दिया लेकिन रेलवे की देरी से कार्य किए जाने के कारण, रेलवे ओवरब्रिज को प्रारंभ करवाने में देरी हो रही है। अभी चेकर्स टाईल्स लगाने के साथ ही सुरक्षा वॉल का काम भी शुरू है, वहीं पुल पर बिजली लगाने के लिए टेंडर आगामी 8 जून को खोला जाना है, जिसके बाद ठेकेदार तय होगा और उसके बाद बिजली का काम शुरू किया जाएगा। जिसमें एक पखवाड़ा से ज्यादा समय लग सकता है।

अधूरे निर्माण में आवागमन प्रारंभ करना होंगी जल्दबाजी

जिस तरह से ब्रिज पर काम अधूरा पड़ा है, उसे देख ऐसा नही लगता कि इस पुल से जल्द आवागमन शुरू हो पाएगा।वही अधूरे निर्माण में आवागमन प्रारंभ करना जल्दबाजी होगी।वहीं पिछले दिनों सोमवार को बैठक में कलेक्टर ने साफ कर दिया है कि निरीक्षण के बाद ही गर्रा रोड ओव्हर ब्रिज से यातायात शुरू करने की तिथि तय की जाएगी।

कारीगर बोले काम पूरा करने में लगेगा सप्ताह भर का समय

बताया गया कि ब्रिज के ऊपर फुटपाथ पर टाईल्स लगाने का कार्य चल रहा है, प्रशासन भले ही इससे दो दिनो में पूर्ण होने की बात कह रहा हो लेकिन यहां काम कर रहे कारीगरों ने बताया कि काम पूरा होने में कम से कम एक सप्ताह लगेगा। हालांकि कलेक्टर मृणाल मीणा ने एसडीएम को अधिकारियों के साथ दो दिन के बाद ब्रिज का निरीक्षण करने के निर्देश दिये है।

कुछ काम अब भी अधूरे

हालांकि प्रशासन चाहता है कि इसमें तत्कालिक रूप से बिजली की व्यवस्था हो, लेकिन, तत्कालिक बिजली की व्यवस्था, इस घुमावदार आरओबी में आवागमन के लिए कितनी सुरक्षित होगी, यह कोई नहीं बता पा रहा है। चूंकि इस आरओबी में घुमावदार मार्ग है, जिससे आवागमन के दौरान तत्कालिक बिजली व्यवस्था, इससे संभव हो ऐसा लगता नहीं है। टाइल्स लगाना, दीवार में पेंटिंग करना सहित अन्य कार्य अब भी अधूरे हैं जिसे देख साफ लग रहा है कि अभी गर्रा आरओबी के शुरू होने में और समय लग सकता है।

आवश्यकता है

पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/युवती की आवश्यकता है युवतियों को विशेष प्राथमिकता

युवक-५ पद, युवती ५ पद, मेनेजर २ पद

वेतनमान-योग्यता अनुसार

-सम्पर्क करें-
रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड़ , अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मों.नं.6260987149, 7974436365, 9822219741, 9713298484

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट